6 सितंबर 2025

शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

साई इंटरप्राइजेज की आड़ में मैनेज का बड़ा खेल 3

निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण लागू करे सरकार : राजेंद्र

- कांग्रेस बोली- शीतकालीन सत्र में लाया जाए कानून

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने मोदी सरकार से मांग की है कि संसद के शीतकालीन सत्र में अनुच्छेद 15(5) लागू करने के लिए कानून लाया जाए। इस प्रावधान से एससी, एसटी और ओबीसी को निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण मिलेगा। कांग्रेस ने संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि इन वर्गों के छात्र निजी विश्वविद्यालयों में बेहद कम संख्या में हैं। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को मोदी सरकार से मांग की कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में अनुच्छेद 15(5) को लागू करने के लिए कानून लाया जाए। इस अनुच्छेद के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित

जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी) के लिए निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान है। कांग्रेस ने दावा किया कि इन वर्गों के छात्र निजी विश्वविद्यालयों में बेहद कम संख्या में मौजूद हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश में निजी शिक्षा संस्थानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन आर्थिक तंगी और आरक्षण लागू न होने की वजह से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी) वर्ग के बच्चे इन संस्थानों में पढ़ाई का अवसर नहीं पा रहे हैं। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग प्रमुख राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि यूपीए सरकार ने आरक्षण का कानून बनाया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी 2008, 2011 और 2014 में वैध ठहराया।संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला दिया है। कांग्रेस ने संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें पाया गया कि निजी शिक्षा संस्थानों में केवल 0.89 प्रतिशत एससी 0.53 प्रतिशत एसटी और 11.16 प्रतिशत ओबीसीछात्र हैं। आदिवासी कांग्रेस प्रमुख विक्रांत भूरिया ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने सामाजिक समानता के लिए वोट का अधिकार और आरक्षण दोनों को जरूरी बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार शिक्षा व्यवस्था को निजी हाथों में सौंप रही है।

भाजपा सरकार पर उपेक्षा का आरोप कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यूपीए सरकार द्वारा बनाए गए कानून पर मोदी सरकार ने 11 साल से कोई कदम नहीं उठाया है। ओबीसी विभाग प्रमुख अनिल जयहिंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद को ओबीसी बताते हैं, लेकिन उनके शासनकाल में ओबीसी समुदाय को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि 2017 से अब तक मोदी सरकार क्रीमी लेयर की समीक्षा तक नहीं कर पाई। कांग्रेस नेताओं ने याद दिलाया कि पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के घोषणापत्र ह्यन्याय पत्रह्न में निजी शिक्षा संस्थानों में अनुच्छेद 15(5) लागू करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि अब संसद की स्थायी समिति ने भी सर्वसम्मति से इस कानून को लागू करने की सिफारिश की है। कांग्रेस ने मांग की कि मोदी सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में यह कानून लेकर आए।

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के पहले ही प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मियां तेज है। सभी दलों के नेताओं का बिहार आना-जाना का सिलसिला शुरू हो चला हैं। भाजपा जहां कांग्रेस और आरजेडी पर हमलावर है। जबकि दूसरी ओर विपक्षी दल भी जेडीयू और भाजपा पर निशाना साध रहे है।विधानसभा चुनावों पहले एससी-एसटी और ओबीसी समुदाय को अपने पाले में लाने के कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी है। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला है और बहुजनों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। पार्टी के एससी-एसटी और ओबीसी मोर्चा के अध्यक्षों ने प्रेस वार्ता कर आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों के शासन में मोदी सरकार इन समुदायों का कल्याण करने में विफल रही है।

देश के कई राज्यों में बाढ़ का खतरा, 22 नदी की मॉनिटरिंग जारी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को चेतावनी जारी करते हुए बताया कि 22 नदी मॉनिटरिंग स्टेशनों पर 'अत्यधिक बाढ़' की स्थिति दर्ज की गई है, जबकि 23 अन्य स्टेशनों पर पानी का स्तर सामान्य से ऊपर है।सबसे गंभीर स्थिति बिहार और उत्तर प्रदेश में है। दोनों राज्यों में आठ-आठ मॉनिटरिंग स्टेशनों पर नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर है। अन्य राज्यों में गुजरात, दिल्ली, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एक-एक स्टेशन पर 'अत्यधिक बाढ़' की स्थिति है। इसके अलावा असम, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में कई नदियों का जलस्तर सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया है।दिल्ली में यमुना नदी ओल्ड रेलवे ब्रिज (ओआरबी) पर 'अत्यधिक बाढ़' की स्थिति में बह रही है। हालांकि, सीडब्ल्यूसी का कहना है कि शुक्रवार रात तक इसका जलस्तर घटकर 207.15 मीटर तक पहुंच सकता है। गुजरात में नर्मदा, तापी, दमनगंगा और साबरमती जैसी प्रमुख नदियों में अगले 2-3 दिन तक तेज बहाव रहने की आशंका है। सबसे ज्यादा खतरा भरूच, सूरत, वडोदरा, साबरकांठा, बनासकांठा और राजकोट जिलों में है। यहां प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। राजस्थान में माही, साबरमती, चंबल और बनास नदियां तेजी से बढ़ रही हैं। प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, उदयपुर, कोटा, बूंदी और झालावाड़ जिलों में गंभीर बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है।

धनबाद में भूधंसान से बड़ा हादसा

200 मजदूरों की दबे होने की आशंका

एजेंसी/धनबाद

झारखंड के धनबाद जिले रामकनाली ओपी क्षेत्र में अवैध खनन के कारण भूधंसान हुआ। हादसे में कई लोगों के दबने, मौत और मवेशियों व वाहनों के जमींदोज होने का मामला प्रकाश में आया है। जहां भू-धंसान की घटना से भारी नुकसान हुआ है। इस दौरान कई लोगों के दबे होने की आशंका जतायी जा रही है। घटना बाघमारा के रामकनाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत बुटु बाबू बंगला के पास स्थित कुम्हार टोली मुंडा घोड़ा इलाके की है। जहां अवैध खनन के चलते भू-धंसान से भारी नुकसान हुआ है। इस दौरान मुंडा घोड़ा खटाल जमींदोज हो गया है। हादसे में खनन में लगे करीब 200 मजदूरों की दबे होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों की माने तो यहां लंबे समय से अवैध कोयला खनन जारी था। घटना का कारण कोयला खनन माना जा रहा है। भूं-धंसान में बड़ी संख्या

में लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। वही तीन लोगों की मौत की खबर आ रही है। वही कई लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। कुछ घायलों का इलाज पास से अस्पताल में चल रहा है। भू-धंसान में दो बोलेरो गाड़ी समा गई वही मवेशी, घर में रखे पैसे और गहने भी मलबे में दब गये। इस घटना से लोगों को भारी नुकसान हुआ है। घटना की खबर जंगल में आग की तरह फैल गयी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रामकनाली और कतरास थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची जिसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। ग्रामीणों ने इस घटना का कारण अवैध खनन का होना बताया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि घटनास्थल पर कोयले का हजारों बोरा मौजूद था। हादसे के बाद सैकड़ों बाहरी मजदूर खनन कार्य छोड़कर भाग खड़े हुए। घटना के बाद लोग दहशत में अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। बताया जा रहा है कि यह इलाका पहले से ही डेंजर जोन में शामिल है। फिलहाल कई थानों की पुलिस, सीआईएसएफ और कोल अधिकारियों की टीम मौके पर मौजूद है। राहत और बचाव कार्य जारी है। इस हादसे के बाद लोग अपनी जान बचाने के लिये इधर-उधर भागने निकले। यह इलाका डेंजर जोन में शामिल है। घटना के बाद से लोग दहशत में हैं। नागेश्वर यादव और कारू यादव के मवेशी समेत नगदी और जेवरात गोफ में समा गये हैं। इस संबंध में नागेश्वर ने बताया कि मवेशी के साथ जेवरात व भारी रकम गोफ में समा गये हैं। मिली जानकारी के अनुसार, हादसा धनबाद के बीसीसीएल एरिया 04 के कांटा पहाड़ी इलाके में हुआ में है। मां अंबे आउटसोर्सिंग कंपनी की एक सर्विस वैन अचानक जमीन खिसकने के कारण 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। वैन में 5 से 6 मजदूर सवार थे। सूचना पाकर बीसीसीएल के अधिकारी, रेस्क्यू टीम मौके पर पहुँचे है। साथ ही कतरास थाना, रामकनाली ओपी, अंगार पथरा ओपी के प्रभारी अपने दल बल के साथ भी पहुंचे है। खाई मे गिरे सर्विस वैन को निकालने के लिए सुरक्षा विभाग के टीम जुट गई है।

दूसरा बड़ा हादसा घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर हुआ. बीसीसीएल कतरास स्थित कांटा पहाड़ी में एमपीएल आउट सोर्सिंग कंपनी का सर्विस वैन स्लाइड कर लगभग 100 फीट नीचे गहरी खाई में गिर गयी। खदान के नीचे गड्ढे में पानी भरा हुआ है। वैन में आउटसोर्सिंग के करीब आधा दर्जन कर्मी मौजूद थे। वैन को निकालने के लिए अधिकारियों की टीम लगी हुई है। सुरक्षा को लेकर कतरास अंचल के सभी थानों की पुलिस, सीआईएसएफ की टीम डटी हुई है. कोल अधिकारी अभी कुछ भी बताने से परहेज कर रहे हैं. मौके पर बचाव कार्य जारी है।

जनता और संविधान के बीच पुल का काम करती है न्यायपालिका : गवई

एजेंसी/काठमांडू

नेपाल-भारत न्यायिक संवाद 2025 में सीजेआई बी.आर. गवई ने कहा कि न्यायपालिका जनता और संविधान के बीच सेतु है। उन्होंने बताया कि अदालतों की भूमिका सिर्फ विवाद सुलझाने तक सीमित नहीं, बल्कि न्याय, समानता और गरिमा को सुनिश्चित करने की भी है। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने शुक्रवार को कहा कि न्यायपालिका लोगों की आकांक्षाओं और संविधान में निहित आदर्शों के बीच सेतु का काम करती है। काठमांडू में आयोजित नेपाल-भारत न्यायिक संवाद 2025 में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अदालतों का काम सिर्फ विवादों का निपटारा करना

नहीं है, बल्कि न्याय, समानता और मानव गरिमा के सिद्धांतों को व्यवहार में लागू करना भी है। सीजेआई गवई ने कहा कि आज की बदलती परिस्थितियों में न्यायपालिका कानून की व्याख्या करते हुए शासन की दिशा तय करती है, लोगों का भरोसा बढ़ाती है और लोकतंत्र को केवल संस्थानों से नहीं, बल्कि मूल्यों से भी मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका अब संरक्षक और उत्प्रेरक दोनों की भूमिका निभा रही है। गवई ने बताया कि पहले अदालतों का काम सिर्फ कानून की किताब के शब्दों के अनुसार फैसले देना माना जाता था। लेकिन अब न्यायपालिका को कानून की गहराई और उसके प्रभाव को देखते हुए निर्णय लेने होते हैं। यही सक्रिय भूमिका उसकी पहचान बन चुकी है।सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ फैसलों के जरिए ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक और संस्थागत सुधारों के जरिए भी लोकतंत्र और न्याय को मजबूत किया है।

ओंकारेश्वर में गणपति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा, 14 श्रद्धालु हुए घायल

एजेंसी/खंडवा

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की धार्मिक तीर्थ नगर ओंकारेश्वर में शुक्रवार दोपहर में हुए एक भीषण हादसे में 14 से अधिक श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। यह सभी श्रद्धालु गणेश विसर्जन करने ओंकारेश्वर आए थे। मिली जानकारी के अनुसार पड़ोस के जिले खरगोन के भीकनगांव थाना अंतर्गत आने वाले मोहनपुर गांव से करीब 30 से 40 श्रद्धालु एक पिकअप वाहन में सवार होकर यहां आए हुए थे। इस दौरान श्रद्धालुओं से भरा यह पिकअप वाहन शंकराचार्य मूर्ति स्थल जाने वाले मार्ग पर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में करीब 14-15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया, और चारों तरफ घायलों की चीख पुकार सुनाई देने लगी। इसी बीच राहगीरों ने तत्काल मदद की शुरूआत की, और मांधाता थाना पुलिस को सूचना दी गई। वहीं राहगीरों एवं कुछ ही देर में मौके पर पहुंची पुलिस की सहायता से सभी श्रद्धालुओं को को पिकअप से बाहर निकाला गया। इस दौरान घायलों में महिला बच्चे एवं पुरुष सभी शामिल थे, जिन्हें मौके पर पहुंचे तहसीलदार उदय मंडलोई एवं ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों ने सिविल अस्पताल ओंकारेश्वर पहुंचाया।

भारतीय रेल कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर

रेल कर्मचारियों को अब फ्री में मिलेगा करोड़ रुपये तक का बीमा कवर

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय रेल कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर आई है। हाल ही में भारतीय रेल और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू के तहत अब रेल कर्मचारियों को करोड़ों रुपये का बीमा कवर मिलेगा। इंडियन रेल के कर्मचारियों के लिए यह काफी अच्छी खबर है। केंद्र सरकार ने अपने रेल कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। इसके साथ ही दिवाली बोनस से पहले रेल कर्मचारियों को बड़ा उपहार दिया है। अब भारतीय रेल और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू साइन किया गया है। इसके बाद कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी।

हालांकि, इसको लेकर नियम और शर्तें लागू रहेंगे। हाल ही में भारतीय रेल और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू के तहत अब रेल कर्मचारियों को करोड़ों रुपये का बीमा कवर मिलेगा। खास बात यह है कि कर्मचारियों को इसके लिए कोई अतिरिक्त प्रीमियम नहीं देना होगा। बताया जा रहा है कि, आकस्मिक मृत्यु, प्राकृतिक मृत्यु, हवाई दुर्घटना या विकलांगता जैसी परिस्थितियों में कर्मचारियों और उनके परिवारों को 1.60 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर उपलब्ध होगा। यह योजना मौजूदा बीमा स्कीम की तुलना में कई गुना ज्यादा लाभकारी है।भारतीय रेल और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हुए समझौते के तहत कर्मचारियों को अब पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षा मिलेगी।एमओयू के मुताबिक, एसबीआई में सैलरी अकाउंट रखने वाले प्रत्येक रेल कर्मचारी को आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में 1 करोड़ रुपये तक का बीमा कवर उपलब्ध होगा। इसका मतलब यह है कि किसी भी दुर्घटना या अप्रत्याशित घटना में यदि कर्मचारी की मौत हो जाती है, तो उसके परिवार को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद तुरंत दी जाएगी। इससे परिवार को न केवल आर्थिक स्थिरता मिलेगी बल्कि भविष्य की अनिश्चितताओं से भी बचाव होगा। इतना ही नहीं, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से होती है, तब भी उसके परिवार को 10 लाख रुपये का बीमा कवर मिलेगा।

राजपुर में 1 घंटा 20 मिनट रुकेंगे सीएम, तैयारी पूरी, चाक-चौबंद हुई सुरक्षा व्यवस्था, किले में तब्दील हो गया है कार्यक्रम स्थल

मुख्यमंत्री के आगवानी को सजधजकर तैयार हुआ राजपुर, आज सुबह 10 बजे होगा आगमन

- विकास योजनाओं की सौगात देने के साथ ही कार्यकर्ताओं में उर्जा का संचार करेंगे सीएम
- मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए बेताब है राजपुर के ग्रामीण

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज बक्सर में होंगे। वे जिले के राजपुर प्रखंड के देवढ़िया पंचायत के सैंथू पोखर गांव के समीप स्थित खेल मैदान में सुबह 10 बजे हेलीकाप्टर से लैंड करेंगे। राजपुर प्रखंड मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वागत के लिए पूरी तरह सज-धज कर तैयार है। एक दिन पूर्व से ही गांव-गांव में रौनक का माहौल है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हेलीकॉप्टर 10 बजे सैंथू पोखर, ग्राम पंचायत देवढ़िया के पास बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरेगा।

सीएम के आगमन के साथ ही राजपुर प्रखंड परिसर में आयोजित कार्यक्रम में करीब 10.05 बजे से विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया जाएगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अभिवादन के बाद मुख्यमंत्री विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण करेंगे। महिला संवाद भी इस मौके पर आयोजित है, जिससे महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

जनसभा को करेंगे संबोधित

कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री करीब 10.40 बजे नायरा पेट्रोल पंप के पास बने विशाल मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अभिवादन के बाद मुख्यमंत्री अपने संबोधन में विकास योजनाओं की सौगात देंगे। उम्मीद है कि वे क्षेत्र की सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई जैसी कई परियोजनाओं पर बड़े ऐलान करेंगे।

चुनावी जोश भी बढ़ाएंगे सीएम

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जदयू और एनडीए कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है। स्थानीय नेताओं का मानना है कि इस कार्यक्रम से कार्यकर्ताओं में आगामी चुनाव को लेकर नई ऊर्जा का संचार होगा। जगह-जगह बैनर-पोस्टर लगाकर कार्यकर्ताओं ने अपनी ताकत का प्रदर्शन भी किया है।

ग्रामीणों में झलक पाने की बेताबी

वहीं, देवढ़िया पंचायत के अलावे प्रखंड क्षेत्र के अन्य गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग मुख्यमंत्री को देखने आएंगे। पूर्व संध्या से ही लोगों की बेताबी देखने को मिल रही है। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी अपने-अपने स्तर पर तैयारी में लगे हैं। कई जगहों पर लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी तैयारी कर चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने प्रिय नेता को पास से देखने के लिए बेताब हैं।

भोजपुर के लिए रवाना होंगे

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री का काफिला राजपुर से 11.20 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा वापस हेलीपैड पहुंचेगा और 11.25 बजे भोजपुर के लिए रवाना हो जाएगा। इस अल्प प्रवास के बावजूद राजपुरवासियों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है।

राजपुर में मुख्यमंत्री का यह दौरा विकास योजनाओं की सौगात, कार्यकर्ताओं में चुनावी जोश और ग्रामीणों की उत्सुकता इन तीनों का संगम बनने जा रहा है।

किले में तब्दील हो गया है कि कार्यक्रम स्थल

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मुख्यमंत्री की स्पेशल एसपीजी के अलावे एसपी शुभम आर्य के नेतृत्व में इस बार सुरक्षा व्यवस्था काफी पुख्ता की गई हैं, ताकि परिंदा भी पर नहीं मार सकें।

स्थानीय प्रशासन सीएम के पिछले दौरे को ध्यान में रख तैयारी कर रहा है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के तीनों कार्यक्रम स्थल सहित मार्गो में तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई गई है।

सीएम के आगमन पर बक्सर में ट्रैफिक रूट प्लान जारी

पांच सितंबर से रात्रि नौ बजे से 06 सितंबर की शाम पांच बजे तक कई मार्गों पर वाहनों के परिचालन पर रोक

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बक्सर आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन ने ट्रैफिक व्यवस्था को सख्त कर दिया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 05 सितंबर की रात 9 बजे से लेकर 06 सितंबर की शाम 5 बजे तक जिले के कई प्रमुख मार्गों पर सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन वर्जित रहेगा।

ये मार्ग रहेंगे बंद

ट्रैफिक रूट प्लान के तहत जिन मार्गों पर गाड़ियों के परिचालन पर रोक लगाया गया है, उनमें बक्सर गोलंबर से बक्सर शहर की ओर। गाजीपुर जिला बॉर्डर से मुफस्सिल थाना बक्सर की ओर। कोचस मोड़ से राजपुर की ओर, वाहनों का परिचालन ठप रहेगा। कोरानसराय से सरेंजा की ओर। इस दौरान जरूरी सेवाओं के लिए छूट मिलेगी।

हालांकि, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रोगी वाहन, एम्बुलेंस एवं अन्य अत्यावश्यक सेवा से जुड़े वाहनों को रोकने पर कोई पाबंदी नहीं होगी। वहीं, रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को टिकट साथ लेकर ही घर से निकलने की सलाह दी गई है।

आम नागरिकों से अपील

बक्सर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से चारपहिया वाहनों का प्रयोग न करें। पुलिस ने बताया कि सीएम के कार्यक्रम को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

पुलिस प्रशासन अलर्ट

बक्सर पुलिस नियंत्रण कक्ष ने किसी भी आपात स्थिति के लिए संपर्क नंबर भी जारी किया है। इसके अलावा 112 पर भी तुरंत मदद ली जा सकती है। पुलिस ने कहा कि शहरवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा।

एक नजर

अनियंत्रित पिकअप ने बाइक सवार को रौंदा, हालत गंभीर

डुमरांव। डुमरांव विक्रमगंज पथ पर शुक्रवार को दोपहर कोरान सराय थाना क्षेत्र के सुघर डेरा के समीप एक तेज रफ्तार पिकअप ने एक बाइक चालक को रौंद दिया। इस घटना में बाइक चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया जबकि पिकअप चालक अपना वाहन लेकर भागने में सफल रहा। इसकी जानकारी मिलते ही जख्मी युवक के घर वाले तत्काल मौके पर पहुंचे तथा उसे लेकर इलाज के लिए अस्पताल चले गए हैं। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही कोरान सराय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जख्मी की पहचान मुरार थाना क्षेत्र के सुखसेना डेरा गांव निवासी रवि शंकर सिंह पिता स्व दशरथ सिंह के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रविशंकर बाइक से डुमरांव की तरफ से अपने गांव जा रहा था, जबकि कोरान सराय की तरफ से एक तेज रफ्तार पिकअप आ रही थी। शुघर डेरा गांव के समीप अचानक पिकअप अनियंत्रित हो बाइक में टक्कर मार दिया, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से जख्मी हो सड़क पर गिर पड़ा, उसे गंभीर चोटे आई थी। आसपास में मौजूद लोगों ने उसके मोबाइल से उसके घर वालों को जानकारी दी तथा स्थानीय पुलिस को भी घटना से अवगत कराएगा। जानकारी मिलते ही स्वजन उसे उठाकर इलाज के लिए लेकर चले गए। जानकारों का कहना है कि युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। कोरान सराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अभी तक पीड़ित पक्ष ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया है वैसे पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है।

केसठ का बेटा चंद्रजीत पाल राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज में चयनित

केसठ । जिले के केसठ गांव एक बार फिर इतिहास रचने के लिए सुर्खियों में है। छोटे से इस गांव ने बड़े गर्व का पल देखा जब गांव के होनहार छात्र चंद्रजीत पाल का चयन राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज के लिए हुआ। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में हर्ष और उत्साह का माहौल है। चंद्रजीत पाल के गांव लौटने पर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत करने वालों में प्रखंड उप प्रमुख मंटू, शिक्षक लालाबाबू कुशवाहा, शिक्षक मुन्ना, ज्ञानीजी, रामेश्वर पाल समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। सभी ने फूल-मालाओं से इस प्रतिभाशाली छात्र को सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। चंद्रजीत पाल के पिता धर्मेंद्र पाल, जो निजी स्कूल का संचालन करते हैं, ने कहा कि उनका बेटा शुरू से ही टैलेंटेड था। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा मेरा बेटा राष्ट्रीय स्तर पर न केवल इंडियन मिलिट्री कॉलेज में चयनित हुआ है, बल्कि अन्य तीन बड़े एग्जाम भी सफलतापूर्वक पास कर चुका है। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं सभी अभिभावकों से कहना चाहूंगा कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें और उन्हें प्रेरित करें। चंद्रजीत ने अपनी सफलता का श्रेय पिता को देते हुए कहा कि उनके पिता ही उनके रोल मॉडल हैं। उन्होंने कहा पिताजी ने हमेशा मुझे मार्गदर्शन दिया और मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उनकी वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर हूं।गौरतलब है कि इस वर्ष बिहार से केवल 11 बच्चों का चयन इस कॉलेज में हुआ है, जिनमें से एक केसठ गांव का चंद्रजीत भी शामिल है। यह उपलब्धि गांव के लिए ही नहीं, पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। ग्रामीणों ने कहा कि चंद्रजीत की सफलता से अब केसठ के अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे भी बड़े सपनों को साकार करने के लिए मेहनत करेंगे।

जगदेव बाबू के सपनों को साकार करने के लिए समाज में समानता लाना जरूरी : रवि उज्ज्वल

- बिहार लेनिन जगदेव प्रसाद की जयंति पर कुशवाहा समाज ने दिया संदेश, अबकी बार बदलाव की मांग तेज
- डुमरांव में शहादत दिवस पर उमड़ा जनसैलाब, अजीत भगाओं डुमरांव बचाओं से गूंजा कार्यक्रम स्थल

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को डुमरांव नगर भवन में बिहार लेनिन के नाम से विख्यात शहीद जगदेव प्रसाद की शहादत दिवस मनाई गई। इस अवसर पर उमड़ी भीड़ ने यह जता दिया कि समाज अपने राजनीतिक हक को लेकर अब और मुखर है। समारोह का आयोजन कुशवाहा समाज की ओर से किया गया, जहां समाज के लोगों ने अपने भावी राजनीतिक स्वरूप का संदेश साफ-साफ दिया। कार्यक्रम के दौरान बार-बार भीड़ से नारे लग रहे थे अजीत भगाओ, डुमरांव बचाओह्व और ह्लरवि उज्ज्वल वीर है, डुमरांव की तकदीर है। इन नारों से माहौल जोशीला बन गया था। यह साफ इशारा था कि जनता अब बदलाव चाहती है और इस बदलाव की अगुवाई के लिए भीड़ ने रवि उज्ज्वल कुशवाहा का नाम लिया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डुमरांव विधानसभा के भावी प्रत्याशी रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने शहीद जगदेव प्रसाद की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जगदेव बाबू ने 5 सितंबर 1974 को समाज को यह नारा दिया था कि सौ में नब्बे शोषित हैं, धन, धरती और राजपाट, नब्बे भाग हमारा है। उन्होंने कहा कि यह नारा केवल एक नारा नहीं, बल्कि शोषित वर्ग की आवाज और विद्रोह का प्रतीक है।

रवि उज्ज्वल ने कहा कि समाजवादी नेता जगदेव बाबू का सपना था कि हर व्यक्ति बराबरी के साथ जिए। उसी आदर्श को आगे बढ़ाते हुए हमें समाज में समानता लानी होगी।

राजनीति में भागीदारी की अपील

सभा को संबोधित करते हुए रवि ने स्पष्ट कहा कि विधानसभा चुनाव में वोट को प्रसाद की तरह मत बांटिए। संगठित होकर एकजुट वोट दीजिए, तभी हमारी राजनीतिक हैसियत मजबूत होगी। उनकी यह अपील भीड़ को खूब भायी। रवि ने जब मंच की सभी कुर्सियां आम लोगों के लिए छोड़ दीं और खुद अपने साथियों संग नीचे बैठ सभा में मौजूद लोगों का दिल जीत लिया।

वक्ताओं ने किया रवि उज्ज्वल का समर्थन

सभा में कई वक्ताओं ने यह बात जोर देकर कही कि अब डुमरांव विधानसभा को नए नेतृत्व की जरूरत है। भीड़ से आवाजें उठीं कि हमें अजीत कुशवाहा नहीं, रवि उज्ज्वल कुशवाहा चाहिए। लोगों ने तालियों और नारों से इस समर्थन को और बुलंद किया।

आयोजन की कमान और मौजूदगी

कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार कुशवाहा ने संचालन प्रो. अखिलेश्वर कुशवाहा ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। इनमें वशिष्ठ सिंह कुशवाहा, विनोद राय, डॉ. बिनोद कुशवाहा, मुन्ना कुशवाहा, रामबचन कुशवाहा, पप्पू मौर्य, अशोक कुशवाहा, अमन कुशवाहा, गुरुदेव कुशवाहा, दीनानाथ कुशवाहा, रमावती देवी, फूलकुमारी देवी, शशिकांत कुशवाहा, सुशील पासी, गोपाल गुप्ता, काशीनाथ, राजन कुशवाहा सहित अन्य लोग शामिल थे।

डुमरांव में पूरे दिन कटी रही बिजली, बोले सहायक अभियंता माइनर फॉल्ट से कटी है बिजली

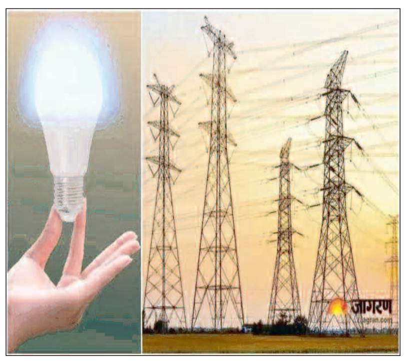

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार का दिन डुमरांव वासियों के लिए बड़ी मुसीबत वाला साबित हुआ। पहले मिलाद उल नबी के जुलूस के चलते घंटो विद्युत आपूर्ति बाधित हुई, बाद में लोकल फॉल्ट के कारण लोगों को पूरे दिन उमशभरी गर्मी से परेशान होना पड़ा। इस दौरान लोगों को पेयजल के लिए भी भटकना पड़ा।

हालांकि, इस मामले में जब सहायक विद्युत अभियंता राकेश कुमार दूबे से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि कही माइनर फॉल्ट हो गया है, जिसकी पड़ताल हो रही है। अब यहां सवाल उठता है कि जब माइनर फॉल्ट के चलते घंटो विद्युत आपूर्ति ठप हो सकती है तो मेजर फॉल्ट होने पर स्थिति क्या होगी। शहरवासियों का कहना है कि डुमरांव व बीएमपी फीडरों में अक्सर लोकल फॉल्ट के कारण आपूर्ति से महरूम होना पड़ता है। वहीं, शुक्रवार को डुमरांव व बीएमपी के साथ ही टेक्सटाइल फीडर के उपभोक्ताओं को भी परेशान होना पड़ा। शाम में बिजली आई जरूर, लेकिन लंबे समय तक आपूर्ति ठप रहने से लोकल फॉल्ट की संख्या बढ़ गई थी। जिस कारण देर रात तक लोगों को परेशान होना पड़ा।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉंव

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन से पहले राजपुर में तैयारियों का महाकुंभ

- सड़क से सुरक्षा तक, प्रशासन ने कसी कमर, सीएम कार्यक्रम में दिखेगा योजनाओं का जलवा

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड क्षेत्र शनिवार को ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन को लेकर प्रशासनिक हलचल चरम पर है। दिन हो या रात, तैयारी की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही। सैंथू पोखरा से लेकर राजपुर कार्यक्रम स्थल तक सड़कों की पिचिंग देर रात तक चलती रही। हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर जिले के आला अधिकारी खुद नजर रख रहे हैं। मुख्यमंत्री के स्वागत में प्रशासन ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। एसडीएम अविनाश कुमार के नेतृत्व में तैयारियों को अंतिम रूप देने का काम देर रात तक जारी रहा। वहीं डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर काम करने और कार्यक्रम को सफल बनाने का सख्त निर्देश दिया है। डीडीसी आकाश चौधरी ने पूरे दिन मौके पर रहकर तैयारियों का जायजा लिया और हर अपडेट डीएम को देते रहे। सड़क किनारे किसी भी भीड़भाड़ को रोकने के लिए जगह-जगह दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है। पुलिस ने करीब पांच सौ पदाधिकारियों और एक हजार जवानों को हेलीपैड से लेकर संवाद स्थल तक तैनात करने का खाका खींचा है। एसपी खुद सुरक्षा की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

आमजन की सुरक्षा के साथ कड़ी पाबंदियां

सीएम की सुरक्षा एजेंसियों ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। बिना अनुमति और जांच के किसी को भी मुख्यमंत्री तक पहुंचने की छूट नहीं होगी। फूल-माला पहनाने तक पर रोक लगा दी गई है। मंच पर किसी को झोला और छाता ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि मुख्यमंत्री के नजदीक जाने का अधिकार सिर्फ तयशुदा व्यक्तियों को ही मिलेगा।

योजनाओं का लगेगा मेला

मुख्यमंत्री के आगमन पर सिर्फ सुरक्षा ही नहीं, बल्कि सरकार की उपलब्धियां भी जनता के सामने प्रदर्शित की जाएंगी। इसके लिए विभागवार स्टॉल लगाए जा रहे हैं। हर स्टॉल पर उन योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, जिन्हें हाल के दिनों में मुख्यमंत्री ने तेजी से लागू कराया है और जिनसे हजारों लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रशासन पूरी तरह अलर्ट

राजपुर में होने वाला यह आयोजन जिला प्रशासन के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं है। हर विभाग अपनी भूमिका निभाने में जुटा है। सड़क, सुरक्षा और योजनाओं के प्रदर्शनकृतीनों मोर्चों पर अधिकारियों ने कमान संभाल ली है। मुख्यमंत्री के स्वागत में राजपुर सजधज कर तैयार है, और प्रशासन की चौकसी इस आयोजन को और भी खास बना रही है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

सरकार की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा से गूंजी बक्सर की फिजां...

इंसानियत और अमन का पैगाम लेकर निकला जुलूस, जश्न-ए-मिलादुन्नबी पर उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/बक्सर

जश्न-ए-मिलादुन्नबी के मौके पर शुक्रवार को बक्सर नगर समेत ग्रामीण इलाकों में हजारों की तादाद में अकीदतमंदों ने मोहम्मदिया जुलूस निकालकर इंसानियत और भाईचारे का संदेश दिया। जुलूस में शामिल लोगों के हाथों में मजहबी झंडों के साथ तिरंगा भी लहराया गया। हर तरफ ह्लसरकार की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबाह्व के नारों से फिजा गूंज उठी।

जुलूस में शिरकत करने वालों ने कहा कि नबी-ए-करीम हजरत मुहम्मद साहब ने मानवता के लिए जो पैगाम दिया, उसे घर-घर तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। इस्लाम धर्म का मूल संदेश अमन और इंसानियत है। उन्होंने बताया कि नबी की पैदाइश के बाद समाज से तमाम बुराइयों और ऊंच-नीच की दीवारों को तोड़ा गया तथा लोगों को बराबरी और न्याय का रास्ता दिखाया गया।

इसी मौके पर मस्जिदों और खानकाहों में मजलिसों का दौर चला। अकीदतमंदों ने दरूद-ओ-सलाम पेश किया, वहीं उलमा ने नबी की सीरत पर अमल करने की नसीहत दी। इमाम मौलाना मुख्तार आलम ने कहा कि इस्लाम तलवार से नहीं बल्कि इंसानियत और मोहब्बत के पैगाम से पूरी दुनिया में फैला है। उन्होंने कहा कि नबी की सुन्नतों पर अमल करना ही सच्ची मोहब्बत का सबूत है। जुलूस के दौरान नातिया कलाम पेश किए गए जिनसे लोग झूम उठे। पूरे नगर में माहौल पूरी तरह जश्न और रूहानियत से भर गया।

चौसा में ईद मिलादुन्नबी पर इस्लामिया कमिटी ने निकाला जुलूस, गूंजे नारे, आका का आमद मरहब्बा

केटी न्यूज/चौसा

सरकार की आमद मरहब्बा, आका की आमद मरहब्बा पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइस ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर शुक्रवार को चौसा मे उत्साह व उल्लास में मोहम्मदिया जुलूस निकाला गया। इस्लामिया कमिटी चौसा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। जुलूस की शुरूआत चौसा बहादुरपुर से हुई, जो नगर के मुख्य मार्गों व विभिन्न मोहल्लों से गुजरते हुए वापस अपने उसी स्थान पर संम्पन्न किया गया। इस दौरान छोटे-बड़े, युवा-बुजुर्ग और बच्चे हाथों में हरे झंडे व तिरंगा थामे ह्लआका का आमद मरहब्बाह्व और ह्लनारे तकबीर, अल्लाह-ओ-अकबरह्व के नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। कमिटी द्वारा जगह-जगह आकर्षक सजावट की गई थी। वहीं, स्थानीय लोगों और कमिटी सदस्यों ने जुलूस में शामिल लोगों के लिए शरबत, पानी और मिठाई का इंतजाम किया। कमिटी ने बताया कि मिलादुन्नबी का जुलूस भाईचारा,

अमन और इंसानियत का संदेश देने वाला है। कार्यक्रम के दौरान मुफस्सिल थाना पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। जुलूस का समापन दुआ-खैर के साथ किया गया। इस मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. मनोज कुमार यादव और उप चेयरमैन प्रतिनिधि विकास राज सहित बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी पर अमन-चैन की दुआओं संग निकला जुलूस

केटी न्यूज/डुमरांव

पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिन ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के पावन अवसर पर शुक्रवार को डुमरांव में मुस्लिम समुदाय द्वारा जुलूस निकालकर अमन-चैन की दुआ मांगी गई। शहर की सड़को से गुजरते इस जुलूस में हर उम्र के लोग शरीक हुए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी रंग-बिरंगे परिधानों और पगड़ियों में नजर आए, जिससे पूरा माहौल जश्न और भाईचारे से सराबोर हो गया। सभी कमिटियों द्वारा मिलादुन्नबी के मौके पर काफिला निकाला गया। काफिला पुराना थाना रोड, जंगल बाजार, चौक रोड, गोला रोड, स्टेशन रोड से गुजरते हुए मुख्य शाही मस्जिद पर जाकर संपन्न हुआ। रास्ते भर गगनभेदी मजहबी नारे लगाए गए और लोग पैगंबर साहब की शिक्षाओं को याद करते हुए भाईचारे का संदेश दे रहे थे। जुलूस में शामिल बच्चे हाथों में छोटे-बड़े मजहबी झंडे लिए नजर आए, वहीं रंग-बिरंगी पगड़ियां और तिरंगे झंडों से सजा काफिला आकर्षण का केंद्र रहा। कई जगहों पर स्थानीय लोगों ने जुलूस का

स्वागत किया और मिठाइयां व ठंडा पानी भी वितरित किया। इस अवसर पर समुदाय के लोगों ने कहा कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी सिर्फ जश्न का दिन नहीं है, बल्कि यह दिन हमें पैगंबर साहब की शिक्षाओं पर अमल करने की प्रेरणा देता है। उनकी बताई राह इंसानियत, मोहब्बत, ईमानदारी और भाईचारे की मिसाल है। यही वजह है कि इस मौके पर सभी ने अमन-चौन और मुल्क की तरक्की की दुआ मांगी। मुस्लिम समुदाय के वरिष्ठ नागरिकों का कहना था कि डुमरांव की गंगा-जमुनी तहजीब की सबसे बड़ी खूबी यही है कि यहां हर धर्म और समुदाय के लोग एक-दूसरे के त्योहार में शामिल होकर खुशियां साझा करते हैं। जुलूस के दौरान भी कई गैर-मुस्लिम भाई स्वागत में खड़े नजर आए। वहीं जुलूस के सुचारु संचालन और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शहर के विभिन्न हिस्सों में पुलिस बल की तैनाती रही और संवेदनशील जगहों पर अतिरिक्त जवानों को लगाया गया। बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, नप के ईओ मनीष कुमार, प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह, उप सहायक बजेंद्र राय सहित अन्य जुलूस लगातार जुलूस की निगरानी करते रहे।

राजपुर पहुंचे जेडीयू प्रदेश सचिव, बोले ऐतिहासिक होगा सीएम का स्वागत

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रस्तावित राजपुर आगमन को लेकर इलाके में जबरदस्त उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जेडीयू के प्रदेश सचिव विनोद राय ने कार्यक्रम स्थल और आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कार्यकताओं से बातचीत कर तैयारियों की बारीकियों को समझा और कई आवश्यक निर्देश भी दिए।

प्रदेश सचिव राय ने कहा कि मुख्यमंत्री का स्वागत ऐतिहासिक होगा। उन्होंने दावा किया कि राजपुर में जुटने वाली भीड़ यह साबित करेगी कि जनता आज भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्यों और सुशासन के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दें।

इस दौरान क्षेत्रीय नेताओं और कार्यकताओं ने भी जमकर उत्साह दिखाया। जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं, तो वहीं कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, पानी, बैठने की व्यवस्था और सड़क निर्माण का काम तेजी से जारी है। ग्रामीणों में भी मुख्यमंत्री की एक झलक पाने की उतावली साफ देखी जा रही है।

विनोद राय ने कहा कि राजपुर की यह ऐतिहासिक घड़ी लोगों की यादों में हमेशा जीवित रहेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि मुख्यमंत्री का यह दौरा न केवल विकास योजनाओं की सौगात देगा बल्कि कार्यकताओं के हौसले को भी नई उड़ान प्रदान करेगा।

राजपुर में प्रशासनिक और राजनीतिक हलचल के बीच यह साफ है कि 6 सितंबर को मुख्यमंत्री का आगमन केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि जनसैलाब का उत्सव बनने जा रहा है।

शिक्षक दिवस पर कांग्रेस ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया याद

जिला कांग्रेस कार्यालय में जयंती समारोह, नेताओं ने रखे विचार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 137वीं जयंती शिक्षक दिवस के रूप में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. पांडे ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने एक शिक्षक के रूप में जीवन की शुरूआत की और अपनी विद्वता से देश-दुनिया में ख्याति अर्जित की। साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी निभाई और शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान से देश के युवाओं को नई दिशा दी। 1950 से 1962 तक वे भारत के उपराष्ट्रपति रहे और 1962 से 1967 तक देश के दूसरे राष्ट्रपति बने। डॉ. पांडे ने कहा कि आज पूरा देश उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाता है, जो शिक्षा और शिक्षक के महत्व को दशार्ता है। बक्सर विधानसभा कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी डॉ. प्रमोद ओझा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन केवल राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि एक महान दार्शनिक और शिक्षा सुधारक थे। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले राधाकृष्णन ने शिक्षा को समाज सुधार का हथियार बनाया और देश को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया।

इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने डॉ. राधाकृष्णन के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता त्रिलोकी नाथ मिश्रा, भृगुनाथ तिवारी, रामकुमार वर्मा, विनय कुमार सिंह, अजय कुमार यादव, संजय कुमार पांडे, राकेश यादव, रोहित उपाध्याय, उपेंद्र ओझा, पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष जय राम राम, सोशल मीडिया अध्यक्ष अभय मिश्रा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

जयंती सभा का संचालन संजय कुमार दुबे उर्फ पप्पू दुबे ने किया। नेताओं ने एक स्वर में कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है और शिक्षक दिवस उनके आदर्शों को याद करने का अवसर है।

एक नजर

रामपुर छात्रावास में जीविका दीदियों के साथ शोषण व अत्याचार, मुखिया से की गई लिखित शिकायत

केसठ । प्रखंड के रामपुर गांव स्थित एससी-एसटी छात्रावास में कार्यरत जीविका रसोईया एवं सफाई दीदियों ने अपने ऊपर हो रहे शोषण, अत्याचार और भ्रष्टाचार को लेकर पंचायत मुखिया केसठ को एक लिखित आवेदन सौंपा है।आवेदन में प्रखंड परियोजना प्रबंधक धर्मवीर कुमार गुप्ता और सुपरवाइजर अरविंद कुमार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित दीदियों ने आरोप लगाया है कि बीपीएम धर्मवीर कुमार गुप्ता गलत नियत रखते हैं और हवस का शिकार बनाने की कोशिश करते हैं। साथ ही रोजगार देने के नाम पर जबरन पैसों की उगाही की जाती है।महिलाओं का कहना है कि महिला रसोईया के स्थान पर जानबूझकर पुरुषों की नियुक्ति की जाती है और जो दीदियां एक साल तक कार्य करने के बाद भी पैसा नहीं देतीं, उनका रोजगार छीन लिया जाता है। वहीं सुपरवाइजर अरविंद कुमार पर भी गंभीर आरोप लगे हैं कि वे षड्यंत्र रचकर दीदियों को फंसाते हैं, मेस का सामान जबरन आवास में रखवाकर उन पर चोरी का झूठा आरोप लगाते हैं और स्नान के समय छिपकर देखने जैसी शर्मनाक हरकत करते हैं।पीड़ित दीदियों ने यह भी कहा कि बीपीएम और सुपरवाइजर दोनों ही लगातार अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, धमकाते हैं और सार्वजनिक स्थानों पर अपमानित करते हैं। इन घटनाओं से जीविका दीदियां मानसिक रूप से टूट चुकी हैं और आत्मग्लानि महसूस कर रही हैं। आवेदन पर गीता कुमारी, शोभा देवी, पुष्पा देवी, शिला देवी, उर्मिला देवी, बसंती देवी, चम्पा देवी, सीमा देवी और बबीता देवी सहित अन्य दीदियों के हस्ताक्षर हैं।इस मामले की शिकायत सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और ग्रामीणों ने दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान ने कहा कि कुछ जीविका दीदियों द्वारा उनके साथ हो रही घटनाओं को लेकर आवेदन दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत वरीय अधिकारियों को की जाएगी।गौरतलब है कि एक ओर सूबे की सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और जीविका के उत्थान की बातें करती है, लेकिन दूसरी ओर धरातल पर महिलाओं के साथ शोषण और अत्याचार की ये घटनाएं सरकार के दावों की पोल खोल रही हैं।अपने बचाव पक्ष में जानकारी देते हुए बीपीएम धर्मवीर कुमार गुप्ता ने दूरभाष पर बताया कि सारे इलेजाम बेबुनियाद है।मेरे द्वारा किसी भी दीदी को शोषण नहीं किया जाता है, जो भी आरोप लगाए गए है सारे बेफिजूल है। कुछ जीविका दीदियों द्वारा इसको राजनीति मोड़ मेरे खिलाफ दे रही है।

नगर में कूड़े का डंपिंग यार्ड बनाए जाने से लोगों को राह चलना भी मुश्किल

डुमरांव। नगर परिषद ने जिस सफाई एनजीओं को नगर को स्वच्छ रखने की जिम्मेवारी सौंपी गई है, उसके कार्य प्रणाली से नाराज नगरवासी सवाल खड़ा करने लगे हैं। एनजीओ द्वारा कूड़ा डंप करने के लिये स्थल लिया गया है, लेकिन उक्त स्थान पर नहीं गिराकर शहर के भीतरी और बाहरी दोनों स्थानों पर जहां खाली जगह मिल रहा डंप कर दिया जा रहा है। एनजीओ द्वरा शहर के डुमरांव राजवाहा, सिकरौल-डुमरांव राजवाहा के किनारे कूड़े को डंप किया गया है। इतना ही नहीं डुमरांव-कोरानसराय नहर रोड के किनारे भी कचरा को डंप किया गया है, जिसका विरोध गांव से लेकर शहर तक के लोगों द्वारा किया गया, फिर डंप करना बंद हुआ। अब शहर के भीतरी क्षेत्रों में भी काव नदी के किनारे और खाली स्थानों पर कूड़ा डंप करने का सिलसिला जारी कर दिया गया है। ऐसा ही एक मामला नगर के छठिया पोखरा स्थित जलमीनार के पीछे कूड़ा डंप करने का मामला प्रकाश में आया है। डुमरांव निवासी धीरेन्द्र राय ने लोक शिकायत में उक्त स्थान पर कूड़ा डंप करने का परिवाद दर्ज कराया है। दर्ज कराए गए परिवाद में कहा गया है कि नगर के छठिया पोखरा के पास स्थापित जलमीनार के पीछे सफाई एनजीओ के द्वारा कूड़ा डंप किया जा रहा है।

सीएम के आने से खुली शिक्षा विभाग की फाइलें, नौकरी पा खुश हुए आश्रित

अनुकंपा पर नौकरी का इंतजार खत्म, देर शाम निकली नियुक्ति सूची

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रस्तावित आगमन से पहले बक्सर जिला शिक्षा कार्यालय में शुक्रवार की देर शाम अचानक हलचल तेज हो गई। महीनों से धूल फांक रही अनुकंपा पर नियुक्ति फाइलें आखिरकार खुलीं और अधिकारियों ने जल्दबाजी में सूची जारी कर दी। जारी लिस्ट में 46 लिपिक और 7 परिचारी शामिल किए गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सीधे सीएम के हाथों मिलने वाला है, जबकि बाकी को सोमवार को बुलाकर औपचारिकता पूरी की जाएगी।

शिक्षा विभाग में अनुकंपा पर नौकरी पाने के लिए अभ्यर्थियों की यह लड़ाई कोई नई नहीं है। लगभग पांच साल से चयनित उम्मीदवार विभाग के चक्कर काट रहे थे। कभी आवेदन की जांच में गड़बड़ी तो कभी कागजात की कमी के नाम पर प्रक्रिया ठप कर दी जाती थी। हालात इतने बिगड़ गए थे कि कुछ अभ्यर्थियों को कलेक्ट्रेट गेट पर आमरण अनशन तक करना पड़ा। तत्कालीन डीडीसी डॉ. महेंद्र पाल के आश्वासन के बाद किसी तरह अनशन टूटा और उम्मीद की किरण जगी। लेकिन प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद हर बार कोई नया पेच फंस जाता।

कई बार बनी कमिटि, फिर भी फंसा रहा मामला

पिछले वर्षों में इस मामले को सुलझाने के लिए तीन से चार बार विशेष कमिटियां गठित की गईं। आवेदनकताओं की सूची तक अखबारों में प्रकाशित कराई गई और दावा-आपत्ति भी ली गई। अंततः 212 अभ्यर्थियों का चयन हुआ, लेकिन नियुक्ति पत्र की बारी आते-आते मामला फिर रुक गया। 19 अगस्त को जब पटना में सीएम नीतीश कुमार ने अनुकंपा पर चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपा और जिलों को निर्देश दिया कि तुरंत वितरण सुनिश्चित करें, तब बक्सर के अभ्यर्थियों की उम्मीदें फिर जगीं। लगभग सभी जिलों में नियुक्ति पत्र बांटे भी गए, पर यहां की फाइलें एक बार फिर अटक गईं। इससे युवाओं में आक्रोश बढ़ने लगा और उन्होंने तय कर लिया कि मुख्यमंत्री के दौरे पर सीधे उनके सामने जिला शिक्षा कार्यालय की कहानी खोल देंगे।

सीएम के दौरे ने बदल दी तस्वीर

सीएम के आगमन की खबर ने पूरा परिदृश्य बदल दिया। अधिकारियों ने अंदाजा लगा लिया कि अगर मामला टलता रहा तो मुख्यमंत्री के सामने किरकिरी होना तय है। यही कारण है कि शुक्रवार की देर शाम अचानक सूची निकाल दी गई। विभागीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि कुछ चयनित अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र सौंपा जाएगा, जबकि शेष को सोमवार तक पत्र मिल जाएगा।

सूची जारी होते ही खिल उठे अभ्यर्थियों के चेहरे

लंबे इंतजार और असंख्य निराशाओं के बीच जब सूची निकली, तो अभ्यर्थियों के चेहरे खिल उठे। बहुतों ने इसे जीवनदान जैसा पल बताया। पांच साल की भागदौड़ और संघर्ष आखिरकार मंजिल तक पहुंचने के करीब है। सीएम की मौजूदगी न होती तो शायद इस बार भी फाइलें दबा दी जातीं।

चुनावी मौसम में राहत की सौगात

विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसे मौके राजनीतिक रूप से भी अहम होते हैं। सीएम की मौजूदगी में नियुक्ति पत्र वितरण न केवल युवाओं को राहत देगा बल्कि चुनावी मौसम में सत्ताधारी दल के लिए सकारात्मक माहौल भी बनाएगा। फिलहाल, जिनके नाम सूची में हैं वे खुशी से झूम रहे हैं, और जिनका नाम सोमवार को मिलने वाले पत्र में शामिल होगा वे भी सुकून की सांस ले रहे हैं।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 6 सितंबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

शिक्षा का अलख जगाने वाले एक महान शिक्षाविद थें डॉ. राधाकृष्णन : प्रकाश आनंद

शिक्षक दिवस पर एस एन ग्लोबल स्कूल में धूमधाम से मनी डॉ. सर्वपल्ली की जयंती

केटी न्यूज/ रोहतास

स्थानीय शहर के संत एस एन ग्लोबल स्कूल परिसर में शुक्रवार को बच्चों ने शिक्षक दिवस पर देश के पूर्व राष्ट्रपति सह शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर धूमधाम से जयंती मनाया। साथ ही गुरु स्वरुप सभी शिक्षकों से आशीर्वाद लिया। अवसर पर विद्यालय में बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। जिस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्या पूनम राय और संचालन अनुज सुब्बा और सुधीर आनंद ने संयुक्त रूप से किया। अवसर पर प्राचार्या पूनम राय द्वारा एक कार्यक्रम प्रारूप तैयार किया गया। जिसमें छात्रों ने शिक्षक दिवस पर स्वयं शिक्षक का रूप बनकर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद कर उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर छात्रों ने अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। उक्त मौके पर प्राचार्या पूनम राय ने छात्रों को पूर्व राष्ट्रपति शिक्षाविद डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी देते बच्चों को उनके मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। जबकि विद्यालय निदेशक प्रकाश आनंद ने कहा कि शिक्षक दिवस हर साल 5 सितंबर को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में इसे मनाया जाता है। डॉ. सर्वपल्ली ने कहा था कि शिक्षक उन्हीं लोगों को बनाया जाना चाहिए जो सबसे अधिक बुद्धिमान हों। शिक्षक को मात्र अच्छी तरह अध्यापन करके ही संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए। उसे अपने छात्रों का स्नेह और आदर अर्जित भी करना चाहिए। शिक्षक वह व्यक्ति होता है। जो ज्ञान,योग्यता और गुण प्रदान कर-के दूसरों को सीखने में मदद करता है यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसका पेशा दूसरों को, विशेषकर बच्चों को पढ़ाना होता है और जो छात्रों के सीखने की प्रक्रिया का मार्गदर्शन करता है। शिक्षक, जिन्हें गुरु या अध्यापक भी कहा जाता है, अपने शिष्यों के भविष्य को संवारते हैं और उन्हें जीवन के सही मार्ग पर चलने में सहायता करते हैं। इस जयंती अवसर पर शिक्षक - विकास राय, आफताब अंसारी, प्रतीक्षा सुब्बा,रोहित कुमार, संजीव कुमार, सिमरन, पूरन सुब्बा, अर्पणा सिंह, शाहीन परवीन, अर्चना, नेहा कुमारी, अंशु कुमारी, नरेश क्षेत्री, गजाला, विनोद चौधरी व अंकित कुमार, निखत कुमार, रश्मि कुमारी, अर्चना, पम्मी कुमारी, आध्या प्रकाश सहित सभी छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

साई इंटरप्राइजेज की आड़ में मैनेज का बड़ा खेल

- **क्या जिला प्रशासन कराएगा निष्पक्ष जांच?**

केटी न्यूज/बक्सर

जिला शिक्षा कार्यालय बक्सर में ठेकेदारी की गड़बड़ियों पर उठे सवाल अब तूल पकड़ने लगे हैं। पहले सिर्फ चचाओं तक सीमित रहने वाला यह मामला अब जांच की मांग तक पहुंच गया है। केंद्र में है साई इंटरप्राइजेज–वही कंपनी, जिस पर बेंच-डेस्क से लेकर भवन मरम्मति, बोरिंग और मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) सामग्री आपूर्ति तक ह्यएकछत्र दबदबेह्न के आरोप लग रहे हैं।

स्थानीय लोगों और विभागीय सूत्रों का कहना है कि यह सिर्फ ठेका लेने का मामला नहीं है, बल्कि नियमों को ताक पर रखकर बड़े पैमाने पर ह्यमैनेजमेंट गेमह्न खेला गया है। यही कारण है कि जिला शिक्षा विभाग के कई कार्यों में इस कंपनी का नाम लगातार सामने आता रहा है।

सूत्र बताते हैं कि पहले भी साई इंटरप्राइजेज का नाम जिला थाली खरीद में आया था। जिसमें विभागीय नियम के उलट जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा विद्यालय प्रबंधन के बजाय इस एजेंसी से करवाया गया। उस वक्त भी सवाल उठे थे कि आखिर क्यों विभागीय मानकों को ताक पर रखकर एक ही कंपनी को बार-बार जिम्मेदारी दी जा रही है। उस समय मामला दबा दिया गया, लेकिन अब जब एमडीएम सामग्री आपूर्ति और बेंच-डेस्क जैसी बुनियादी चीजों में भी सवाल उठ रहे हैं, तो यह खेल खुलकर सामने आ गया है।

शिक्षा विभाग में मैनेजमेंट का असर

जिला शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्र दावा करते हैं कि साई इंटरप्राइजेज को विशेष ह्यसुविधाह्न दी जाती है। सामान्य ठेकेदारों को महीनों तक बिल भुगतान के लिए दौड़ना पड़ता है, जबकि इस कंपनी के बिल सीधे पारित हो जाते हैं। यही नहीं, जिन कामों में निविदा प्रक्रिया या खुली प्रतियोगिता जरूरी होती है, वहां भी नियम-कायदों की अनदेखी कर रास्ता आसान बना दिया जाता है।शंका और गहरी तब होती है जब विभागीय अधिकारी सबकुछ जानते हुए भी चुप्पी साधे रहते हैं। आखिर किस दबाव में यह मौन है–यह अब सबसे बड़ा सवाल बन गया है।

सांसद सहयोगी की भूमिका पर चर्चा

इस पूरे खेल के पीछे सांसद सहयोगी अरविंद सिंह और अजय सिंह का नाम लिया जा रहा है। कहा जाता है कि साई इंटरप्राइजेज इन्हीं के संरक्षण में काम करती है। यही वजह है कि कंपनी को किसी तरह की रुकावट का सामना नहीं करना पड़ता और भुगतान भी बिना अड़चन के हो जाता है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर चोट है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख पर भी सवाल खड़े करता है।

क्या होगी जांच?

अब जिले में यह चर्चा गर्म है कि क्या जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग इस मामले में निष्पक्ष जांच कराएंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि स्वतंत्र और गंभीर स्तर की जांच हुई तो कई बड़े नाम बेनकाब होंगे और यह सामने आ जाएगा कि आखिर किस स्तर पर मैनेज का खेल खेला गया। जानकार का कहना हैं कि जांच सिर्फ सतही नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन सभी कार्यों की समीक्षा होनी चाहिए जिनमें साई इंटरप्राइजेज शामिल रही है–चाहे वह थाली खरीद का मामला हो, बेंच-डेस्क आपूर्ति हो, भवन मरम्मति हो या एमडीएम सामग्री का वितरण।

उठ रहे अहम सवाल

इस मामले में कई सवाल उठ रहे है जैसे क्या जिला शिक्षा कार्यालय में ठेकेदारी प्रक्रिया पारदर्शी है। क्या सांसद सहयोगियों के दबाव में विभाग काम कर रहा है। क्या साई इंटरप्राइजेज के पक्ष में नियमों की अनदेखी की गई तथा आखिर किसके संरक्षण में विभागीय अधिकारी चुप बैठे हैं?

जनता और शिक्षा पर असर

इन गड़बड़ियों का सीधा असर सरकारी स्कूलों और बच्चों पर पड़ रहा है। घटिया बेंच-डेस्क, अधूरा मरम्मति कार्य और एमडीएम योजना में घटिया सामग्री–ये सब बच्चों के अधिकारों से समझौता है। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की जगह ठेकेदारी के खेल से संसाधन लूटे जा रहे हैं।

क्या निकलेगा नतीजा

अब सबकी निगाहें जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग पर हैं। क्या वे फर्स्ट आइडिया की तर्ज पर यहां भी जांच बैठाएंगे या मामला फिर ठंडे बस्ते में चला जाएगा? इतना तय है कि जब तक निष्पक्ष जांच नहीं होती, तब तक यह सवाल गूंजता रहेगा–क्या जिला शिक्षा कार्यालय में शिक्षा नहीं, ठेकेदारी का खेल चल रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने स्पष्ट कर दिया है कि साई इंटरप्राइजेज की आड़ में ठेकों का मैनेजमेंट खेला गया है, और यदि जांच निष्पक्ष हुई तो कई बड़े नामों की कलई खुल सकती है।

शाहाबाद प्रक्षेत्रीय क्विज प्रतियोगिता में मोहनिया टीम बनी विजेता

- **शिक्षक दिवस पर क्विज प्रतियोगिता व शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित**

केटी न्यूज/ रोहतास

थाना क्षेत्र बिक्रमगंज के नोनहर पंचायत गांव के यूनिक क्विज सेंटर के तत्वावधान में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह सह क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन। जिसमें शाहाबाद प्रक्षेत्र के मोहनिया,हसन बाजार,सासाराम, बिक्रमगंज सहित अलग-अलग जगह से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाली क्विज टीमें शामिल हुई। जिसमें अजय क्विज मोहनिया, प्रगति क्विज सासाराम, टारगेट क्विज घुसियां ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजित प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों के 80 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

नोनहर में संचालित यूनिक क्विज सेंटर द्वारा यह आयोजन 2021 से प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के दिन आयोजित किया जाता रहा है,जिसमें गांव सहित आसपास के सभी सम्मानित शिक्षकों को सम्मान देने का कार्य किया जाता है ।साथ ही प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों की प्रतियोगिता कराई जाती है। क्विज प्रतियोगिता के संचालन कर्ता श्याम भारती, आशीष कुमार पाठक, सुशील भारती ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य उन गुरुजनों को सम्मान देना होता है,जो हमारी नींव तैयार करते हैं। यूनिक क्विज सेन्टर में रहकर तैयारी कर रहे सभी लोग

आज कहीं न कहीं जॉब में हैं। जो ग्रुप स्टडी के माध्यम से अपनी तैयारी पूरा किए। क्विज संरक्षक आशीष कुमार पाठक ने बताया कि आज लाइब्रेरी तैयारी का माध्यम बना हुआ है ,लेकिन ग्रुप स्टडी का विकल्प अभी तक नही बन पाया है । ग्रुप स्टडी अपनी तैयारी को पुख्ता करने का सबसे बेहतर माध्यम है। कार्यक्रम का नेतृत्व श्याम भारती और अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में धनजी, मंजी, अभिमन्यु पटेल, देवानंद पटेल, दयाशंकर पांडेय,भोलू,शैलेश, विपुल,अजीत सहित अन्य क्विज के सदस्य शामिल हुए। अवसर पर रमेश मिश्रा मृदुल,प्रेम बाबा,राजेन्द्र,संतोष,मजहर,नवीन कुमार नवीन,भास्कर सिंह, ओमप्रकाश सिंह, संजय कुमार, राजू कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

एक नजर

मिट्टी की दीवार गिरने से किशोरी की मौत, दो जख्मी

आरा। हसन बाजार थाना क्षेत्र के रामसीडीह गांव में शुक्रवार की सुबह मिट्टी की दीवार गिरने से दबकर एक किशोरी की घटनास्थल पर मौत हो गयी. जबकि दो अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गये. घायलों में एक को इलाज के लिए पीरो पीएचसी से सदर अस्पताल लाया गया. वहीं दूसरे जख्मी का इलाज पीरो पीएससी में ही कराया जा रहा है. जानकारी के अनुसार मृत किशोरी हसन बाजार थाना क्षेत्र के रामसीडीह गांव वार्ड नंबर-6 निवासी अवधेश सिंह की 15 वर्षीया पुत्री रीमा कुमारी है. वह 10वीं की छात्रा थी. घायलों में उसी गांव निवासी जयप्रकाश सिंह की 14 वर्षीया पुत्री संध्या कुमारी एवं चरपोखरी थाना क्षेत्र के चरगोड़वा गांव निवासी स्व.बृजेश सिंह के आठ वर्षीय पुत्र सागर कुमार शामिल है. इधर, मृत बच्ची के पिता अवधेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार की सुबह वह ट्यूशन से घर वापस लौटी. कुछ देर बाद वह घर के बाहर गयी, जहां गांव की ही संध्या कुमारी और सागर कुमार खेल रहे थे, तभी अचानक मिट्टी की दीवार गिर पड़ी. आवाज सुनकर वे लोग बाहर निकले तो देखा कि उनकी बेटी रीमा कुमारी की दीवार से दबकर मौत हो गयी. जबकि संध्या कुमारी और सागर कुमार जख्मी हो गये. जख्मी सागर कुमार को इलाज के लिए पीरो पीएचसी से सदर अस्पताल लाया गया. वहीं, संध्या कुमारी का इलाज पीरो पीएचसी में चल रहा है. जबकि प्राप्त जानकारी के अनुसार संध्या कुमारी और सागर कुमार वहां पर खेल रहे थे, तभी मिट्टी की दीवार अचानक गिरने लगी, जिसे देख जब रीमा कुमारी दोनों को बचाने की कोशिश की, तो वहीं मलबे के नीचे दब गयी और उसकी मौत हो गयी. बताया जाता है कि मृत किशोरी अपने तीन बहन व एक भाई में दूसरे स्थान पर थी. उसके परिवार में मां सुनीता देवी व दो बहन सीमा, छोटी एवं एक भाई कृष्णा है. इस घटना के बाद मृत किशोरी की मां सुनीता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है.

देश शिक्षाविद व पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली की इंदु तपेश्वर महाविद्यालय में मनी जयंती

बिक्रमगंज । स्थानीय शहर के इंदु तपेश्वर सिंह महाविद्यालय के सभागार शुक्रवार देश के पूर्व राष्ट्रपति सह शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की शिक्षक दिवस के रूप में धूमधाम जयंती मनाया गया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय सचिव डॉ. अजय कुमार सिंह पूर्व सदस्य बिहार विधान परिषद ने पूर्व राष्ट्रपति के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन देश के एक महान शिक्षाविद थे। जिन्हें देश आज भी याद करता हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय उप प्राचार्य डॉ. उमेश्वर प्रसाद सिंह ने की। उन्होंने बताया कि डॉ. सर्वपल्ली के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हम 5 सितंबर को प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के रूप में इसे मनाते है। इस दिन समस्त राज्य में भारत सरकार द्वारा श्रेष्ठ शिक्षको को शिक्षा क्षेत्र में अच्छे कार्य के लिए सम्मानित किया जाता हैं। वही इंटर कॉलेज खंड प्राचार्य शशि रंजन कुमार ने कहा कि शिक्षक एवं छात्र देश के नीव है। जो समाज को एक नई दिशा देने का कार्य करते है।अवसर पर डॉ. मनोज कुमार सिंह ने उनके जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके पर महाविद्यालय के डॉ. उदय प्रताप सिंह, डॉ. विनोद कुमार, प्रो. पुष्पा रसिक, रेणु सिंह, नीरजा सिंह, बिन्नी कुमारी, पुष्पा सिंह,राकेश सिंह, साधना सिंह,उपेंद्र प्रसाद सिंह, सुबी कुमारी, धीरेंद्र सिंह,रमाकांत सिंह,रामजी सिंह,लल्टू कुमार दुबे,हिमांशु कुमार,अंशु कुमारी,रिंकी कुमारी,प्रीति कुमारी सहित छात्रा अनुप्रिया कोमल कुमारी, प्रीति,सुनिधि सुषमा व छात्राएं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

ट्रक और बाइक के टक्कर में पति व पत्नी गंभीर रूप से घायल

बिक्रमगंज। शहर के डिहरी-बिक्रमगंज पथ पर नासरीगंज थाना क्षेत्र के पडूरी गांव के समीप शुक्रवार को एक ट्रक एवं बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। जिसके कारण बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज हेतु सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है। घायल दंपति भोजपुर जिला के निवासी बताए जाते हैं। नासरीगंज थाना अध्यक्ष अविनाश कुमार के अनुसार भोजपुर जिला के तरारी थाना क्षेत्र के अंधारी गांव निवासी प्रहलाद कुमार अपनी पत्नी शारदा देवी के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे की विपरीत दिशा से आई ट्रक ने धक्का मार दिया। जिससे बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें तत्काल इलाज हेतु सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है। जहां स्थिति गंभीर बनी हुई है।

सासाराम में 7 सितंबर को विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

रोहतास । सासाराम ग्रिड के 33 केवी मुख्य बसबार में अतिआवश्यक मरम्मति कार्य कराने हेतु ग्रिड सासाराम से निकलने वाले सभी 33 केवी फीडर 7 सितंबर रविवार को दिन के समय 10 बजे से 12 बजे तक बंद रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता सासाराम ग्रामीण क्षेत्रीय उज्जवल कुमार ने बताया की इस दौरान अतिआवश्यक मरम्मति के अलावे आने वाले पर्व त्योहार को ध्यान मे रखते आवश्यक निरोधक अनुरक्षण किया जायेगा।

वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय में धूमधाम से मनी पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्ण की जयंती

- **प्रकृति प्रेम और शिक्षाविद व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे डॉ.सर्वपल्ली : डॉ. मनीष**

केटी न्यूज/ रोहतास

स्थानीय शहर के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर सभागार में शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस। शुक्रवार को कार्यक्रम अवसर पर देश पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह काराकाट नेता डॉ. मनीष रंजन ने सैकड़ों लोगों के साथ उन्हें दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय पूर्व प्राचार्य वीर बहादुर सिंह एवं संचालन नागेंद्र झा महिला कॉलेज प्राचार्य डॉ. अमरेंद्र मिश्रा ने की। उक्त मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. मनीष रंजन ने आएं सैकड़ों अतिथियों और महाविद्यालय कर्मियों को फूल माला पहना अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक शिक्षक पूरी दुनिया को बदल सकता है। राधाकृष्णन शिक्षा और शिक्षकों के महत्व में विश्वास करते थे। जब उनके छात्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा व्यक्त की, तो उन्होंने विनम्रतापूर्वक सुझाव दिया कि इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। 1962 से, भारत इस परंपरा को जारी रखे हुए है और शिक्षकों के समर्पण और सेवा के लिए उन्हें पूरे देश में सम्मानित करता है। साथ ही शिक्षक हमारे जीवन के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माता-पिता हमें जीवन देते हैं, परंतु जीवन को सही दिशा देने का कार्य शिक्षक करते हैं। वह केवल हमें पुस्तकों का ज्ञान प्रदान करते हैं बल्कि अच्छे संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण की शिक्षा भी देते है।

मौके पर मदन प्रसाद वैश्य,ललन चौरसिया, ओम प्रकाश सिंह, अजीत सिंह, नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा, उतम सिंह, सुदर्शन गुप्ता, सुनील सिंह, सुदामा सिंह, अयूब खान, संजय सिंह, अमर सिंह, जय शंकर पटेल, रमाशंकर सिंह, हरेंद्र हरियाली, विवेक कुशवाहा, चंदन सिंह, प्रो०-मनमोहन तिवारी, वर्षा सिंह,अनिल सिंह, उमा शंकर सिंह ,अनीता सिंह, दिनेश सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने जयंती समारोह में भाग लिया।

शिक्षक दिवस पर क्विज प्रतियोगिता व शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

केटी न्यूज/ रोहतास

थाना क्षेत्र बिक्रमगंज के नोनहर पंचायत गांव के यूनिक क्विज सेंटर के तत्वावधान में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह सह क्विज प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन। जिसमें शाहाबाद प्रक्षेत्र के मोहनिया,हसन बाजार,सासाराम, बिक्रमगंज सहित अलग-अलग जगह से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाली क्विज टीमें शामिल हुई। जिसमें अजय क्विज मोहनिया, प्रगति क्विज सासाराम, टारगेट क्विज घुसियां ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजित प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों के 80 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। नोनहर में संचालित यूनिक क्विज सेंटर द्वारा यह आयोजन 2021 से प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के दिन आयोजित किया जाता रहा है,जिसमें गांव सहित आसपास के सभी सम्मानित शिक्षकों को सम्मान देने का कार्य किया जाता है ।साथ ही प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों की प्रतियोगिता कराई जाती है। क्विज प्रतियोगिता के संचालन कर्ता श्याम भारती, आशीष कुमार पाठक, सुशील भारती ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य उन गुरुजनों को सम्मान देना होता है,जो हमारी नींव तैयार करते हैं। यूनिक क्विज सेन्टर में रहकर तैयारी कर रहे सभी लोग आज कहीं न कहीं जॉब में हैं। जो ग्रुप स्टडी के माध्यम से अपनी तैयारी पूरा किए। क्विज संरक्षक आशीष कुमार पाठक ने बताया कि आज लाइब्रेरी तैयारी का माध्यम बना हुआ है ,लेकिन ग्रुप स्टडी का विकल्प अभी तक नही बन पाया है । ग्रुप स्टडी अपनी तैयारी को पुख्ता करने का सबसे बेहतर माध्यम है। कार्यक्रम का नेतृत्व श्याम भारती और अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में धनजी, मंजी, अभिमन्यु पटेल, देवानंद पटेल, दयाशंकर पांडेय, भोलू, शैलेश, विपुल,अजीत सहित अन्य क्विज के सदस्य शामिल हुए। अवसर पर रमेश मिश्रा मृदुल, प्रेम बाबा, राजेन्द्र, संतोष, मजहर, नवीन कुमार नवीन, भास्कर सिंह, ओमप्रकाश सिंह, संजय कुमार, राजू कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार को रेलवे की बड़ी सौगात

7 रेलवे स्टेशनों पर खुलेंगे लग्जरी रेल कोच रेस्टोरेंट

एजेंसी। पटना

बिहार के सात रेलवे स्टेशनों पर पुराने ट्रेन कोच को लग्जरी रेस्टोरेंट में बदला जाएगा। सहरसा स्टेशन पर पहला एसी रेल कोच रेस्टोरेंट खुलने जा रहा है, जिसमें महाराजा एक्सप्रेस जैसा अनुभव मिलेगा।बिहार को रेलवे ने बड़ी सौगात दी है। राज्य के सात प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अब यात्री और स्थानीय लोग महाराजा एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेन का अनुभव जमीन पर कर सकेंगे। रेलवे इन स्टेशनों पर पुराने ट्रेन कोच को लग्जरी रेस्टोरेंट में बदलने की योजना पर काम कर रहा है।सहरसा स्टेशन पर यह योजना सबसे पहले आकार ले रही है। यहां अमृत भारत स्टेशन भवन परिसर में वातानुकूलित रेल कोच रेस्टोरेंट खोला जाएगा, जिसके लिए गरीब रथ एक्सप्रेस के पुराने कोच का उपयोग किया जाएगा। इस रेस्टोरेंट का टेंडर फाइनल हो चुका है और इसे 7 वर्षों के लिए आवंटित किया गया है, जिससे रेलवे को 42 लाख रुपये का नॉन-फेयर रेवेन्यू मिलेगा। इसके अलावा, दरभंगा, समस्तीपुर, रक्सौल, नरकटियागंज, मोतिहारी और बेतिया स्टेशनों पर भी रेल कोच रेस्टोरेंट खोलने की फिजिबिलिटी जांच की जा रही है। वातानुकूलित माहौल के साथ रेस्टोरेंट पूरी तरह से ट्रेन कोच के भीतर होगा, लेकिन इसका इंटीरियर रॉयल लुक में तैयार किया जाएगा। ग्राहक यहां बैठकर बिहार के दर्शनीय स्थलों और रेलवे के ऐतिहासिक सफर की वीडियो प्रस्तुतियों का आनंद ले सकेंगे। शाकाहारी और मांसाहारी व्यंजन के लिए अलग-अलग किचन होंगे। स्थानीय व्यंजन और इलाके की प्रसिद्ध मिठाइयां भी मेन्यू में शामिल की जाएंगी। फ्री वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध रहेगी। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को स्वादिष्ट भोजन देने के साथ-साथ रेवेन्यू के वैकल्पिक स्रोत तैयार करना है। इन रेस्टोरेंट्स का अनुभव पारंपरिक बाजार के रेस्टोरेंट्स से अलग और यादगार होगा।

बड़हरा से तीर्थयात्रा पर रवाना हुए 300 से अधिक श्रद्धालु, अजय सिंह ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी। बड़हरा

बड़हरा से 300 से अधिक श्रद्धालुओं का जत्था तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुआ। समाजसेवी अजय सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। इस दौरान जय श्रीराम के नारों से पूरा बड़हरा गूंज उठा। 5 हजार तीर्थयात्रियों के संकल्प की नई कड़ी में 5 बसों में सवार होकर श्रद्धालुओं का भव्य 12वां जत्था निकला। बड़हरा और सेमरिया पंचायत के लगभग 300 से ज्यादा श्रद्धालु भव्य उत्साह के साथ तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुए। पुराना बड़हरा ब्लॉक प्रांगण से श्रद्धालुओं को समाजसेवी अजय सिंह ने 5 बसों को हरी झंडी दिखाकर विदा किया। रवानगी के दौरान माहौल भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु "जय श्रीराम" और "अजय सिंह जिंदाबाद" के नारों से गूंज उठे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के चेहरे पर यात्रा को लेकर विशेष उत्साह और खुशी झलक रही थी।अजय सिंह ने श्रद्धालुओं को मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि समाज और संस्कृति से जुड़ी इस तरह की धार्मिक यात्राएं लोगों को आस्था और संस्कारों से जोड़ती हैं।

छह साल बाद साकार हुआ सपना, बिहार को मिला पहला लक्ष्मण झुला

पुनपुन में बना बिहार का पहला लक्ष्मण झूला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया उद्घाटन

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पुनपुन नदी पर बने लक्ष्मण झूला का उद्घाटन किया। यह केबल सस्पेंशन ब्रिज ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला की तर्ज पर पटना के पुनपुन में बनाया गया है। इसे बनाने में कुल 82 करोड़ 90 लाख 48 हजार रुपए खर्च हुए हैं। पितृपक्ष मेले से पूर्व इस लक्ष्मण झूला का उद्घाटन कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को बड़ी सौगात दी है। लक्ष्मण झूला को पुनपुन का गौरव लोग मान रहे हैं। इसे देखने के लिए दूर-दराज क्षेत्रों से लोग पहुंचेंगे। अभी से ही इसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है। लक्ष्मण झूला के उद्घाटन के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यह पुल पितृपक्ष मेला के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा और इससे स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि 6 सितंबर से 21 सितंबर तक पुनपुन में पितृपक्ष मेला का आयोजन होगा। अंतरराष्ट्रीय पितृपक्ष घाट पर बने लक्ष्मण झूला के जरिये श्रद्धालु यहां तक आएंगे। इसके उद्घाटन के मौके पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री श्याम रजक, विधान पार्षद रविंद्र सिंह सहित कई पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे। बता दें कि उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी पर बने लक्ष्मण झूला एक प्रसिद्ध सस्पेंशन ब्रिज है, जो टिहरी गढ़वाल के तपोवन और पौड़ी गढ़वाल के जोंक गांवों को जोड़ता है। यह सस्पेंशन ब्रिज 450 फीट लंबा है। ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला को भगवान श्रीराम के भाई लक्ष्मण के सम्मान में बनाया गया था। ऐसा माना जाता है कि भगवान लक्ष्मण ने यहीं से जूट की रस्सियों के सहारे गंगा पार की थी। इसलिए इसका नाम लक्ष्मण झूला रखा गया था। अब इसी के तर्ज पर पटना के पुनपुन नदी पर 320 मीटर लंबा और 11.50 मीटर चौड़ा लक्ष्मण झूला बनाया गया है जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों आज हुआ। इस ब्रिज को इलाके के लोग बड़ा तोहफा मान रहे हैं। क्योंकि इसे देखने के लिए लोगों की भीड़ अभी से ही उमड़ने लगी है। उम्मीद जतायी जा रही है यह क्षेत्र पर्यटक के दृष्टिकोण से उभरेगा और लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेगा। बता दें कि पितृपक्ष मेला से पहले लक्ष्मण झूला का उद्घाटन होना था, ठीक पितृपक्ष मेले के एक दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस ड्रीम प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इसका इंतजार लोगों को काफी दिनों से था। अब इंतजार की घड़ी खत्म हो गयी है। सीएम नीतीश ने आज इस ब्रिज का उद्घाटन किया। बता दें कि इस भव्य परियोजना की घोषणा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 26 जनवरी 2019 को की थी। इसके बनने में करीब 6 साल 7 महीने लग गये। अब लोगों का सपना साकार हो गया है। इसे लोग पुनपुन का गौरव के रूप में देख रहे हैं.. बिहार का पहला केबल सस्पेंशन ब्रिज पटना के पुनपुन स्थित अंतरराष्ट्रीय पिंडदान स्थल के पास पुनपुन नदी के ऊपर बनाया गया है। इसके बन जाने के बाद पितृपक्ष में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को घाट तक पहुंचने में सुविधा होगी। पहले श्रद्धालुओं को पटना-गया रोड से लंबी दूरी तय करना पड़ता था लेकिन अब लक्ष्मण झूला पर चढ़कर आसानी से घाट तक आ सकते हैं। बता दें कि लक्ष्मण झूला को बनाने में करीब 83 करोड़ की लागत लगी है।

जानिए, पुल की खासियत

- पुल की कुल लंबाई : 320 मीटर
- सस्पेंशन डेक की लंबाई : 120 मीटर
- पुल को संभालने वाली स्टील की केबलों की संख्या : 18
- पाइलॉन की ऊंचाई : 100 फीट
- संपर्क पथ की लंबाई : 135 मीटर
- डक्ट की लंबाई : 200 मीटर
- 46 करोड़ से शुरू होकर 83 करोड़ में हुआ निर्माण

पटना में थमोकील फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 15 लोगों का रेस्क्यू

एजेंसी। पटना

पटना के फतुहा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव में एक थमोकोल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। दमकल की 9 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।बड़ी खबर राजधानी पटना से आ रही है, जहां शुक्रवार को एक थमाकोल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और मौके पर अफरा तफरी मच गई और वहां काम कर रहे लोग जान बचाकर इधर- उधर भागने लगे। घटना फतुहा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव की है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दो किलोमीटर दूर से ही दिख रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के बाद वहां काम कर रहे मजदूरों में भगदड़ मच गई। मजदूरों ने खुद से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग इतनी भयावह थी कि उसपर काबू पाना मुश्किल था। आनन-फानन में घटना की जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम और दमकर की 9 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू हुआ। इस घटना में किसी के हताहत होने की तो खबर नहीं है लेकिन फैक्ट्री को काफी नुकसान पहुंचा है। लाखों रूपए की क्षति का अनुमान है हालांकि फिलहाल इसका आकलन नहीं किया गया है। फिलहाल हालात काबू में हैं। इस दौरान 15 लोगों का रेस्क्यू किया गया।

सीवान में पुलिस की बड़ी कार्रवाई : ज्वेलर्स पर फायरिंग और रंगदारी कांड के 5 अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी। सीवान

महाराजगंज पुलिस ने ज्वेलर्स एवं बर्तन भंडार पर फायरिंग और रंगदारी मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पांच अपराधियों को हथियार और मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो देसी कट्टा, छह जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल बरामद किए गए हैं।लूट की कर रहे थे तैयारी जानकारी के अनुसार, अपराधी महुआरी रेलवे ओवरब्रिज पुल के पास इकट्ठा होकर बड़ी लूट की योजना बना रहे थे। इसी बीच पुलिस और डीआईयू टीम ने संयुक्त छापेमारी कर इन्हें दबोच लिया। पुलिस बल को देखकर कुछ अपराधी भागने लगे, लेकिन पांच अपराधियों को पकड़ लिया गया। एक अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। एसडीपीओ अमन ने प्रेसवार्ता में बताया कि 28 अगस्त को रिसौरा बाजार स्थित नेहा ज्वेलर्स और बर्तन भंडार में अपराधियों ने फायरिंग की थी। इसके बाद 31 अगस्त को 20 लाख रुपये रंगदारी की मांग भी की गई थी। इसी मामले में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ में इस घटना को अंजाम देने की बात कबूल की है।

फर्जी लेटर से फैलाई गई अफवाह, 3295 संविदा कर्मियों की सेवा समाप्त नहीं : राजस्व विभाग

एजेंसी। पटना

संविदा पर बहाल 9000 से ज्यादा विशेष सर्वेक्षण कर्मियों की सेवा सरकार ने समाप्त कर दी है। इन पदों पर अब नये सिरे से बहाली होगी। जबकि 3295 संविदा कर्मी हड़ताल से लौट आए थे। इनकी सेवा बरकरार रखी गयी है लेकिन सोशल मीडिया पर यह अफवाह उड़ाई गयी कि हड़ताल से लौटे 3295 संविदा कर्मियों की भी सेवा समाप्त हो गयी है। इस संबंध में फर्जी लेटर तैयार कर किसी ने वायरल कर दिया था। जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सोशल मीडिया पोस्ट में छेड़छाड़ कर इसे प्रसारित किया गया। राजस्व एवं भूमि सुधार ने इस लेटर को फर्जी करार दिया है। कहा है कि हड़ताल से लौटे 3295 संविदा कर्मियों पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। ये सभी विशेष सर्वेक्षण संविदा कर्मी अभी कार्यरत हैं और राजस्व महा-अभियान जैसे जन हितैषी कार्य में लगे हुए हैं। विभाग ने बताया कि हड़ताल से लौटे संविदा कर्मियों और आमलोगों को गुमराह करने के मकसद से मनगढंत पत्र तैयार कर वायरल किया गया। बता दें कि सरकार के बार-बार अपील के बावजूद विशेष सर्वेक्षण कर्मी काम पर लौटने का नाम नहीं ले रहे थे। 9000 से ज्यादा संविदा कर्मी पटना के गर्दनीबाग में आंदोलन पर डटे हुए थे और अपनी मांग पर अड़े हुए थे। सरकार ने इन सभी को लौटने का अंतिम मौका भी दिया था। 3295 संविदा कर्मी अपनी-अपनी ड्यूटी पर लौट गये लेकिन 9000 से ज्यादा कर्मी आंदोलन पर जमे रहे।

बेगूसराय में जर्जर दीवार गिरने से बुजुर्ग की मौत गांव में पसरा मातम

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय से बड़ी खबर आ रही है, जहां वर्षों पुरानी जर्जर दीवार के अचानक गिरने से बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गयी है। इस घटना से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है और गांव में मातम का माहौल है। बेगूसराय जिला अंतर्गत लाखो थाना क्षेत्र अंतर्गत अयोध्या बाड़ी गांव के लालू नगर में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव में स्थित ठाकुरबाड़ी परिसर की वर्षों साल पुरानी दीवार गिरने से 65 वर्षीय उपेंद्र पोद्दार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक उपेंद्र पोद्दार शुक्रवार की सुबह अपने आंगन में स्थित चापाकल पर कपड़ा साफ कर रहे थे। इसी दौरान ठाकुरबाड़ी परिसर की लगभग 25 फीट लंबी और 20 इंच मोटी दीवार अचानक भर भराकर गिर पड़ी।

अनंत चतुर्दशी और विश्वकर्मा पूजा पर विशेष चौकसी बरती जाएगी

बिहार में पर्व-त्योहारों पर सख्त सुरक्षा व्यवस्था, डीजे पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

एजेंसी। पटना

बिहार पुलिस मुख्यालय ने आगामी पर्व-त्योहारों को लेकर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। एडीजी (विधि-व्यवस्था) पंकज कुमार दराद ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि गणेश चतुर्थी, ईदे मिलाद-उन-नबी, अनंत चतुर्दशी और विश्वकर्मा पूजा पर विशेष चौकसी बरती जाएगी। किसी भी धार्मिक जुलूस को निकालने से पहले स्थानीय प्रशासन से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। एडीजी ने जिलों को निर्देश दिया कि जुलूस या विसर्जन से पहले शांति समिति की बैठक आयोजित करें। जुलूस का निर्धारित रूट तय कर उसका भौतिक सत्यापन भी करें। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। सभी जुलूसों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी और नदी घाटों पर गोताखोर तैनात रहेंगे। त्योहारों के दौरान जिला से लेकर पुलिस मुख्यालय तक कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगे। हर चार घंटे पर मुख्यालय सभी जिलों से स्थिति रिपोर्ट लेगा। सोशल मीडिया पर अफवाहों को रोकने के लिए विशेष मॉनीटरिंग की जाएगी। संदिग्ध लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है। गया में 6 से 21 सितंबर तक पितृपक्ष मेले का आयोजन होगा। इस मौके पर 395 पुलिस पदाधिकारी, 1600 सिपाही और 800 गृहरक्षक तैनात किए गए हैं। साथ ही 5 कंपनी सशस्त्र बल, 2 टूप अश्वारोही बल, 2 अश्रुगैस दस्ता, 1 दंगा निरोधक कंपनी और 2 बम निरोधक दस्ते की भी तैनाती की गई है। गया बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर पुलिस हेल्प डेस्क बनाए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं और बाहर से आए लोगों को मदद मिल सके।

सुभाषितम्

जब तक तुम स्वयं पर विश्वाश नहीं करते, परमात्मा में विश्वास कर ही नहीं सकते - विवेकानंद

जीएसटी के 2 स्लैब, गरीब एवं मध्यम वर्ग को राहत?

जीएसटी परिषद के हालिया फैसले ने आम जनता को बड़ी राहत दी है, यह प्रचारित हो रहा है। अब तक अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की दरें 5 प्रतिशत से लेकर 28 प्रतिशत तक फैली हुई थीं, जिससे उपभोक्ता और व्यापारी दोनों ही भ्रमित रहते थे। परिषद ने टैक्स ढांचे को सरल बनाने का दावा करते हुए केवल दो स्लैब 05 और 18 प्रतिशत रखने का निर्णय लिया है। कुछ उत्पाद 40 फीसदी जिसमें शराब, लग्जरी सामान और तंबाकू के उत्पाद शामिल कर तीसरी श्रेणी बनाई जा रही है। सरकार दावा कर रही है कि इस बदलाव से 48000 करोड़ सालाना का नुकसान होगा जो प्रतिमाह लगभग 4000 करोड़ रुपया बैठता है। इसी के साथ ही सरकार दावा कर रही है, कि इस कदम से कर प्रणाली को पारदर्शी बनाया जायेगा। गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी। सरकार का दावा है इससे बड़ा फायदा रोजमर्रा की वस्तुओं और खाने-पीने की चीजों पर जीएसटी दर में कमी के कारण सामने आएगा। आवश्यक वस्तुएं सस्ती होंगी, सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का मासिक बजट संतुलित होगा। अगले 4 महीने त्योहारों के मौसम के हैं। जीएसटी में राहत उपभोक्ताओं के उत्साह को बढ़ाएगी। बाजार में रौनक आएगी। बाजार में मांग और आपूर्ति को मजबूती मिलेगी। सरकार ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा सेवाओं पर जीएसटी खत्म करने का निर्णय लिया है, जो अत्यंत सराहनीय कदम है। मध्यम वर्ग लंबे समय से इस बोझ से परेशान था। अब बीमा प्रीमियम सस्ते होंगे, अधिक लोग स्वास्थ्य और जीवन बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इससे सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा और देश में वित्तीय सुरक्षा मजबूत होगी। उद्योग जगत की दृष्टि से देखें, तो कम स्लैब का अर्थ है, आसान टैक्स के अनुपालन से व्यापारी और छोटे कारोबारियों को राहत मिलेगी। जटिल दरों और तकनीकी खामियों के कारण वह परेशान होते थे। दो स्लैब की व्यवस्था से कर चोरी घटेगी, सरकार को राजस्व संग्रहण अधिक पारदर्शी तरीके से मिलेगा। हालांकि जीएसटी की चुनौतियां नए रूप मे सामने आएंगी। उच्च कर स्लैब में आने वाली वस्तुओं पर कर बोझ बढ़ने से जो राहत बताई जा रही है, वह एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरे जेब में डालने जैसी संभावना के रूप में देखा जा रहा है। विलासिता से संबंधित उत्पाद एवं सेवाओं को 28 प्रतिशत के स्थान पर 40 फीसदी जीएसटी देनी होगी। इस प्रकार उपभोक्ताओं को जो राहत दी गई है उसे विलासिता के नाम पर सरकार वापस ले लेगी। इसमें सरकार को वाहवाही भी मिलेगी। इस श्रेणी के लोग अपेक्षाकृत सक्षम होते हैं। समाज के कमजोर वर्गों की राहत का यह बोझ मध्यम वर्ग पर डाला जाएगा। सरकार ने जो अनुमान लगाया है कि उसे 4000 करोड़ मासिक का नुकसान होगा, जीएसटी के रूप में सरकार 180000 करोड़ से लेकर 190000 करोड़ तक हर माह वसूल कर रही है। इससे स्पष्ट है, कि जीएसटी से आम आदमी को कोई विशेष राहत मिलने वाली नहीं है। अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव की बात करें, तो इस कदम से कुछ उत्पादों की मांग बाजार में बढ़ेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। सरल टैक्स प्रणाली विदेशी निवेशकों को भारत में आने के लिए भी आकर्षित करेंगे। कुल मिलाकर, जीएसटी में दो स्लैब का फैसला एक दूरगामी सुधार का रास्ता तैयार कर रहा है। इस तरह की सोच से गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी, वहीं टैक्स प्रणाली को सरल और प्रभावी बनाने में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो सकता है। यह कदम सबका साथ, सबका विकास की दिशा में सरकार का यह ठोस प्रयास करने का दावा सरकार द्वारा किया जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस परिवर्तन से भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों मे ले जाने में मदद मिलेगी। सरकार जीएसटी की दरों में कमी करने का जो दावा कर रही है। महंगाई कम होने की बात कर रही है।

चिंतन-मनन

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है। किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना, सपनों को नई उड़ान

- डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की विकास गाथा हमेशा से उसकी श्रम शक्ति द्वारा लिखी गई है। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में करोड़ों श्रमिकों के समर्पण और क्षमता की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में, भारत विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ते हुए आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने वैश्विक पटल पर अपने लिए एक उल्लेखनीय स्थान बनाया है और इसमें इसके मानव संसाधन की शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस सफलता की कहानी को बल देने वाला तथ्य यह है कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आरबीआई-केएलईएमएस के अनुसार, जहां 2004-2014 के बीच केवल 2.9 करोड़ रोजगार सृजित हुए थे, उसके बाद के दशक में 17 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए। औपचारिकीकरण में भी तेजी आई है, ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार पिछले सात वर्षों में लगभग आठ करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में बढ़ोतरी होना भी हमारी एक बड़ी उपलब्धि है। 2015 में, केवल 19 प्रतिशत भारतीय कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत आते थे। 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो चुकी है और 94 करोड़ लाभार्थी इसके दायरे में आए हैं, जिससे भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कवरेज देने वाला देश बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस उपलब्धि को वैश्विक स्तर पर कवरेज के सबसे तेज विस्तार में से एक माना है। यह स्पष्ट है कि राष्ट्र का भविष्य न केवल जीडीपी वृद्धि की गति से, बल्कि हमारे द्वारा सृजित नौकरियों की गुणवत्ता, श्रमिकों को दी जाने वाली सुरक्षा और अपने युवाओं को प्रदान किए जाने वाले अवसरों से भी तय होगा। बढ़ते स्वचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कारण बनी अनिश्चितता की स्थिति, आपूर्ति-श्रृंखला में बदलाव और दुनिया भर में नौकरियों को आकार देने वाली कई अन्य कमजोरियों की वैश्विक पृष्ठभूमि में, भारत एक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बिंदु पर खड़ा है। हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश है जो हमारी अर्थव्यवस्था को गति दे देता है, जबकि पश्चिमी देशों में आबादी वृद्ध होती हो रही है। वर्षों से, भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश यानी इसकी युवा शक्ति को इसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता रहा है। फिर भी, पिछली सरकारों के अधीन, इस क्षमता का पूरा उपयोग नहीं किया गया। अमृत काल में, जब हम 2047 तक एक विकसित भारत के विजन की दिशा में प्रयास कर रहे हैं, हमारे सामने कार्य स्पष्ट है: हमें संभावना से समृद्धि की ओर बढ़ना होगा। इस पृष्ठभूमि में, रोजगार अब केवल एक आर्थिक संकेतक नहीं रह गया है; यह सम्मान, समानता और राष्ट्रीय शक्ति का आधार है। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने युवाओं को रोजगार योग्य बनाएं, उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करें, उन्हें वित्तीय साक्षरता से लैस करें और यह सुनिश्चित करें कि वे एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली द्वारा सुरक्षित हों। तभी हमारा जनसांख्यिकीय लाभ वास्तव में एक स्थायी राष्ट्रीय लाभांश में परिवर्तित हो सकता है। इसी चुनौती का समाधान करने और आकांक्षा व अवसर के बीच के अंतर को पाटने के लिए, 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू करने की घोषणा की है। शुरुआत में केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रस्तुत और प्रधानमंत्री जी के अपने 12वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में घोषित यह योजना पैमाने और डिजाइन, दोनों ही दृष्टि से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। 1 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ, यह भारत के इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिससे 3.5 करोड़ से ज्यादा रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इनमें से दो करोड़ लाभार्थी पहली बार नौकरी पाने वाले होंगे। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को इसकी संरचना ही अलग बनाती है। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाले पहले के कार्यक्रमों के विपरीत, यह योजना युवाओं की रोजगार क्षमता और उद्यम प्रतिस्पर्धात्मकता की दोहरी चुनौती का एक साथ समाधान करती है। भाग ए के तहत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों (दो किश्तों में 15,000 रुपए तक) और भाग बी के तहत नियोक्ताओं (प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए प्रति माह 3,000 रुपए तक) को प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके, यह श्रमिकों के लिए प्रवेश बाधाओं को कम करती है और साथ ही व्यवसायों के लिए नियुक्ति जोखिम को भी कम करती है। इस योजना का औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा एकीकरण की दिशा में प्रोत्साहन भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। इसके लाभ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और नए कर्मचारियों को पहले दिन से ही सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से जोड़ा जा सकेगा। इस प्रकार, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, एक औपचारिक, सुरक्षित और उत्पादक श्रम बाजार की ओर एक संरचनात्मक कदम है। इसके अलावा, विनिर्माण क्षेत्र में नियोक्ताओं को प्रोत्साहन पर अतिरिक्त ध्यान, भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, योजना-आधारित पहलों से हटकर एक व्यापक रोजगार प्रणाली की ओर बदलाव का संकेत देती है। यह पूर्व की पहलों से मिली सीख पर आधारित है, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन और मेक इन इंडिया जैसी वर्तमान योजनाओं का पूरक है और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवस्था में काम की बदलती प्रकृति को पहचानती है। श्रमिकों और नियोक्ताओं, दोनों को प्रोत्साहन देकर, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना यह मान्यता देती है कि रोजगार सृजन एक साझा जिम्मेदारी है। भारत डिजिटल नवाचार को अपनाते हुए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का प्रयास कर रहा है, इसलिए यह योजना सुनिश्चित करती है कि कोई भी पीछे न छूटे - यहां तक कि सबसे छोटा उद्यम और कार्यबल में शामिल होने वाला सबसे नया व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास की यात्रा में भागीदार बने। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक नीतिगत घोषणा से कहीं अधिक बढ़कर है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश को सार्वजनिक समृद्धि में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह पहल विकसित भारत के विजन को साकार करने की नींव का हिस्सा है, जहां हर युवा को सार्थक रोजगार मिले, हर काम में सम्मान हो और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले। रोजगार निर्माण सही मायने में राष्ट्र निर्माण है। इस पहल के साथ, मोदी सरकार अपनी इस प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है कि कोई भी आकांक्षा अधूरी नहीं रहेगी और कोई भी युवा अवसर से वंचित नहीं रहेगा।

मदर टरेसा : मानवता की सेवा करने वाली अनूठी मिशाल

-एनाएतुल्लाह नन्हे

वैसे जब एनजीओ के जरिए चलने वाले ट्रस्ट या चैरिटी की बात आती है तो सबसे पहले दिमाग मे यही बात आती है कि बिना ट्रस्ट या चैरिटी के जरिए भी तो समाज मे सेवा की जा सकती है। आखिर इसकी जरूरत क्यों पड़ती है। तो जान लीजिए की यह ट्रस्ट या चैरिटी काले धन को सफेद करने और टैक्स को बचाने के लिए हथकंडा अपनाया जाता है। मैं ये नही कहता कि सब के सब एक जैसे हैं, लेकिन यह हकीकत है की 90 फीसद गलत हैं और मात्र 10 फीसद ही ट्रस्ट या चैरिटी के नाम पर ही सही काम कर रहे हैं। उन्ही चैरिटी के माध्यम से कुछ लोग ऐसा काम कर जाते हैं कि अमर हो जाते हैं। जिन्हें रहती दुनिया तक याद किया जाता है। उन्ही में से एक नाम है मदर टरेसा की, जिन्होंने विदेश से आकर भारत मे गरीब, असहाय, भूखे, नँगे, बेघर, दिव्यांग, नेत्रहीन, कुष्ठ रोगियों और समाज में उपेक्षित उन सभी लोगों की सेवा की है। जिसके कारण उन्हें रहती दुनिया तक याद किया जाएगा। आज हम उनकी 28 वीं पुण्यतिथि पर याद करते हुए उन्हें खेराज -ए- अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश करते हुए उनके कार्यों की विस्तार पूर्वक चर्चा करेंगे। चार दशकों तक मानवता की सेवा करने वाली रोमन कैथोलिक नन मदर टरेसा का जन्म आज से 115 वर्ष पूर्व 26 अगस्त सन 1910 ई. को उस्मान साम्राज्य के मैसेडोनिया (पूर्व में यूगोस्लाविया) के स्कोप्जे में एक अल्बानियाई परिवार में हुआ था। उनकी रुचि शुरू से ही धार्मिक कार्यों के साथ-साथ मानव की सेवा करने में थी। इसके लिए उन्होंने मात्र 18 साल की उम्र में लोरेटो सिस्टर्स के मिशन में शामिल हो गईं और मिशन के तहत वे सन 1929 ई. में 19 साल की उम्र में भारत

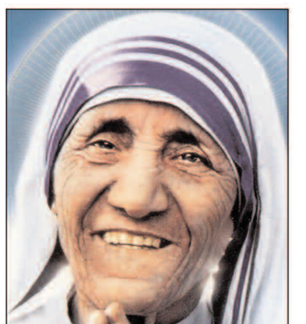

आ गईं। वे यूरोप के आयरलैंड से यहाँ भारत आईं और यहाँ की होकर रह गईं। जिन्हें उनके योगदान को देखते हुए भारत की नागरिकता भी मिली। जब वह भारत आईं उस समय देश में अंग्रेजों का शासन था। वे कोलकाता में एक शिक्षिका के रूप में काम करते हुए शहर की स्लम्स एरिया (झुग्गी बस्ती) में रहने वाले लोगों की दयनीय स्थिति को काफी नजदीक से देखा। सन 1946 ई.में एक आध्यात्मिक अनुभव ने उन्हें गरीबों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। जिसके बाद उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन पूरी तरह से मानवता की सेवा में गरीबों, असहायों और जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित कर दिया। इसके लिए सन 1950 ई. में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। कोलकाता की सड़कों पर बीमार और मरते हुए लोगों की देखभाल शुरू की। उनके आश्रम में गरीबों के लिए वहाँ आशा की किरण थी। विशेषकर दिव्यांग, नेत्रहीन, कुष्ठरोगी आदि के लिए सेवा की अनूठी मिशाल पेश की। मदर टेरेसा का धर्मार्थ कार्य कोलकता से होते सम्पूर्ण भारत में फैला और इस तरह आज पूरी दुनिया में फैल गया है। उनका संगठन ने भारत के बाहर कई देशों में अपनी शाखाएँ स्थापित की हैं। मदर टेरेसा के बारे में कहा जाता है कि अगर कोई उनसे हाथ मिलाता था तो मोहित हो जाता था। उनके स्पर्श मात्र से ही अजीब सा आकर्षण होता था। वह कभी मायूस नही रहती थी, हमेशा हँसती और मुस्कुराती रहती थी। उनके जीवन पर भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला ने किताब लिखी है। जिसमें वे लिखते हैं कि जब उनसे उनके मुस्कुराहट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था की हम उदास चेहरा लेकर गरीब, असहाय और दुःखी लोगों के पास नहीं जा सकते हैं। इतना ही नही वे जो साड़ी पहनती थी उनके पास सिर्फ तीन ही हुआ करते थे। इस सवाल पर वे कहती थीं कि हमारा नियम है कि हम एक समय में सिर्फ.तीन साड़ियाँ ही रखती हैं। एक जो हम पहनती हैं, एक जो धोने के लिए होती है और एक जो विशेष अवसरों के लिए होती है। मदर टरेसा बताती थी कि ये गरीबी या किसी मजबूरी की वजह से नहीं, बल्कि हमारी अपनी मजी से करते हैं। उनके मानवीय कार्यों से ही दुनिया भर के लोग उनके प्रति विशेष श्रद्धा व सम्मान रखते थे। जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1985 में मदर टेरेसा को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' प्रदान करके उनकी प्रशंसा भी की थी और उन्हें 'आदर्श महिला' भी बताया था, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी मदर टेरेसा की तारीफ की थी, फिलिस्तीनी राष्ट्रपति यासर अराफात और भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी भी मदर टरेसा के प्रशंसकों में शामिल हैं। उनके द्वारा किए गए मानवता की सेवा के लिए सबसे पहले भारत सरकार ने उन्हें 1962 में पद्मश्री एवार्ड दिया। यहाँ तक कि उनके अच्छे कार्यों के लिए उन्हें दुनिया का सबसे बड़ा इनाम नोबेल शांति पुरस्कार सन 1979 ई. में मिला। उसके बाद सन 1980 ई. मे भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया था, तब उनकी सादगी देखने लायक थी। उन्होंने अनुरोध किया कि उनके सम्मान में आयोजित भोज को रद्द कर दिया जाए ताकि उससे बचाई गई धनराशि का उपयोग कलकत्ता के गरीबों के कल्याण के लिए किया जा सके। सबकी सेवा करने वाली मदर टेरेसा अंतिम समय तक अपना काम स्वयं करती रहीं। मदर टेरेसा के कार्यों की व्यापक रूप से सराहना हुई, लेकिन वह भी कुछ आलोचनाओं से बच नही सकी। कुछ आलोचकों ने उनके मिशन के तरीकों और धन के उपयोग पर सवाल उठाएं। लेकिन उनकी ईमानदारी से की जाने वाली मानवता की सेवा जुनून के हद से भी ऊपर थी जिस कारण उन्हें कोई फर्क नही पड़ा और आलोचकों को भी जब विरोध करने से कुछ फायदा नही हुआ तो वह भी आखिर में प्रशंसक बन गएं। उन्होंने 5 सितंबर 1997 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन उनकी विरासत आज भी कायम है। उनकी देहांत के 19 साल बाद सन 2016 में कैथोलिक चर्च ने उन्हें संत घोषित किया जबकि उससे पहले ही कोलकता के लोग मदर टरेसा को संत टरेसा ही कहते थे। पूरी दुनिया उन्हें उनकी सेवा भावना और कार्यों के लिए जानती है और बड़े आदर व सम्मान से उन्हें याद करती है। आज के समाज मे बहुतायत संख्या में लोग अपने को समाजसेवी, सोशल एक्टिविस्ट और सामाजिक कार्यकर्ता कहते हैं जो हकीकत में कुछ करते नही है। ऐसे लोगों को मदर टरेसा जैसी महान हस्ती से प्रेरणा लेने की जरूरत है कि मानवता की सेवा कैसे की जाती है।

2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा

- डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का कहना है कि गगनयान भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो उसकी मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमताओं की पुनः पुष्टि करेगा और पृथ्वी के लिए लाभकारी अनुप्रयोगों सहित वैज्ञानिक ज्ञान में वृद्धि करेगा। प्रश्नः भारत के अंतरिक्ष भविष्य के लिए गगनयान का सबसे बड़ा परिणाम क्या होगा? उत्तरः अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का उदय पहले ही हो चुका है और इसे वैश्विक स्तरर पर स्वी कार किया गया है। अब हम अनुयायी मात्र नहीं हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में समान भागीदार हैं। गगनयान मिशन एक और निर्णायक मोड़ का प्रतीक होगा। यह न केवल मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमताओं की पुनःपुष्टि करेगा, बल्कि हमारे वैज्ञानिक ज्ञान में भी वृद्धि करेगा। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला द्वारा सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण या माइक्रोग्रेविटी, कृषि और जीवन विज्ञान पर किए गए प्रयोगों के साथ-साथ, यह मिशन पृथ्वी पर अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। यह भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगा, जबकि हम बुनियादी ढाँचे, विकास और जीवन को सुगम बनाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग जारी रखेंगे। प्रश्नः शुक्ला जैसे युवा अंतरिक्ष यात्रियों के आने से, हमारी मानव अंतरिक्ष यात्रा को आकार देने में युवाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है? उत्तरःअंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में भारत के भविष्य के लिए युवा अपरिहार्य हैं। हमारी 70 प्रतिशत से अधिक आबादी 40 वर्ष से कम आयु की है, इसलिए स्वाभाविक रूप से, वे विकसित भारत के पथप्रदर्शक हैं। अंतरिक्ष में, शारीरिक और मानसिक अनुकूलनशीलता की आवश्यकता के कारण युवाओं को बढ़त हासिल है। उदाहरण के लिए, गगनयान के लिए प्रशिक्षित चार अंतरिक्ष यात्रियों में, शुभांशु सबसे कम उम्र के थे और यह बात लाभदायक रही। अंतरिक्ष मिशनों के लिए त्वरित अनुकूलन की आवश्यकता होती है, जिसे युवा अधिक कुशलता से संभाल सकते हैं। प्रश्नःक्या आपको लगता है कि गगनयान वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और महिला अंतरिक्ष यात्रियों के लिए संभावनाओं के द्वार खोलेगा? उत्तरःजी बिल्कुल। अंतरिक्ष विज्ञान में पुरुषों और महिलाओं के बीच कोई भेद नहीं है। 15 अगस्त, 2018 को जब प्रधानमंत्री नरे-?द्र मोदी ने पहली बार गगनयान की घोषणा की थी, तो उन्होंने कहा था कि भारत का एक बेटा या बेटी अंतरिक्ष में जाएंगे। वर्तमान में, चयनित चार अंतरिक्ष यात्री पुरुष हैं, वे वायु सेना से हैं और इसका कारण मुख्यतः उनका उन्नत प्रशिक्षण प्राप्तघ होना है। लेकिन आगे चलकर, वायु सेना से बाहर के अंतरिक्ष यात्रियों को भी शामिल किया जाएगा, जिनमें महिलाएँ भी होंगी। वैश्विक स्तर पर, महिलाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी रही हैं। भारत में भी, इसरो की कई परियोजनाओं का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों ने किया है, चाहे वह चंद्रयान हो, आदित्य हो या अन्य। प्रश्नः क्या गगनयान भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशनों में शामिल होने या अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा? उत्तरःभारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन नामक स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने सुदर्शन सुरक्षा चक्र का भी उल्लेख किया है, जहाँ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आज का राशिफल

मेष आज दिन बेहद उत्तम और संतोषजनक रहने वाला है। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी।

तुला आज आपको कार्यस्थल पर अपनी इच्छा के विरुद्ध कोई कार्य करना पड़ सकता है।

वृषभ आज व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक लंबे समय से आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो अब वह वापस मिल सकता है।

मिथुन दिन बेहद शुभ रहने वाला है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

धनु कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण काम को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

कर्क कारोबार के मामले दिन अच्छा रहेगा। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मकर आज समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह आज कुछ मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के मामले में नए स्रोत बनते नजर आएंगे।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। ऐसे में दिन भागदौड़ भरा रहने की संभावना है।

कन्या कार्यक्षेत्र में अपने काम को समय पर पूरा करने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी होगी।

मीन दिन मिश्रित फल प्रदान करने वाला रहेगा। आपको कुछ धन खर्च करना पड़ सकता है।

विशेष

मोदी की चीन यात्रा में नहीं दिखे विदेश मंत्री जयशंकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन की यात्रा पर थे। इस बार उनके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोमल उनके बाजू में बैठे हुए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर की गैर मौजूदगी सभी को खल रही थी।माना जा रहा है, वह मुकेश अंबानी के पक्ष में अमेरिका में लाबिंग कर रहे थे।जिसके कारण प्रधानमंत्री उन्हें अपने साथ चीन नहीं ले गए। यदि एस जयशंकर चीन साथ जाते, तो रायता बिखर सकता था। लगे हाथ प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दे दिया। रिश्ते बेहतर बनाने के लिए जो भी कीमत चुकानी पड़ेगी। लगता है, भारत कीमत चुकाने के लिए तैयार हो गया है।

हे भगवान, उत्तराखंड पर कृपा करो

उत्तराखंड देवभूमि है। पिछले कई महीनो से उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश में एक के बाद एक प्रलय आ रही है। लोगों को लग रहा है,भगवान भोलेनाथ नाराज हो गए हैं।जब नेता अपने आप को भगवान मानने लगें, ऐसी स्थिति में भगवान का नाराज होना स्वाभाविक है। भगवान ने अपनी ताकत दिखाई, उसके बाद सभी त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहे हैं नेताओं का धार्मिक पर्यटन स्थल बनाने का अहंकार भगवान को रास नहीं आया। नेताओं के अहंकार से भक्त और आम जनता पिस रही है। हिमालय में जिस तरह का तांडव नेताओं ने विकास के नाम पर मचाया है। नाराज भगवान भोलेनाथ का तांडव नृत्य शुरू हो गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1612: ईस्ट इंडिया कंपनी की नौसेना का गठन हुआ. 1698: रूस के जार पीटर ने दाढ़ी पर कर लगाने का आदेश दिया. 1763: मीर कासिम और अंग्रेजों के बीच राजमहल के निकट दयनाला में लड़ाई हुई जिसमें मीर कासिम को पराजय का मुंह देखना पड़ा. 1888: राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म. 1905: रूस जापान युद्ध समाप्त हुआ था. 1939: द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीका ने तटस्थता की घोषणा की. 1957 संपत्ति कर विधेयक पारित हुआ. 1962 आज से यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है. 1972 पश्चिम जर्मनी की पुलिस द्वारा आतंकवादियों की खिलाफ की गई कार्रवाई में 24 घंटे चली गोलीबारी में इजरायल के ग्यारह ओलंपिक एथलीट, चार फिलीस्तीनी छापामार और एक पुलिसकर्मी मारा गया.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

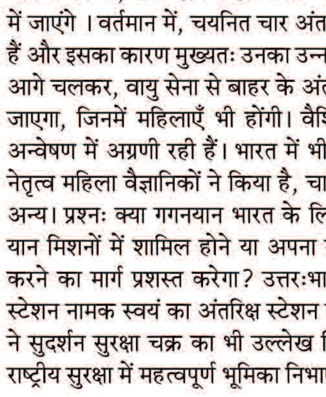

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.37 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	08.48 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.03 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.24 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.10 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.43 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.14 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.54 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.52 बजे से
10.30 से		कर्क	02.05 बजे से
12.00 बजे तक		सिंह	04.21 बजे से

2025 वर्ष का 248 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 03.14 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 23.39 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 13.53 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.46 बजे तदनन्तर तैतिल 03.14 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 48'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872458
जूलियन दिन 2460923.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 12 **विशेष** प्रदोष व्रत, ओणम, शिक्षक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से 07.23 बजे तक		रोग	05.38 से 07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक		काल	07.11 से 08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक	
काल	10.19 से 11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक		चर	02.51 से 04.23 बजे तक	
चर	04.10 से 05.38 बजे तक		रोग	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ईद मिलादुन्नबी को लेकर जिले में बढ़ायी गयी सुरक्षा

धनबाद, एजेंसी। ईद मिलादुन्नबी को लेकर जिला प्रशासन ने गुरुवार को आदेश जारी करते हुए 58 थाना ओपी क्षेत्र में विशेष सुरक्षा की व्यवस्था की है. इसे लेकर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा पत्र जारी कर बताया है कि शुक्रवार को ईद मिलादुन्नबी का पर्व है. इसमें काफी संख्या में लोग शामिल होते है और जुलूस का आयोजन होता है. इस कारण सभी स्थानों पर निगरानी रखी जायेगी. विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गयी है. सैकड़ों पुलिसकर्मियों की लगायी गयी ड्यूटी ईद मिलादुन्नबी को लेकर धनबाद थाना क्षेत्र में श्रमिक चौक के निकट पांच स्थानों पर, पूजा टॉकिज, डीआरएम चौक, मजार के पास व स्टेशन रोड में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गयी है. इसके अलावा बैंक मोड़ थाना, धनसार, बरवाअड्डा से लेकर कुल 58 थाना और ओपी क्षेत्र में पुलिस जवान व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है.

बीएनआर साइडिंग में ठेका मजदूरों ने किया चक्काजाम आंदोलन

केंदुआ, एजेंसी। न्यूनतम मजदूरी समेत अन्य मांगों को लेकर बीसीसीएल के बीएनआर साइडिंग स्थित कोल हैंडलिंग प्लांट के ठेका मजदूरों ने गुरुवार की सुबह चक्काजाम आंदोलन शुरू किया. हालांकि शाम को त्रिपक्षीय वार्ता के आश्वासन के बाद आंदोलन खत्म हो गया. इस दौरान लगभग 10 घंटे तक साइडिंग का काम ठप रहा. सुबह आंदोलन की सूचना मिलने पर कुसुंडा क्षेत्रीय महाप्रबंधक वेदप्रकाश के नेतृत्व में एरिया प्रशासनिक अधिकारी देवाशीष बाग, ऐना पीओ बीके झा, डिस्पैच ऑफिसर पीके सिंह, बस्ताकोला जीएम अनिल कुमार सिन्हा, आरओसीपी पीओ केके सिंह एवं साइडिंग इंचार्ज हरेंद्र श्रीवास्तव पहुंचे और आंदोलन खत्म कर वार्ता की अपील की, पर मजदूर नहीं माने.

बाद में केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय ने सोमवार को थाना परिसर में त्रिपक्षीय वार्ता का आश्वासन दिया. इसके बाद मजदूरों ने आंदोलन खत्म कर दिया. आंदोलन में दुखन पासवान, मानिकचंद नोनिया, अशोक पासवान, धर्मेंद्र पासवान, मोहम्मद मंसूर, धनेश्वर भुइयां, विकास राउत, जियाउद्दीन, सुरेन्द्र पासवान, कविंद्र राम, मनोहर राउत, सियाशरण यादव, मंजू देवी, गीता देवी, मुन्नी देवी, फूला देवी, श्यामपरी देवी और कृष्णा नोनिया आदि थे.

मजबूत, सशक्त व बेहतर नेतृत्वकर्ता का होगा चयन : शिल्पी नेहा तिर्की

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के नये जिलाध्यक्ष के चयन को लेकर पार्टी में मंथन जारी है. इसे लेकर गुरुवार को झारखंड की कृषि मंत्री सह प्रदेश पर्यवेक्षक शिल्पी नेहा तिर्की धनबाद पहुंची. यहां सर्किट हाउस में कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. सशक्त संगठन व सशक्त नेतृत्वकर्ता के लिए जमीनी स्तर पर रायशुमारी की जा रही है. हमारा उद्देश्य ऐसा नेतृत्व खोजना है, जो न केवल संगठन को मजबूत कर सके, बल्कि आम जनता के मुद्दों को लेकर हर परिस्थिति में संघर्ष करने वाला हो.

इसके लिए पहली बार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर प्रखंड, मंडल और ग्राम पंचायत स्तर के संगठन पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों और वरिष्ठ नेताओं से रायशुमारी की जा रही है, ताकि जिलाध्यक्ष के रूप में एक मजबूत, सशक्त व बेहतर नेतृत्वकर्ता का चयन हो सके. उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्ष का चयन पार्टी के कार्यकर्ताओं की राय और क्षेत्रीय आवश्यकता के आधार पर किया जायेगा. ताकि संगठन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके. चयन की प्रक्रिया में पारदर्शिता व पार्टी के हर कार्यकर्ता को अपनी आवाज उठाने का पूरा अवसर मिलेगा. मौके पर जिलाध्यक्ष संतोष सिंह, राशिद रजा अंसारी, नवनीत नीरज, योगेंद्र सिंह योगी, राजेश्वर सिंह यादव, पप्पू तिवारी आदि थे.

खालसा होटल बमकांड में मेजर व विकास सिंह बरी

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के खालसा होटल में हुए बमकांड मामले में गुरुवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय राकेश कुमार की अदालत ने फैसला सुनाया. अदालत ने विकास सिंह व जेल में बंद मेजर उर्फ नसीम अंसारी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया. विकास सिंह की ओर से वरीय अधिवक्ता जया कुमार व अधिवक्ता आयुष सिन्हा ने पैरवी की.प्राथमिकी खालसा होटल रतनपुर जीटी रोड गोविंदपुर के संचालक गुरुचरण सिंह ने गोविंदपुर थाना में दर्ज कराई थी. इसके मुताबिक 11.9.2023 को सुबह 7:42 बजे उनका छोटा पुत्र तरणजीत सिंह होटल के काउंटर में था. इस दौरान काले रंग की बाइक पर सवार होकर दो युवक आये और होटल के काउंटर पर बम फेंका, जो नहीं फटा. इसके बाद उन्होंने दूसरा बम फेंका, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ.

राज्य चलाने की क्षमता नहीं तो गद्दी छोड़ दे हेमंत सरकार : राधामोहन अग्रवाल

रांची, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद डॉ राधामोहन अग्रवाल झारखंड दौरे पर हैं. रांची में मीडिया के साथ बात करते हुए उन्होंने प्रदेश की हेमंत सरकार को जमकर निशाने पर लिया.

बीजेपी सांसद ने कहा है कि एक तरफ 50 हजार करोड़ का घाटा सहकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को अपने वादों के अनुरूप जीएसटी दरों में भारी कटौती कर राहत दिया है. वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार अपने दो हजार करोड़ का घाटा का रोना रोते हुए इसका विरोध कर रही है.

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद डॉ राधामोहन अग्रवाल ने आगे कहा कि अगर राज्य सरकार राज्य की जनता को सुविधा से वंचित रखना चाहती है तो ऐसी सरकार को गद्दी छोड़ देना चाहिए. प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार जनता के हित के लिए बनती है. यहां तो राज्य सरकार के बयानों से लगता है कि यह सरकार जनता का हित नहीं देखना चाहती.

राज्य सरकार को तो जनता की भलाई के लिए उठाए गए कदम का स्वागत करना चाहिए, था लेकिन अपनी सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और नाकामियों को छुपाने के लिए राज्य सरकार पैसे का रोना रोती है. भाजपा सरकार ने तो कभी पैसे की कमी का रोना नहीं रोया. आज दुनिया का औसत विकास दर मात्र 3 प्रतिशत है तो भारत का विकास दर पिछले तिमाही में 7.8 प्रतिशत रहा है.

जीएसटी में बदलाव से केंद्र को 50 हजार करोड़ की राजस्व क्षति: भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद डॉ राधामोहन अग्रवाल ने जीएसटी में हुए बदलाव की सराहना करते हुए कहा कि इससे सामान सस्ते होंगे और बाजार मजबूत होगा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बार के बजट में 12 लाख तक की आय पर टैक्स जीरो कर दिया है, जिससे भारत सरकार को तीन लाख करोड़ रुपए की आय घटी और अब जीएसटी में स्लैब घटाया तो 50 हजार करोड़ रुपए का राजस्व क्षति होगा.

उन्होंने देश के 144 करोड़ जनता के हित में मोदी सरकार द्वारा लिए गए इस एतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि देश की जनता को यह मोदी सरकार की ओर से त्योहारों के लिए बड़ा तोहफा है. जीएसटी दरों में परिवर्तन से आम जनता से जुड़ी दैनिक आवश्यकता की वस्तुओं के दाम में भारी कमी होगी. अब जीएसटी की दरें दो कर दी गई जिसमें 5 प्रतिशत और 18प्रतिशत शामिल है जबकि विलासिता की वस्तुओं पर 40प्रतिशत का स्लैब किया गया है.

सांसद विधायकों के साथ हुई सेवा पखवाड़ा को लेकर बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को भव्य बनाने में जुटी प्रदेश भाजपा ने इसकी तैयारियों को लेकर मैराथन बैठक की. आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होनेवाले सेवा पखवाड़ा को लेकर आयोजित इस बैठक सह कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद डॉ राधामोहन अग्रवाल शामिल हुए.

इस बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री एवं कार्यक्रम के झारखंड प्रभारी सांसद डॉ राधामोहन अग्रवाल ने कहा कि आगामी 17 सितंबर से 2अक्टूबर तक का पखवाड़ा भारत के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पखवाड़ा है. आगामी 17 सितंबर को विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन है. साथ ही 25 सितंबर को अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है और फिर 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की जयंती है. उन्होंने कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि इस पखवाड़े में जन्म लेने वाले सभी महापुरुष अंत्योदय के पथिक हैं जिन्होंने गांव, गरीब, किसान, जवान की सेवा में अपना जीवन न्यौछावर किया. भाजपा इस पखवाड़ा को सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाते हुए अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है. प्रदेश भाजपा कार्यालय में दिनभर चली इस बैठक की दूसरी पाली में सांसद, विधायकों एवं पूर्व के जन प्रतिनिधियों ने अपने अपने विचार रखे. इस मौके पर राष्ट्रीय महामंत्री राधामोहन अग्रवाल ने संबोधित करते हुए नेताओं से अपने अपने क्षेत्रों में जन भागीदारी के साथ कार्यक्रम को संपन्न कराने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि गांधी, शास्त्री और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पद चिन्हों पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद को गांव गरीब किसान की सेवा केलिए समर्पित किया है. अपनी सरकार के पहले दिन से पीएम मोदी ने सभी निर्णय अंत्योदय को साकार करने की दिशा में लिया है. आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन चुका है.जल्द ही भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा.

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सेवा पखवाड़े के कार्यक्रम को हम सभी को मिलकर धरातल पर उतरना है. उन्होंने राज्य के कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में रिकॉर्ड स्तर पर जन भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि ब्लड डोनेशन कार्यक्रम में पार्टी ने पिछले वर्ष भी रिकॉर्ड तोड़ा था जिसकी पुनर्रावृति इस वर्ष भी करनी है. इस मौके पर डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि सेवा पखवाड़ा जनता जनार्दन से सीधा संवाद का अवसर है. हम अपनी नीतियों, कार्यक्रमों विचारों को लेकर जन जन तक जाएं. प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि आगामी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित होंगे साथ ही बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा.

इसके अतिरिक्त प्रदेश भर में स्वास्थ्य शिविर प्रबुद्ध जन सम्मेलन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चित्र प्रदर्शिनी, प्रबुद्ध जन सम्मेलन, मंडल स्तर पर रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, विशिष्ट जन सम्मान कार्यक्रम, चित्रकला प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा इस बार एतिहासिक होगा जिसमें पार्टी ने कई कार्यक्रम निर्धारित किया है.

मुखिया की सूचना पर तस्करों का भंडाफोड़, 19 पशुओं को किया गया जब्त

बरवाडीह (लातेहार), एजेंसी। बरवाडीह थाना क्षेत्र के सरईडीह-पोखरी मार्ग से बीती देर शाम तस्करी के लिए ले जा रहे 19 पशुओं को केचकी मुखिया बुद्धेश्वर सिंह की सूचना पर जब्त करने में बरवाडीह पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। इसबारे में थाना प्रभारी अनूप कुमार ने बताया कि केचकी मुखिया बुद्धेश्वर ने उन्हें मोबाईल पर कुछ पेशेवर पशु-तस्करों द्वारा सरईडीह-केचकी मार्ग पर अवैध रूप से करीब एक सौ की संख्या में पशुओं को ले जाने की सूचना दी थी।

इसी के आधार पर पुलिस ने बीती शाम पोखरी कर्बला के पास से कुल 19 पशुओं को पोखरी पंचायत के उप मुखिया सुल्तान अहमद और पूर्व जिप सदस्य अब्दुल मन्नान अंसारी की मौजूदगी में जब्त किया है। वहीं थाना प्रभारी ने अन्य पशुओं के अंधेरे में भाग जाने की बात कही गई।

जब्त पशुओं को पशु चिकित्सक डॉ सुरेश कुमार और एआई कर्मी विवेक कुमार द्वारा स्वास्थ्य जांच कराने के बाद पोखरीकला के हुसैन अंसारी को जिम्मेनामा पर सौंप दिए जाने की बात बताई।

इधर पशु के कारोबारी ग्राम चांदो थाना चैनपुर (पलामू) के साजिद अंसारी और तीन अन्य ने मुखिया पर 20 हजार रु रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है कहा नहीं देने पर पुलिस से पकड़वा देंगे।

वहीं, जब्त किए सभी पशु चांदो के कारोबारी नूर मोहम्मद के होने की बात बताते उसे सतबरवा के साप्ताहिक बाजार में बेचने के लिए ले जाने की बात बताई। इधर मुखिया बुद्धेश्वर सिंह ने अपने ऊपर रंगदारी मांगने के संबंधी लगाए आरोप को पशु-तस्करों का सुनियोजित साजिश बताया है।

मालूम हो कि इसके पूर्व भी बरवाडीह पुलिस को केचकी फॉरेस्ट चेकपोस्ट और बेतला के तुरी टोला से तस्करी के पशुओं को जब्त करने में कई बार कामयाबी मिली है।

'सरकार एनडीए की, लेकिन सिस्टम कांग्रेस का', जीएसटी दर कम होने के बाद बोले कांग्रेस प्रवक्ता

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सोनाल शांति ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि आठ साल तक जीएसटी से कमाई करने वाली सरकार की आंखों की रोशनी अब जाकर लौटी है। देश में सरकार एनडीए की है लेकिन सिस्टम कांग्रेस का चल रहा है।

दूध, दही, पेंसिल, किताबें, कृषि उपकरणों, जीवन रक्षक दवाओं, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी लगाकर कमाई करने वाली अंधी सरकार की आंखों की रोशनी 8 वर्षों बाद लौटी और उन्हें आम आदमी की तकलीफ दिखाई दी।

सोनाल शांति ने कहा कि मोदी सरकार की जीएसटी नीति का राहुल गांधी ने 2016 में विरोध किया था, कांग्रेस इस मुद्दे पर मुखर रही थी। जीएसटी से आम उपभोक्ताओं, किसानों, छात्रों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव का पूरा विश्लेषण सरकार के समक्ष रखा था लेकिन हठधर्मी मोदी सरकार ने लोगों की परेशानियों को दरकिनार कर औद्योगिक समूहों को लाभ पहुंचाने की नीयत से बेतुका स्लैब जारी रखा।

अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने दो प्रमुख नीतियों जातिगत जनगणना और जीएसटी स्लैब में संशोधन का निर्णय लेकर बता दिया कि कांग्रेस की नीतियां जनहित की है और भाजपा की जनविरोधी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश में सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाता रहा है। सरकार की नीतियों से जनता पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को तथ्यों के साथ पार्टी देश के समक्ष रखती है।

लेकिन सत्ता के अहंकार में मोदी सरकार ने अर्थशास्त्रियों के सुझावों को भी नजरअंदाज कर दिया था। आज इसका नतीजा सामने है कि खुद की सरकार द्वारा लागू किए गए फैसले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पलटना पड़ रहा है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए 70 लोगों ने पेश की दावेदारी, आबीसी नेता की लग सकती है लॉटरी

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के नए जिला अध्यक्ष की चयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इसे लेकर गुरुवार को बिष्टुपुर तिलक पुस्तकालय में जिला प्रभारी अनंत पटेल व बलजीत सिंह वेदी की मौजूदगी में बैठक हुई। इसमें सभी वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

टिमकेन वर्कर्स यूनियन के महामंत्री विजय यादव, प्रदेश महासचिव राकेश साहू, जिप सदस्य डॉ. परितोष, धर्मेंद्र सोनकर, प्रिंस सिंह, विजय यादव, ज्योति मिश्रा, अवधेश सिंह, प्रमोद साव, कामेश्वर प्रसाद, मनोज साहू, रंजीत साहू, आयुष गुप्ता, अशोक साहू, गौतम गुप्ता समेत तकरीबन 70 लोगों ने अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है।

राकेश साहू ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से एक ही जाति के लोगों को जिलाध्यक्ष बनाया जा रहा है। इससे आम लोगों में गलत संदेश जा रहा है।

इधर, पारितोष का कहना है कि वे 25 वर्षों से पार्टी की सेवा, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव व वर्तमान में प्रदेश सचिव के तौर पर अपने लंबे संगठनात्मक अनुभव के साथ साथ चुनावी राजनीति में माहिर भी है।

इस जिला में करीबन 22 से 23 लाख मतदाता है उसमें से 9 लाख ओबीसी समाज के लोग हैं। इसलिए इस बार ओबीसी जाति को मौका मिलना चाहिए।

इस बार भाजपा को पराजित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा ओबीसी चेहरे को पार्टी में पदाधिकारी बनाएं। उनके आगमन से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह और उमंग का माहौल देखा गया।

एचईसी में थर्मल पावर प्लांट उपकरण निर्माण की तैयारी, कर्मचारियों में उत्साह

रांची, एजेंसी। हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) एक बार फिर औद्योगिक हलचल का केंद्र बनने जा रहा है. आने वाले दिनों में यहां थर्मल पावर प्लांट के लिए उपकरण का निर्माण होगा. यह पहला मौका होगा जब एचईसी इस तरह की परियोजना पर काम करेगा. इस कदम से न केवल संस्थान की साख मजबूत होगी बल्कि कर्मचारियों और स्थानीय युवाओं के लिए भी नए अवसर खुलेंगे.

एचईसी प्रबंधन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, भेल के सीएमडी सह एचईसी के प्रभारी ने अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया है. बताया गया है कि एचईसी की खासियत यह है कि यहां कास्टिंग, फोर्जिंग और मशीनिंग जैसी सुविधाएं एक ही जगह मौजूद हैं. यही वजह है कि थर्मल पावर प्लांट से जुड़े बड़े उपकरण यहां आसानी से बनाए जा सकते हैं.

इस नई पहल ने कर्मचारियों में उत्साह बढ़ा दिया है. लंबे समय से काम की कमी झेल रहे एचईसी कर्मियों को उम्मीद है कि अब उन्हें लगातार प्रोजेक्ट मिलते रहेंगे.

एचईसी मजदूर यूनियन के नेता मनोज पाठक ने कहा कि हमें इस बात की आधिकारिक जानकारी मिली है कि थर्मल पावर प्लांट के लिए उपकरण निर्माण एचईसी में ही होगा. यह न सिर्फ उद्योग जगत के लिए बड़ी उपलब्धि है बल्कि कर्मचारियों के लिए भी फायदे का सौदा साबित होगा. इससे मजदूरों को काम का बेहतर अवसर मिलेगा और एचईसी के पुनरुत्थान में भी यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा. एचईसी के एमटीपीआई प्लांट में उपकरण निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. प्लांट स्तर पर अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं. कई पुरानी मशीनों को री-मॉडिफिकेशन कर तैयार किया जा रहा है, जिन पर 10 से 50 लाख रुपये तक खर्च किए जाने की संभावना है. विशेषज्ञों का मानना है कि इन तकनीकी सुधारों के बाद एचईसी देश के भीतर भारी मशीनरी निर्माण की एक बड़ी जरूरत को पूरा करने में सक्षम होगी. एचईसी देश की उन चुनिंदा इकाइयों में से है, जिसने पिछले छह दशकों में कई अहम परियोजनाओं में अपनी भूमिका निभाई है. अंतरिक्ष अनुसंधान, स्टील अथॉरिटी और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों के लिए यहां से मशीन और उपकरण बनाए जाते रहे हैं. अब थर्मल पावर उपकरण निर्माण की पहल से इसकी औद्योगिक प्रासंगिकता और भी बढ़ जाएगी.

मनोहरटांड में आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत, गांव में पसरा मातम

बलियापुर-सिंदरी, एजेंसी। मनोहरटांड चौक के समीप गुरुवार की शाम बारिश के दौरान ठनका गिरने से दो युवकों की मौत हो गई।

बताया जाता है कि दोपहर करीब 3:30 बजे बारिश के दौरान 26 वर्षीय उत्तम मलिक व 20 वर्षीय रोहित महतो हीरक रोड के समीप बजरंगबली मंदिर के पास खड़े थे। इस दौरान आसमानी बिजली गिरी और दोनों वहीं गिर पड़े।

लोगों ने तत्काल दोनों को उठाकर बलियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां डॉक्टर ने दोनों को शहीद निर्मल महतो मेमोरियल अस्पताल रेफर कर दिया।

अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टर ने जांच के पश्चात दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों मृत युवक मनोहरटांड के रहने वाले थे। दोनों एक साथ हीरक रोड की ओर घूमने गए थे। मृतक उत्तम मलिक रंजीत मलिक का पुत्र था। उनके परिवार में उनकी पत्नी कविता देवी व दो छोटे-छोटे पुत्र है। वहीं, मृतक रोहित महतो लगन महतो का पुत्र था। वह तीन भाइयों में सबसे बड़ा व अविवाहित था।

रांची के लालपुर में दो गुटों के बीच भीषण झड़प, करम पूजा समिति के अध्यक्ष को पीटा, इलाके में तनाव

रांची, एजेंसी। शहर में लालपुर थाना क्षेत्र स्थित काली मंदिर रोड गुरुवार रात दो गुटों के बीच मामूली विवाद ने अचानक उग्र रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते मामला हाथापाई से मारपीट में बदल गया।

घटना के बाद इलाके में देर रात तक तनाव का माहौल बना रहा और सैकड़ों लोग सड़कों पर डटे रहे। पुलिस के अनुसार वर्दमान कम्पाउंड में रहने वाले कुछ युवक इलाके में सामान लेने आए थे।

गाड़ी खड़ी करने को लेकर उनकी पहले से मौजूद कुछ लोगों से कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि मौके पर ही मारपीट शुरू हो गई।

झगड़े की सूचना मिलते ही करम पूजा समिति के अध्यक्ष प्रवीण मौके पर पहुंचे। प्रवीण के पहुंचते ही मामला और गर्म हो गया। आरोप है कि कुछ युवकों ने उन्हें घेरकर बुरी तरह पीट दिया। इसके बाद प्रवीण ने अपने मोहल्ले और समिति के लोगों को बुलाया। कुछ ही देर में सैकड़ों की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए, लेकिन इस बीच हमला करने वाले युवक भाग निकले।

घटना के बाद प्रवीण समर्थकों ने दावा किया कि हमलावर युवक विजय अग्रवाल के घर से संबंधित हैं। इसके बाद आक्रोशित लोग विजय अग्रवाल के घर के बाहर जमा हो गए और उन्हें बाहर बुलाने की मांग करने लगे। जब घरवाले बाहर नहीं निकले तो लोग सड़क पर ही बैठ गए। विजय अग्रवाल के घर के पास तोड़फोड़ कर दिया गया।

घटनास्थल पर पुलिस पहले से मौजूद थी लेकिन सैकड़ों की भीड़ के आगे वह मूकदर्शक बनी रही। भीड़ का गुस्सा इस कदर था कि पुलिसकर्मियों से तीखी बहस तक हो गई।

धनबाद-नई दिल्ली के बीच चलने वाली पूजा स्पेशल ट्रेन को मिला नया स्टॉपेज, यात्रियों को मिली बड़ी राहत

गिरिडीह/धनबाद/बोकारो, एजेंसी। पर्व-त्योहार के मद्देनजर रेलवे ने धनबाद से नई दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन का परिचालन शुरू किया गया। इसे लेकर धनबाद वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक मोहम्मद इकबाल के प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी।

बताया गया कि ट्रेन नंबर 04456 नई दिल्ली धनबाद स्पेशल का परिचालन प्रतिदिन 20 सितंबर से 30 नंबर तक और ट्रेन नंबर 04455 धनबाद नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन का परिचालन 22 सितंबर से 02 दिसंबर तक होगा। इसमें 10 स्लीपर डिब्बे और छह साधारण डिब्बे रहेंगे।

इस ट्रेन का ठहराव रात्रि के 12:30 बजे डाउन में और अप में सुबह 05:18 में हजारीबाग रोड स्टेशन पर होगा। इस पूजा स्पेशल ट्रेन ठहराव की जानकारी मिलने के बाद सरिया वासियों में खुशी की लहर है। लोगों ने रेलवे से इस रूट में चलने वाली अन्य नियमित ट्रेनों का ठहराव की मांग की है।

धनबाद-पटना व पटना-धनबाद गंगा-दामोदर एक्सप्रेस, पूर्णिया कोर्ट-हटिया व हटिया-पूर्णिया कोर्ट कोशी एक्सप्रेस, रांची-पटना व पटना-रांची जनशताब्दी एक्सप्रेस, इस्लामपुर-हटिया व हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस, पटना-बरकाकाना व बरकाकाना-पटना पलामू एक्सप्रेस, सिंगरौली-पटना पटना-सिंगरौली एक्सप्रेस के अलावे 07255 चर्लपल्ली-पटना व /07256 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल एवं 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल भी पुनपुन घाट हाल्ट पर रुकेगी।

इसके साथ ही छह से 21 सितंबर तक धनबाद-सासाराम इंटरसिटी व सासाराम-धनबाद इंटरसिटी एवं आसनसोल-वाराणसी व वाराणसी-आसनसोल मेमू का ठहराव अनुग्रह नारायण रोड और चिरैला पौथू के बीच स्थित अनुग्रह नारायण स्नान घाट पर होगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता नवीन कुमार ने गुरुवार को बोकारो रेलवे क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन्होंने विद्युत लोको शेड, इस्पात नगर का निरीक्षण किया। भारतीय रेलवे मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता से मुलाकात कर इस्पात नगर विद्युत लोको शेड से संबंधित कई समस्याओं की जानकारी दी।

साथ ही उन्होंने इस्पात नगर विद्युत लोको शेड में कर्मचारी व सुपरवाइजर की भारी कमी पर ध्यानाकर्षण किया गया। इसके बाद पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता व मंडल विद्युत अभियंता की उपस्थिति में एक ज्ञापन भी सौंपा।

प्रतिनिधि मंडल ने यथाशीघ्र स्टाफ व सुपरवाइजर की कमी को दूर करने का आग्रह किया गया। सभी बातों को सुनने के बाद प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता ने मांगों पर सकारात्मक पहल करने की बात कही।

अनंत चतुर्दशी क्यों मनाते हैं ये शुभ दिन

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की 14वीं तिथि को प्रतिवर्ष मनाई जाने वाली अनंत चतुर्दशी, भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के साथ ही गणेश विसर्जन के साथ ही मनाई जाती है.

शास्त्रों के अनुसार अनंत चतुर्दशी को एक शुभ दिन माना जाता है. इस दिन जो लोग व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, उन्हें अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है. भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की 14वीं तिथि को प्रतिवर्ष मनाई जाने वाली अनंत चतुर्दशी, भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के साथ ही गणेश विसर्जन के साथ ही मनाई जाती है.

अनंत चतुर्दशी तिथि

अनंत चतुर्दशी तिथि का आरंभ 6 सितंबर को सुबह 3 बजकर 14 मिनट पर आरंभ होगी और 7 सितंबर को मध्यरात्रि 1 बजकर 41 मिनट पर समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, उदय तिथि के हिसाब से 6 सितंबर को ही अनंत चतुर्दशी का पर्व मनाया जाएगा।

अनंत चतुर्दशी का महत्व

अनंत चतुर्दशी आध्यात्मिक साधना के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है. शास्त्रों के अनुसार, इस दिन अपनी पढ़ाई शुरू करने वाले छात्रों को अपने विषयों का गहन ज्ञान प्राप्त होता है. धन की चाह रखने वालों को समृद्धि प्राप्त होगी और ईश्वरीय निकटता की इच्छा रखने वाले भक्तों को अनंत ईश्वरीय उपस्थिति का आशीर्वाद मिलेगा.

व्रत रखने के लाभ

प्राचीन किंवदंतियों के अनुसार, अपने वनवास के दौरान, पांडवों ने द्रौपदी के साथ, अपने कष्टों को दूर करने और अपने खोए हुए राज्य और समृद्धि को पुनः प्राप्त करने के लिए अनंत व्रत (व्रत) का पालन करने की सलाह दी थी. माना जाता है कि इस व्रत का पालन करने से व्यक्ति की इच्छाओं के अनुसार स्थायी फल मिलता है. अनंत चतुर्दशी पर, भक्त अनंत सूत्र बांधते हैं, जिसे भगवान विष्णु की उपस्थिति का प्रतीक माना जाता है. अनंत सूत्र में 14 गांठें होनी चाहिए, जो 14 लोकों का प्रतीक हैं. यह व्रत भौतिक सफलता और आध्यात्मिक मुक्ति दोनों प्राप्त करने का एक उत्कृष्ट साधन माना जाता है. विशेष लाभों के लिए, चौदह वर्षों तक लगातार व्रत रखने का सुझाव दिया जाता है.

विधिवत रूप से करें गणेश प्रतिमा का विसर्जन

अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा की मूर्ति का विसर्जन बहुत ही प्रचलित व लोकप्रिय है. इस दिन लोग बड़ी धूमधाम और गाजे-बाजे के साथ बप्पा की मूर्ति का विसर्जन करते हैं और फिर से बप्पा के घर आने की प्रार्थना करते हैं. भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश उत्सव की शुरुआत होती है. यह उत्सव भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि तक चलता है. इस दौरान बप्पा 10 दिनों के लिए सभी के घरों में विराजते हैं.

प्रकृति को लौटाना पड़ेगा

गणेश जी को मूर्त रूप में आने के लिए मिट्टी का सहारा लेना पड़ता है, मिट्टी प्रकृति की देन है लेकिन जब गणेश जी पानी में विलीन होते हैं तो मिट्टी फिर प्रकृति में ही मिल जाती है। मतलब ये कि जो लिया है उसे लौटाना ही पड़ेगा, खाली हाथ आये थे और खाली हाथ ही जाना पड़ेगा।

ईश्वर को आकार देते हैं

ये धर्म और विश्वास की बात है कि हम गणेश जी को आकार देते हैं लेकिन ऊपर वाला तो निराकार है और सब जगह व्याप्त है लेकिन आकार को समाप्त होना पड़ता है इसलिए 'विसर्जन' होता है। 'विसर्जन ये सिखाता है कि इंसान को अगला जन्म पाने के लिए इस जन्म का त्याग करना पड़ेगा। गणेश जी की मूर्ति बनती है, उसकी पूजा होती है लेकिन फिर उन्हें अगले साल आने के लिए इस साल विसर्जित होना पड़ता है। जीवन भी यही है, अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कीजिये और समय समाप्त होने पर अगले जन्म के लिए इस जन्म को छोड़ दीजिये।

मोह-माया को त्यागो

'विसर्जन' ये सिखाता है कि सांसरिक वस्तुओं से इंसान को मोह नहीं होना चाहिए क्योंकि इसे एक दिन छोड़ना पड़ेगा। गणेश जी घर में आते हैं, उनकी पूजा होती है और उसके बाद मोह-माया बिखेरकर वो हमसे विदा हो जाते हैं ठीक उसी तरह जीवन भी है, इसे एक दिन छोड़कर जाना होगा इसलिए इसके मोह-पाश में इंसान को नहीं फंसना चाहिए।

गणेश विसर्जन की पूजा विधि

गणपति जी के विसर्जन से पहले गणेश जी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। पूजा के दौरान गणेश जी को लाल चन्दन, लाल फूल, दूर्वा, मोदक, पान, सुपारी, धूप-दीप आदि अर्पित करें। परिवार सहित गणपति की आरती करें। इस दिन हवन करना भी बहुत शुभ माना जाता है। विसर्जन से पहले गणेश जी के हाथ में लड्डू की पोटली दे सकते हैं। अंत में अपनी गलतियों के लिए गणेश जी से क्षमा याचना करें और उनके जल्दी वापस आने की कामना करें। इसके बाद बप्पा की मूर्ति को धूमधाम से विसर्जित करें।

कैसे करें विसर्जन

श्री गणेश विसर्जन से पूर्व स्थापित श्री गणेश प्रतिमा का संकल्प मंत्र के बाद षोड़शोपचार पूजन-आरती करना चाहिए। गणेश जी की मूर्ति पर सिंदूर चढ़ाएं। मंत्र बोलते हुए 21 दूर्वा-दल चढ़ाएं। 21 लड्डुओं का भोग लगाएं। इनमें से 5 लड्डू मूर्ति के पास चढ़ाएं और 5 ब्राह्मण को प्रदान कर दें। शेष लड्डू प्रसाद के रूप में बांट दें। पूजन के समय यह मंत्र बोलें- ऊँ गं गणपतये नमः
दूर्वा-दल चढ़ाते समय यह मंत्र बोलें- श्री गणेश को 21 दूर्वा-दल चढ़ाई जाती है। दो दूर्वा-दल नीचे लिखे नाम मंत्रों के साथ चढ़ाएं।

- ऊँ गणाधिपाय नमः
- ऊँ उमापुत्राय नमः
- ऊँ विघ्ननाशनाय नमः
- ऊँ विनायकाय नमः
- ऊँ ईशपुत्राय नमः
- ऊँ सर्वसिद्धप्रदाय नमः
- ऊँ एकदन्ताय नमः
- ऊँ इभवक्त्राय नमः
- ऊँ मूषकवाहनाय नमः
- ऊँ कुमारगुरवे नमः

इसके बाद श्री गणेश की आरती करें और विसर्जन स्थल पर ले जाकर पुनः एक बार आरती करें एवं श्री गणेश की प्रतिमा जल में विसर्जित कर दें और यह मंत्र बोलें-

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय मामकीम।
इष्टकामसमृद्धयर्थं पुनर्अपि पुनरागमनाय च।।

अनंत चतुर्दशी पर करें ये अचूक उपाय, हर समस्या से मिलेगा छुटकारा

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि इस वर्ष अनंत चतुर्दशी की तिथि 6 सितंबर 2025 को सुबह 3.12 बजे से आरंभ होगी और इसका समापन 7 सितंबर 2025 को रात 1.41 बजे होगा. इसी अवधि में व्रत और पूजा का आयोजन करना शुभ माना जाएगा.

इस दिन जरूर करें ये काम

अनंत चतुर्दशी पर अनंत सूत्र बांधना काफी शुभ होता है। इस दिन विधिवत पूजा-अर्चना करने के बाद इस सूत्र को कलाई पर जरूर बांधना चाहिए। इस सूत्र में 14 गांठ होती है। ऐसा करने से व्यक्ति को कई प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। माना जाता है कि इस सूत्र को बांधने से व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि आती है और कई तरह की समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है।

बुरी नजर से मिलता है छुटकारा

अगर आपके घर किसी को बुरी नजर लग गई है, तो इसके लिए आप अनंत चतुर्दशी पर ये उपाय जरूर करें। इसके लिए अनंत चतुर्दशी के दिन आपको एक कलश में 14 लौंग और कपूर को जलाना है। इसके बाद इस कलश को एक चौराहे पर रख दें। घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए को इस दिन 14 जायफल लेकर किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करें। ऐसा करने से आपको बुरी नजर से राहत मिल जाती है।

मुसीबतों से मुक्ति

अनंत चतुर्दशी के दिन सत्यनारायण भगवान की पूजा करने से समस्त दुखों से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन पूजा के दौरान एक लड्डू में 14 लौंग लगाकर सत्यनारायण भगवान को अर्पित करना चाहिए और पूजा के बाद इसे किसी चौराहे पर रख देना चाहिए। ऐसा करने से आपको तमाम मुसीबतों से छुटकारा मिल सकता है।

क्या है चतुर्दशी के अनंत धागे में बंधी 14 गांठ का राज

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत रखा जाता है। यह भगवान गणेश के विसर्जन का दिन भी होता है जिसका हिंदू धर्म में बड़ा महत्व है। इसे अनंत चौदस के नाम से भी जाना जाता है। भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की इस चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठ होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता। हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर कोई भी पवित्र विष्णु मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठ हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं। अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है। कृष्ण का कथन है कि 'अनंत' उनके रूपों का एक रूप है और वे काल हैं जिसे अनंत कहा जाता है। अनंत व्रत चंदन, धूप, पुष्प, नैवेद्य के उपचारों के साथ किया जाता है। इस व्रत के विषय में कहा जाता है कि यह व्रत 14 वर्षों तक किया जाए, तो व्रती विष्णु लोक की प्राप्ति कर सकता है। इस दिन भगवान विष्णु की कथा होती है। इसमें उदय तिथि ली जाती है। पूर्णिमा का सहयोग होने से इसका बल बढ़ जाता है। यदि मध्याह्न तक चतुर्दशी हो तो ज्यादा बेहतर है। जैसा इस व्रत के नाम से प्रतीत होता है कि यह दिन उस अंत न होने वाले सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा की भक्ति का दिन है। इस व्रत की पूजा दोपहर में की जाती है।

राशिनुसार बांधें अनंत की डोरी हर कामना होगी पूरी

अनंत चतुर्दशी का दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा के लिए खास माना गया है। इस शुभ अवसर पर अगर आप उन्हें अपनी राशि के रंग की डोरी बांधेंगे तो निश्चित ही आपको जीवन में यश, सुख, आरोग्य और सफलता मिलेगी तथा आपके सारे सपने पूरे होंगे।

मेष एवं वृश्चिक राशि- सफेद रंग की अनंत (डोरी) बांधें।
वृषभ, कर्क एवं तुला राशि- सफेद रंग की अनंत (डोरी) बांधें।
मिथुन एवं कन्या राशि- हरे रंग की अनंत (डोरी) बांधें।
सिंह राशि- गुलाबी रंग की अनंत (डोरी) बांधें।
मकर एवं कुंभ राशि- काले रंग का अनंत बांधें।
धनु एवं मीन राशि- पीले रंग की अनंत (डोरी) बांधें।

कब से होगी पितृ पक्ष की शुरुआत?

तिथि, पितृ तर्पण और श्राद्ध के नियम

पितृ पक्ष का समय बेहद खास माना गया है। यह पितरों को समर्पित है। ऐसा कहते हैं कि इस दौरान पितरों का तर्पण करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद परिवार पर बना रहता है।

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह 15-16 दिन की अवधि होती है, जब पितरों यानी पूर्वजों की आत्मा की शांति और मुक्ति के लिए श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। इस दौरान लोग अपने पितरों को याद कर उनका आशीर्वाद लेते हैं। माना जाता है कि इस अवधि में पितृ धरती लोक पर आते हैं और सभी के कष्टों को दूर करते हैं।
वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि 07 सितंबर को देर रात 01 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 07 सितंबर को ही रात 11 बजकर 38 मिनट पर होगा। ऐसे में दिन रविवार, 07 सितंबर 2025 के दिन से ही पितृ पक्ष की शुरुआत होने जा रही है। इसके साथ ही इसकी समाप्ति सर्व पितृ अमावस्या यानी 21 सितंबर 2025 को होगी।

पितृ तर्पण और श्राद्ध के नियम

सही तिथि - श्राद्ध हमेशा पितरों की मृत्यु तिथि पर ही किया जाता है। अगर आपको अपने पितरों की मृत्यु की तिथि याद न हो तो सर्व पितृ अमावस्या पर श्राद्ध कर्म कर सकते हैं।
ब्राह्मण भोजन - श्राद्ध के दिन ब्राह्मणों को भोजन कराना और दान-दक्षिणा देना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।
तर्पण - पितृ पक्ष में प्रतिदिन जल, तिल और कुशा से पितरों का तर्पण किया जाता है। तर्पण करते समय उनका नाम लेकर जल अर्पित किया जाता है।
पवित्रता - इस दौरान घर में सात्विक भोजन ही बनाना चाहिए और मांस, मदिरा, व किसी भी तरह के तामसिक भोजन से बचना चाहिए।
दान - पितृ पक्ष में जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और अन्य आवश्यक चीजों का दान करना चाहिए। इससे पितरों की आत्मा को तृप्ति मिलती है।
पवित्र स्थान - श्राद्ध कर्म किसी पवित्र स्थान, जैसे गंगा घाट आदि पर करना अधिक फलदायी माना जाता है।

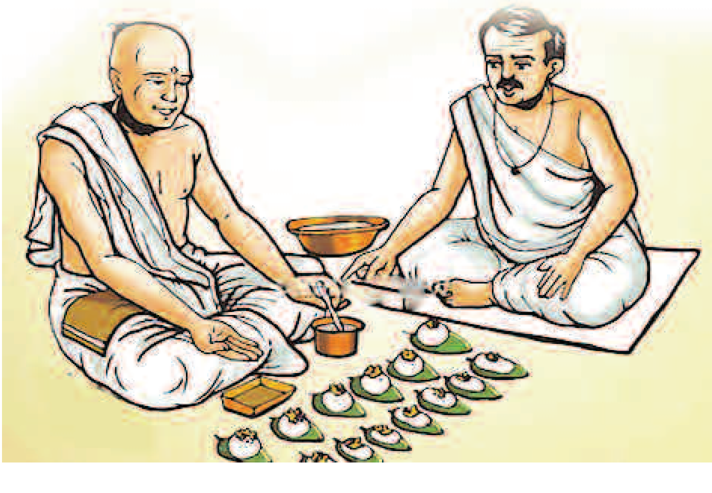

एक्सिस बैंक की याचिका स्वीकार, सरवणा गोल्ड पैलेस की 70 करोड़ रुपये की संपत्ति बैंक की हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। सरवणा गोल्ड पैलेस मामले में एक्सिस बैंक को बड़ी राहत मिली है। दरअसल पीएमएलए कोर्ट ने एक्सिस बैंक की याचिका स्वीकार करते हुए 70 करोड़ रुपये की जब्त संपत्ति बैंक को सौंपने का आदेश दिया है। सरवणा गोल्ड पर आरोप है कि उसने फर्जी दस्तावेजों के जरिए एक्सिस बैंक से करीब 118 करोड़ रुपये का कर्ज लिया। ईडी इस मामले में धन शोधन के कोण से जांच कर रही है। ईडी ने जब्त की थी करोड़ों रुपये की संपत्ति कर्ज में हेराफेरी के आरोपों की जांच के दौरान ईडी ने सरवणा गोल्ड पैलेस की करीब 70 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त किया था। फोरेंसिक ऑडिट में पाया गया कि कर्ज फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लिए गए। इस मामले में साल 2022 में ईडी की केंद्रीय आपराधिक शाखा, चेन्नई में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। ईडी के अनुसार, सरवणा स्टोर्स और शिरावन पार्टनर्स ने आपराधिक इरादे से एक्सिस बैंक, चेन्नई से 118 करोड़ रुपये का कर्ज लिया। ये कर्ज जाली दस्तावेजों के आधार पर लिया गया। जांच में पता चला कि आरोपियों ने इन्वेंट्री को बढ़ा-चढ़ाकर धांधली की और कर्ज की रकम को अन्य वित्तीय संस्थानों को कर्ज चुकाने में इस्तेमाल किया। साथ ही जिस काम की बैंक ने मंजूरी नहीं दी थी, उसके लिए कर्ज के पैसों का इस्तेमाल किया गया। ईडी के अनुसार, कर्ज की रकम से आरोपियों ने करोड़ों रुपये की संपत्ति बनाई, जिसमें से ईडी ने करीब 70 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली थी। अब पीएमएलए कोर्ट के आदेश के बाद एक्सिस बैंक को उस संपत्ति पर अधिकार मिल गया है।

अब यूपीआई से 24 घंटे में कर सकेंगे 10 लाख तक का लेनदेन, 15 सितंबर से लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। अब यूपीआई से 24 घंटे में 10 लाख तक का लेनदेन किया जा सकेगा। हालांकि, यह केवल उन संस्थाओं के लिए है, जो कर यानी टैक्स भुगतान से जुड़ी श्रेणियों में आती हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 15 सितंबर की आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख को देखते हुए यह फैसला किया है। बैंक अपनी नीतियों के अनुसार आंतरिक सीमाएं तय कर सकेंगे 12 अन्य श्रेणियों में भी प्रति लेनदेन और 24 घंटे में कुल लेनदेन सीमा बढ़ा दी है। बैंकों को सुनिश्चित करना होगा कि 24 घंटे की सीमा उनके पास ही रहे। निगम ने बैंकों को अपनी नीतियों के अनुसार आंतरिक सीमाएं तय करने की छूट भी दी है। व्यक्ति से व्यक्ति लेनदेन एक लाख रुपये प्रतिदिन ही रहेगा यह बदलाव केवल सत्यापित व्यापारियों के साथ व्यक्ति से व्यापारी लेनदेन पर लागू होंगी। व्यक्ति से व्यक्ति लेनदेन एक लाख रुपये प्रतिदिन ही रहेगा। सभी बैंकों, एप्स व भुगतान सेवा प्रदाताओं को 15 सितंबर तक यह लागू करना होगा। पूंजी बाजार व बीमा के लिए, प्रति लेनदेन व कुल लेनदेन, दोनों की सीमा 24 घंटे के लिए बढ़ा दी है।

केंद्र सरकार ने शुरू की 24 रुपये किलो प्याज की बिक्री

टमाटर भी 30 रुपये प्रति किलो

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में लोगों को राहत देते हुए केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार से दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद में 24 रुपये प्रति किलो की दर से सस्ती प्याज बेचना शुरू कर दिया है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने एक वैन को हरी झंडी दिखाकर इसकी शुरुआत की। इसके साथ, उपभोक्ताओं को टमाटर भी 30 रुपये प्रति किलो मिलेगा।

जोशी ने कहा कि नैफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के माध्यम से यह बिक्री की जाएगी। इसे शुक्रवार से गुवाहाटी, कोलकाता और चेन्नई में भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्याज की यह बिक्री दिसंबर तक करने की योजना है, ताकि उपभोक्ताओं को प्याज की महंगाई सता न सके।

एनसीसीएफ अधिकारी ने दी जानकारी

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) के एक अधिकारी ने बताया कि हमें रोजाना लगभग 10 टन की बिक्री की उम्मीद है। यह कदम खुदरा मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के सरकार के प्रयास से जुड़ा है।उन्होंने बताया कि फिलहाल बफर स्टॉक से 25 टन प्याज की बिक्री होगी। इसके बाद जरूरत के हिसाब से देशभर में जहां भी प्याज की कीमत 30 रुपये से ऊपर जाएगी वहां 24 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज बेचा जाएगा।

नैफेड ने लॉन्च किया नया सॉफ्टवेयर ~?इस दौरान नैफेड ने मोबाइल वैन परिचालन प्रबंधन के लिए अपने ट्रैक एंड ट्रेस सॉफ्टवेयर के अलावा एक डिजिटल बिलिंग एप्लीकेशन भी लॉन्च किया। यह बिल बनाने, आधार या एसएमएस के जरिए लाभार्थी का सत्यापन करने लेन-देन के बाद उपभोक्ताओं को सूचनाएं भेजने में भी दक्ष है। इसमें लोग अपनी राय के साथ शिकायत के लिए एक टोल फ्री नंबर भी दिया जाएगा।

भारत ब्रांड आटा-चावल बिक्री का तीसरा चरण शुरू: सरकार ने भारत ब्रांड आटा-चावल के तीसरे चरण की बिक्री की शुरुआत की गई। इससे उपभोक्ताओं को रियायती दर पर भारत ब्रांड का एक किलो आटा 31 रुपये 50 पैसे प्रति किलो की दर से मिलेगा। वहीं, चावल 34 रुपये प्रति किलो की दर से और सस्ती दरों पर दाल भी मिलेगी।

अडानी ग्रुप की कंपनी के शेयरों का हो रहा 5 हिस्सों में बंटवारा

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी ने 5 सितंबर को एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि शेयरहोल्डर्स ने इसकी मंजूरी दे दी है। आज शुक्रवार को अडानी पावर के शेयर 609.90 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था।

अडानी पावर ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। बता दें, कंपनी के बोर्ड ने एक्सचेंज को जून तिमाही के बाद ही इसकी जानकारी दे दी थी। हालांकि, इस स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया गया है।

अडानी पावर ने दी जानकारी में कहा है कि उनका नेट प्रॉफिट जून तिमाही के दौरान 3385 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 13.5 प्रतिशत कम है। एक साल पहले इसी तिमाही में अडानी पावर का नेट प्रॉफिट 3913 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, रेवन्यू के मोर्चे पर भी अडानी पावर को जून तिमाही में झटका लगा था। अडानी पावर का रेवन्यू अप्रैल से जून के दौरान 14,109 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी का रेवन्यू 5.7 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, बीते वित्त वर्ष की इसी तिमाही में अडानी पावर का रेवन्यू 14956 करोड़ रुपये रहा था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा?

लॉन्ग रन में यह स्टॉक अच्छा रिटर्न दिया है। बीते 5 सालों में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 1511 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 2 साल में अडानी पावर के शेयरों में 77 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। हालांकि, एक साल से कंपनी के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 5.87 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है।

1 पर 1 फ्री शेयर बांटने की तैयारी में ओयो, बोनस शेयर के हकदार होंगे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी।
आईपीओ लाने की तैयारी में जुटी ओयो ने अपने शेयरधारकों के लिए बड़े तोहफे का ऐलान किया है। ओयो ने घोषणा की है कि उसका बोर्ड अपने निवेशकों को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटने की तैयारी में है। ओयो के गैर सूचीबद्ध (अनलिस्टेड) शेयर पिछले एक महीने में 25 पर्सेंट उछल गए हैं। ओयो की पैरेंट कंपनी ओरावेल स्टेज लिमिटेड है।

बोनस शेयर के हकदार होंगे यह निवेशक

कंपनी के नोटिस के मुताबिक, जिन शेयरधारकों का नाम 30 सितंबर 2025 की रिकॉर्ड डेट पर रजिस्टर ऑफ मेंबर्स में होगा, वह बोनस शेयर के हकदार होंगे। ओयो ने हाइलाइट किया है कि लगातार दो साल प्रॉफिटैबिलिटी को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 के बाद ओयो का यह दूसरा बोनस शेयर इश्यू होगा। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। आईपीओ के लिए मिली बोर्ड की मंजूरी

पिछले हफ्ते ही ओयो को नए सिरे से आईपीओ फाइलिंग के लिए बोर्ड की मंजूरी मिली है। शेयर बाजार में उतरने की कंपनी की यह तीसरी कोशिश होगी। ओयो ने सबसे पहले साल 2021 में बाजार नियामक संस्था सेबी के पास आईपीओ के लिए अपने ड्रॉफ्ट प्रॉस्पेक्ट्स फाइल किए थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने उनके और रिलायंस कम्युनिकेशन के अकाउंट को बताया 'फ्रॉड'

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के लिए एक और झटका है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने रिलायंस कम्युनिकेशन और अनिल अंबानी के अकाउंट को 'फ्रॉड' घोषित कर दिया है। गुरुवार की रात को यह जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा किया है। बता दें, बीते कुछ महीने अनिल अंबानी के लिए अच्छे नहीं रहे हैं। ऐसे में बैंक ऑफ बड़ौदा का यह कदम उनके लिए नई मुश्किलें खड़ी कर दिया है। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि ऊपर इंगित मामले में उन्हें 2 सितंबर को एक लेटर मिला था। जिसमें बैंक के बोर्ड ने कंपनी और उनके प्रमोटर अनिल अंबानी के लोन अकाउंट्स को 'फ्रॉड' घोषित कर दिया है। कंपनी ने कहा है कि वो इस मामले में कानूनी सलाह लेंगे। साथ ही आने वाले समय में जरूरी कदम उठाएंगे। कंपनी ने बताया कि पूर्व निदेशक ने सभी आरोपों और चार्ज्स का खंडन किया है। रिलायंस कम्युनिकेशन इस समय इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड 2016 के अंतर्गत, कॉरपोरेट इंसॉल्वेंसी रिसॉल्यूशन प्रोसेस से गुजर रही है। क्रेडिटर्स की कमिटी ने रिसॉल्यूशन के प्लान को अप्रूवल दे दिया है। वहीं, 6 मार्च 2020 को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के पास यह मामला फाइल कर दिया गया है। फिलहाल एनसीएएलटी के अप्रूवल का इंतजार है। अनिल अंबानी ने इस पूरे मामले में एक आधिकारिक बयान में टारगेट करने का आरोप लगाया है।

यूरोप को भारत का डीजल निर्यात 137 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति की आलोचनाओं के बावजूद अगस्त में भारत ने यूरोप को रोजाना 242,000 बैरल डीजल निर्यात किया, जो पिछले साल के मुकाबले 137 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है। यह आंकड़ा जुलाई के मुकाबले 73 प्रतिशत और पिछले 12 महीनों के औसत से 124 प्रतिशत ज्यादा है। एक अन्य ट्रैकर वोर्टेक्सा के मुताबिक, यह निर्यात 228,316 बैरल प्रतिदिन रहा, जो साल-दर-साल 166 प्रतिशत की वृद्धि है।

ईटी के मुताबिक इसका कारण यूरोपीय संघ का वह आगामी प्रतिबंध है, जो जनवरी 2026 से रूसी कच्चे तेल से बने ईंधन पर लागू होगा। यह प्रतिबंध भारत के सबसे बड़े रूसी तेल प्रोसेसर रिलायंस जैसी कंपनियों के लिए यूरोप के दरवाजे बंद कर सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि यह बढ़ोतरी कई कारणों से हुई। नीदरलैंड्स में शेल की पर्निस रिफाइनरी ने अपना रखरखाव कार्य 2026 से पहले ही शुरू कर दिया, आने वाली सर्दियों में डीजल की मांग बढ़ने की उम्मीद है और यूरोपीय प्रतिबंधों की आशंका ने खरीदारी तेज कर दी। खासतौर पर रॉटरडैम को भेजे जाने वाले डीजल की मात्रा में उछाल आया। विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 के अंत तक यूरोप में भारतीय डीजल की मांग मजबूत बनी रहेगी। भारत पर अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया कि वह

रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर उसे प्रोसेस करके पश्चिम को बेच रहा है, जिससे रूस के युद्ध को फंड मिल रहा है। भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अगर पश्चिम को आपत्ति है तो वह भारतीय ईंधन खरीदना बंद कर सकता है। यूरोपीय खरीदार अक्टूबर-नवंबर में मध्य पूर्व की रिफाइनरियों के रखरखाव के कारण भारत से और ज्यादा डीजल खरीद सकते हैं, क्योंकि उस दौरान उनकी सप्लाई कम होगी। इससे भारतीय निर्यातकों को फायदा होगा।यूरोप को बढ़ती डीजल सप्लाई की वजह से भारत का कुल डीजल निर्यात अगस्त में बढ़कर 603,000 बैरल प्रतिदिन हो गया, जो जुलाई और पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा है।

केंद्र ने अधिसूचित किए एकीकृत पेंशन योजना नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत लाभों से संबंधित नियम अधिसूचित कर दिए हैं। कार्मिक मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी। केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत यूपीएस का कार्यान्वयन) नियम, 2025 में इस पेंशन योजना के तहत नामांकन और सेवानिवृत्ति की तिथि से एक वर्ष पहले या वीआरएस से तीन महीने पहले यूपीएस से एनपीएस में स्विच करने की सुविधा सहित अन्य लाभों को शामिल किया गया है। कर्मचारियों को एनपीएस से यूपीएस में स्विच करने की सुविधा दी जाएगी। यह विकल्प रिटायरमेंट से एक साल पहले या वीआरएस से तीन महीने पहले तक लिया जा सकेगा। कर्मचारी और सरकार दोनों के योगदान, पंजीकरण में देरी होने पर मिलने वाले मुआवजे, और सेवा के दौरान मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में लाभ का प्रावधान किया गया है। रिटायरमेंट के विभिन्न कारणों जैसे सुपरऐन्युएशन, समयपूर्व या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति, असमर्थता, इस्तीफा या जबरन सेवानिवृत्ति में मिलने वाले लाभ भी स्पष्ट किए गए हैं।

20 साल सेवा पर रिटायरमेंट: सबसे अहम यह है कि अब कर्मचारियों को 25 साल की जगह 20 साल की नियमित सेवा पूरी करने पर सेवानिवृत्ति का लाभ मिलेगा। इसे कर्मचारियों के हित में बड़ा और एतिहासिक कदम बताया जा रहा है। अखिल भारतीय एनपीएस कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने अधिसूचना का स्वागत किया और कहा कि 25 वर्षों के स्थान पर 20 वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने पर सेवानिवृत्ति का प्रावधान निस्संदेह कर्मचारी कल्याण में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा, नई योजना के लागू होने के बाद से यूपीएस में यह एक बहुत जरूरी संशोधन था।

सोने की कीमत में 641 रुपये की बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी।
मजबूत मांग के कारण वायदा कारोबार में शुक्रवार को सोना-चांदी के दामों में बढ़त देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 641 रुपये या 0.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,07,058 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के दिसंबर डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 860 रुपये व 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,24,780 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों द्वारा ताजा सौदे करने से चांदी की कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर बढ़े सोने-चांदी के दाम

वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में दिसंबर डिलीवरी के लिए कॉमेक्स सोना वायदा

0.31 प्रतिशत बढ़कर 3,557.02 डॉलर प्रति औंस हो गया। वहीं न्यूयॉर्क में चांदी 0.47 प्रतिशत बढ़कर 40.86 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। कमोडिटी बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और भारत में त्योहारी मांग की संभावनाओं के बीच सर्राफा की कीमतें ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रही हैं।

मोतीलाल ओसवाल को जीएसटी 2.0 से 50 से अधिक शेयरों में उछाल की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज का मानना है कि 3 सितंबर को घोषित जीएसटी सुधारों से कंज्यूमर सेंटीमेंट को काफी बढ़ावा मिलेगा और धीमी पड़ रही खपत में तेजी आएगी। इससे भारत की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा, ऐसे समय में जब वैश्विक अनिश्चितताएं एक प्रमुख चुनौती बनी हुई हैं।

लाइव मिंट के मुताबिक ब्रोकरेज फर्म ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और उसे उत्तेजित करने पर केंद्रित है। जीएसटी पर लेटेस्ट ऐलान, एक बार लागू होने के बाद, सरकार का वर्तमान कार्यकाल में पहला बड़ा संरचनात्मक सुधार होगा, जो भारतीय शेयर बाजार के लिए सकारात्मक उछाल का चक्र भी शुरू करेगा।

मोतीलाल ओसवाल ने कहा, लंबी अवधि के औसत 20.7 गुना के मुकाबले वर्तमान में 20.8 गुना का वैल्यूएशन उचित है और हमारे अनुमान के मुताबिक निफ्टी 50 के लिए 10 प्रतिशत की दोहरे अंकों वाली पीएटी वृद्धि को देखते हुए इसमें और विस्तार की गुंजाइश है।

ब्रोकरेज फर्म ने इस बात पर जोर दिया कि सुधारों से पूरी अर्थव्यवस्था को लाभ होने की संभावना है और इसका कई क्षेत्रों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।

मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एस्कॉर्ट्स, बजाज ऑटो, अशोक लेयलैंड, हीरो मोटोकॉर्प, मदरसन सुमी वायरिंग इंडिया, हैपी फोर्जिंग्स, एंड्योरेंस और बॉश।

आईटीसी एक प्रमुख लाभार्थी होगा क्योंकि अब जीएसटी दर एमआरपी पर लागू होगी, जबकि पहले यह लेन-देन मूल्य (ट्रांजैक्शन वैल्यू) पर लागू होती थी। ब्रिटानिया, नेस्ले, डाबर, वरुण बेवरेजेज, मैरिको, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इमामी।

निवा भूपा, स्टार हेल्थ, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ, आईसीआईसीआई प्रू लाइफ, मैक्स फिन और एलआईसी। मोतीलाल ने कहा कि डेलिवरी एक प्रमुख लाभार्थी हो सकता है, क्योंकि उपभोक्ता टिकाऊ सामान और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियों में मात्रा (वॉल्यूम) बढ़ने की उम्मीद है, जो इसकी कुल मात्रा का एक बड़ा हिस्सा हैं।

संजीव सान्याल बोले- जीएसटी से कई करों को दो कर में बदलना हुआ संभव

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने जीएसटी सुधारों को तार्किक बताते हुए कहा, नई व्यवस्था के चलते ही कई करों को दो में बदलना संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, जीएसटी सुधारों पर सरकार अरसे से काम कर रही थी। अब नई व्यवस्था में लोगों को विभिन्न वस्तुओं पर कर स्लैब भी आसानी से समझ में आ जाएंगे। जीएसटी से पहले के दौर का जिक्र करते हुए सान्याल ने कहा, किसी भी वस्तु पर कर दर का अंदाजा लगाना मुश्किल था, लेकिन अब सिर्फ वस्तु का नाम बताने से ही 90 फीसदी से ज्यादा बार आप समझ जाएंगे कि वस्तु किस स्लैब में है। उन्होंने कहा कि अगर खाने की चीज है, तो यह

अब कर दरों को समझना हुआ आसान

पांच फीसदी या शून्य पर होगा। यदि एयर कंडीशनर है, तो आपको पता है कि 18 फीसदी होगा। अब आप इसे मोटे तौर पर समझ सकते हैं। यदि तंबाकू उत्पाद है, तो यह 40 फीसदी में होगा। यह तर्क आधारित है, इसलिए यह भी एक सुधार है। सान्याल ने कहा कि सरकार की मुख्य चिंता समग्र कर प्रणाली को जीएसटी में स्थानांतरित करना था। जीएसटी 1.0 में मूल सिद्धांतों पर आधारित सोच का अभाव था। हमने (जीएसटी में) बदलाव पहले से मौजूद व्यवस्था के आधार पर किया, जो अनुचित बात नहीं है, क्योंकि हम चाहते थे कि नई व्यवस्था को अपना लें और अर्थव्यवस्था में यथासंभव कम व्यवधान उत्पन्न हो। जीएसटी से पहले की व्यवस्था पूरी तरह से अव्यवस्थित थी। राज्य करों के साथ केंद्रीय कर भी अनगिनत थे। असल में किसी को पता ही नहीं था कि क्या हो रहा है। बहुत से लोग तो इंटरनेट का इस्तेमाल ही नहीं करते थे। जो लोग ईमानदारी से टैक्स चुकाते थे, उन्हें एक बेहद जटिल व्यवस्था से जूझना पड़ता था। इस लिहाज से, जीएसटी व्यवस्था काफी बेहतर है। 2017 से ही भारत जीएसटी प्रणाली में सुधार कर रहा था। करीब एक साल पहले विचार आया कि अब समय आ गया है।

अमेरिकी टैरिफ और जीएसटी सुधार अलग-अलग मसले

क्या जीएसटी सुधार अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम कर सकेंगेज्स पर सान्याल ने कहा, ये पहलू आपस में संबंधित नहीं हैं। मैं समझता हूं कि यह बहस बाह्य टैरिफ के बारे में है, आंतरिक टैरिफ के बारे में नहीं। काफी समय से इस पर काम चल रहा था, जबकि ट्रंप टैरिफ मुद्दा तो कुछ ही हफ्ते पुराना है। सान्याल ने जीएसटी प्रणाली की तुलना भारत के स्वयं के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते से की।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025

श्रेया उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका श्रेयस घोषाल आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। आईसीसी की तरफ से गुरुवार को ये जानकारी दी गई। विश्व कप भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाना है। श्रेया घोषाल भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले भव्य उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। घोषाल ने टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है। विश्व कप की शुरुआत 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेले जाने वाले मैच से होगी।

आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए टिकटों की जानकारी और मुख्य मनोरंजन योजनाओं का खुलासा किया है। इस साल का संस्करण सुलभता के मामले में एक नया मानक स्थापित करेगा, क्योंकि किसी भी आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए कीमतें रिकॉर्ड-कम होंगी। भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है। आईसीसी ने गुरुवार को घोषणा की कि प्रशंसकों के अनुकूल मूल्य निर्धारण का उद्देश्य खचाखच भरे स्टेडियम और उत्साही भीड़ सुनिश्चित करना है क्योंकि महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है। गूगल पे प्रशंसकों के लिए विशेष प्री-सेल टिकट एक्सेस के साथ प्रशंसकों को एक्शन के रोमांच का अनुभव कराएगा।

पेगुला को हराकर विमेंस सिंगल्स के फाइनल में सबालेंका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन की मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना ने सेमीफाइनल में चौथी वरीय जेसिका पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। रोमांचक तीन सेटों वाले मुकाबले की शुरुआत में जेसिका पेगुला ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने बेहद सटीक तथा संयमित पहला सेट खेला, जिससे सबालेंका लगातार असंतुलित रहीं। उन्होंने सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए और रिटर्न पर आक्रामक बनी रहीं। 27 वर्षीय सबालेंका दूसरे सेट में पहले बढ़त लेने में कामयाब रहीं। उन्होंने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई और अंततः मैच को निर्णायक सेट तक ले गईं।

तीसरे सेट की शुरुआत में 30-40 पर सर्व करते हुए पेगुला ने फोरहैंड बाउंड्री लाइन से बाहर भेज दिया और खुद मुश्किल में पड़ गईं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सबालेंका की सर्विस पर दबाव बनाना जारी रखा। छठा गेम करीब नौ मिनट तक चला, लेकिन 30 वर्षीय पेगुला सात में से केवल दो ब्रेक के मौकों को ही भुना पाईं। 5-4, 40-30 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस करते हुए, सबालेंका ने एक सामान्य ओवरहेड शॉट नेट में मारा। पेगुला ने एक और मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन तीसरा प्वाइंट नहीं बचा पाईं। इसी के साथ वह दो घंटे पांच मिनट तक चले मुकाबले को गंवा बैठीं।

यह सबालेंका का लगातार पांचवां यूएस ओपन सेमीफाइनल था। उनसे पहले न्यूयॉर्क में लगातार पांच सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पिछली खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थीं। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने साल 2011-2016 के बीच यह कारनामा किया। सबालेंका अपना सातवां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलने जा रही हैं। यह पिछले पांच मेजर्स में उनका चौथा और न्यूयॉर्क में लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। वह अपने यूएस ओपन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने से केवल एक जीत दूर हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला विश्व कप के लिए टीम का ऐलान किया, 10 प्लेयर्स पहले भी खेल चुकी हैं डब्ल्यूसी

मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली की अगुवाई में महिला वनडे विश्व कप के लिए शुक्रवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स ने चोट से उबरने के बाद वापसी की। सात बार का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चैंपियन भी है और आगामी प्रतियोगिता में भी वह अपना दबदबा कायम रखना चाहेगा, जो 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में आयोजित की जाएगी। विक्टोरिया की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण जनवरी से ही बाहर थी। वह हालांकि 14 से 20 सितंबर तक भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाएगी। डार्सी ब्राउन (क्वाड) और जॉर्जिया वेयरहैम (ग्रोइन) भी अपनी हाल की चोटों से उबरकर टीम में वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की टीम में 10 ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो 2022 में खेले गए पिछले टूर्नामेंट का भी हिस्सा थी। इस टीम में एलिस पेरी, बेथ मूनी, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्रा और एशले गार्डनर जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया अपना अभियान एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगा।

रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी की

- समोआ के लिए खेलेंगे टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर टूर्नामेंट, वहां का पासपोर्ट मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि, अब वे न्यूजीलैंड के बजाय समोआ की तरफ से खेलेंगे। 41 साल के मिडिल ऑर्डर बैटर टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफिक टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर टूर्नामेंट में समोआ की ओर से खेलेंगे। न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज की मां समोआ से हैं, जिसके कारण उन्हें वहां का पासपोर्ट मिला है। टेलर ने साल 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। वे अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए आखिरी बार खेले थे। ऐसे में उनका तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी पूरा हो गया है और अब वे समोआ के लिए एलिजिबल हैं। मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं टेलर ने इसकी जानकारी अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर दी है। उन्होंने लिखा, अब यह आधिकारिक है। मुझे गर्व है कि मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। यह ना सिर्फ मेरे पसंदीदा खेल में मेरी वापसी है, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, गांव और परिवार का प्रतिनिधित्व करने का बड़ा सम्मान भी है। मैं इस अवसर के लिए उत्साहित हूं। न्यूजीलैंड के लिए 110 टेस्ट खेले टेलर टेलर न्यूजीलैंड के लिए 110 टेस्ट मैच खेले हैं। उनके नाम 7584 रन दर्ज है। वनडे में उन्होंने 223 मैचों में 8581 रन बनाए हैं। टी-20 में टेलर ने न्यूजीलैंड के लिए 102 मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने 1909 रन बनाए हैं। टेलर कीवी टीम के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। वे वनडे में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वनडे में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 181 है जबकि टेस्ट में उनका बेस्ट स्कोर 290 रन है। टेलर ने मार्च 2006 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। इसके एक साल बाद उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था।

यूएस ओपन 2025

एक दशक बाद यूएस ओपन देखने पहुंचेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। 2015 में एक क्वार्टरफाइनल मैच के दौरान दर्शकों की हूटिंग के बाद से उन्होंने टूर्नामेंट का रुख नहीं किया। अब एक दशक के बाद वह इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट का फाइनल देखने पहुंचेंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को यूएस ओपन पुरुष एकल फाइनल में शिरकत करेंगे। व्हाइट हाउस ने गुरुवार देर रात इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि की। ट्रंप रविवार दोपहर क्वीन्स, न्यूयॉर्क जाएंगे और मैच खत्म होते ही वॉशिंगटन लौट आएंगे। यह मुकाबला दोपहर दो बजे शुरू होगा। इस साल फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का फैसला सेमीफाइनल मैचों के बाद होगा, जिसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर, फेलिक्स औगर-अलियासिम, नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्काराज शामिल हैं। ट्रंप लंबे समय तक न्यूयॉर्क क्षेत्र के रियल एस्टेट कारोबारी और बाद में रियलिटी टीवी स्टार के रूप में यूएस ओपन के स्थायी दर्शक रहे। वह अक्सर आर्थर ऐश स्टेडियम की बालकनी में दिखते थे और कैमरों पर भी बार-बार नजर आते थे। हालांकि, 2015 में एक क्वार्टरफाइनल मैच के दौरान दर्शकों की हूटिंग के बाद से उन्होंने टूर्नामेंट का रुख नहीं किया। उस वक्त उन्होंने राष्ट्रपति चुनावी अभियान की शुरुआत की थी। हाल के वर्षों में ट्रंप ने न्यूयॉर्क से दूरी बनाई है और ज्यादातर समय फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट में बिताया है। दिलचस्प बात यह है कि कभी उनकी कंपनी ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन के पास यूएस ओपन में एक स्थाई सुइट हुआ करता था, जो आर्थर ऐश स्टेडियम में प्रसारण बूथ के बगल में था, लेकिन इसे 2017 में उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद छोड़ दिया गया।

2026 में आमने-सामने होंगे दो महान मुक्केबाज माइक टायसन और फ्लॉयड मेवेदर की होगी भिड़ंत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फैंस के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जब ये दो दिग्गज एक रिंग में साथ आएंगे। 59 वर्षीय टायसन को मुक्केबाजी की दुनिया का सबसे खतरनाक हेवीवेट फाइटर माना जाता है। वहीं, 48 वर्षीय फ्लॉयड मेवेदर अब तक प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपराजित रहे हैं। मुक्केबाजी की दुनिया के दो सबसे बड़े दिग्गज माइक टायसन और फ्लॉयड मेवेदर 2026 में एक प्रदर्शनी फाइट में आमने-सामने होंगे। यह जानकारी प्रमोटर सीएसआई स्पोर्ट्स ने गुरुवार को साझा की। हालांकि, इस मुकाबले की तारीख और स्थान का एलान नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी ने बताया कि यह ऐतिहासिक लड़ाई स्प्रिंग 2026 में होगी। इसकी डील साइन हो चुकी है। फैंस के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जब ये दो दिग्गज एक रिंग में साथ आएंगे।

59 वर्षीय टायसन को मुक्केबाजी की दुनिया का सबसे खतरनाक हेवीवेट फाइटर माना जाता है। अपने करियर में उन्होंने 50-7 का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें से 44 मुकाबले नॉकआउट से जीते।

हालांकि, उनका आखिरी मैच नवंबर 2024 में यूट्यूबर से बॉक्सर बने जेक पॉल के खिलाफ था, जिसमें टायसन को हार का सामना करना पड़ा। उस मुकाबले में 70,000 दर्शकों ने लाइव मैच देखा और दुनिया भर में लाखों लोगों ने टीवी पर इसे फॉलो किया।

मेवेदर अब तक नहीं हारे

48 वर्षीय फ्लॉयड मेवेदर अब तक प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपराजित रहे हैं। उन्होंने 2017 में रिटायरमेंट लिया, लेकिन तब तक उनका रिकॉर्ड 50-0 रहा और उन्होंने पांच अलग-अलग वेट कैटेगरी में खिताब जीते। रिटायरमेंट के बाद भी मेवेदर ने कई एग्जीबिशन मुकाबले खेले, जिनमें अगस्त 2024 में जॉन गॉटी पर मेक्सिको में जीत शामिल है।

टायसन का बयान

इस मुकाबले पर प्रतिक्रिया देते हुए टायसन ने कहा, जब सीएसआई ने मुझे फ्लॉयड मेवेदर से लड़ने का प्रस्ताव दिया, तो मैंने सोचा कि यह संभव ही नहीं है। लेकिन जब फ्लॉयड ने हां कहा, तब यह तय हो गया। यह फाइट ऐसी है जिसकी कल्पना न मैंने की थी और न दुनिया ने। बॉक्सिंग अब अनप्रिडिक्टेबल दौर में प्रवेश कर चुकी है और यह मुकाबला उसी का सबूत है।

इसे मैं बड़े सम्मान की तरह देखता हूं

- डेवाल्ड ब्रेविस ने डिविलियर्स से तुलना पर की बात

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) एजेंसी। प्यार से बेबी एबी कहे जाने वाले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का कहना है कि एबी डिविलियर्स से तुलना होना उनके लिए हमेशा से एक

विशेषाधिकार रहा है, बोझ नहीं। इस साल टी20 में ब्रेविस शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने 30 पारियों में 43.26 की औसत और 186.32 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से अब तक 995 रन बनाए हैं जिसमें 6 अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 125* रहा है। ब्रेविस ने डिविलियर्स के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, (अंडर-19 विश्व कप 2022) यहीं जब मैंने भारत के खिलाफ 50 रन बनाए थे, तो मेरे एक दोस्त ने एक छोटा सा बोर्ड पकड़ा हुआ था जिस पर बेबी एबी लिखा था। तब से मैं लोगों को बताता आ रहा हूं कि यह कभी बोझ नहीं रहा और न ही मैंने कभी दबाव महसूस किया, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे खास चीजों में से एक था। मैंने हमेशा आपको (डिविलियर्स) आदर्श माना है और आज भी आपसे बहुत कुछ सीखता हूं।

दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के 26 वर्षीय बल्लेबाज मैथ्यू बीट्जके ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान दो अनोखे वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए। बीट्जके वनडे क्रिकेट इतिहास में अपने शुरुआती पांच मैच की पांच पारी में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच मैचों की पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे में 77 गेंद में 85 रन की पारी खेली। बीट्जके ने अपनी पारी में 7 चौके और तीन छक्के जड़े। जोफ्रा आर्चर ने उन्हें शतक पूरा करने से रोक दिया। भले ही बीट्जके लॉर्ड्स में शतक पूरा नहीं कर सके लेकिन अपनी 85 रन की पारी के साथ वो वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले वनडे क्रिकेट में कोई भी बल्लेबाज पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 नहीं कर पाया। साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट में पहली पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

27 साल बाद साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड की धरती पर रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड को दूसरे वनडे मुकाबले में 5 रन से शिकस्त देकर साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। यह 1998 के बाद से इंग्लैंड में साउथ अफ्रीका की पहली वनडे सीरीज जीत है। इंग्लैंड ने मई 1998 में इंग्लैंड की सरजमीं पर खेली गई तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। साउथ अफ्रीका ने उस सीरीज के शुरुआती दो मुकाबले जीते थे, जिसके बाद इंग्लैंड ने आखिरी मैच को सात विकेट से जीतकर अपनी लाज बचाई। इंग्लैंड की टीम एक बार फिर अपने ही घर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज गंवा बैठी है। अब उसके पास सीरीज के तीसरे मुकाबले को जीतकर लाज बचाने का मौका होगा। सीरीज का अंतिम मुकाबला सात सितंबर को साउथैम्पटन में आयोजित होगा। लंदन में गुरुवार देर रात खत्म हुए दूसरे वनडे मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 8 विकेट खोकर 330 रन बनाए।

टीम को एडन मार्करम और रयान रिकेल्टन ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच 13.1 ओवरों में 73 रन की साझेदारी हुई। रिकेल्टन 33 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तीसरे नंबर पर

बल्लेबाजी के लिए उतरे कप्तान टेंबा बावुमा महज चार रन बनाकर आउट हो गए। मार्करम ने 64 गेंदों में एक छक्के और छह चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेली। शानदार शुरुआत के बावजूद साउथ अफ्रीकी टीम 19 ओवरों तक तीन विकेट गंवाकर 93 रन ही बना सकी थी। यहां से मैथ्यू ब्रीत्जके ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। ब्रीत्जके 77 गेंदों में 85 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में तीन छक्के और सात चौके शामिल थे। इनके अलावा स्टब्स ने 58, जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 42 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक चार शिकार किए, जबकि आदिल राशिद को दो सफलताएं हाथ लगीं। इनके अलावा जैकब बेथेल ने एक विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 325 रन ही बना सकी। मेजबान टीम के लिए जोस बटलर और जो रूट ने 61-61 रन जुटाए, जबकि जैकब बेथेल ने 58 रन की पारी खेली, लेकिन इंग्लैंड को जीत नहीं दिला सके। साउथ अफ्रीका की तरफ से नांद्रे बर्गर ने तीन विकेट अपने नाम किए। केशव महाराज को दो सफलताएं हाथ लगीं।

अब आलिया भट्ट ने भी की खुलकर तारीफ

लोका: चैप्टर 1 की जबरदस्त सफलता

मलयालम फिल्म लोका- चैप्टर 1 इन दिनों खूब चर्चा में है। रिलीज के बाद से ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है और साथ ही दर्शकों और समीक्षकों का दिल भी जीत लिया है। अब इस फिल्म की तारीफ का सिलसिला सिर्फ आम लोगों तक ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड सेलेब्स तक पहुंच गया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने भी लोका को लेकर अपना प्यार जाहिर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा किया और लिखा, लोका पौराणिक कहानियों और रहस्य से भरी एक दमदार और ताजा फिल्म है। इसे मिल रहे प्यार को देखकर बहुत खुशी हो रही है। आलिया ने आगे कहा, मुझे हमेशा ऐसी खास और अलग किस्म की फिल्मों को सपोर्ट करने में खुशी मिलती है। उन्होंने अपने पोस्ट में फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी और दर्शकों को बताया कि अब यह फिल्म हिंदी में भी उपलब्ध है। इससे पहले अभिनेता अक्षय कुमार भी फिल्म और खास तौर पर इसकी लीड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने पोस्ट किया था, प्रतिभा तो परिवार में होती है। सुना था, अब देख भी लिया। प्रियदर्शन सर की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन के शानदार अभिनय के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनने को मिल रही हैं। उन्हें और लोका की पूरी टीम को उनके हिंदी वर्जन के रिलीज होने पर मेरी शुभकामनाएं।

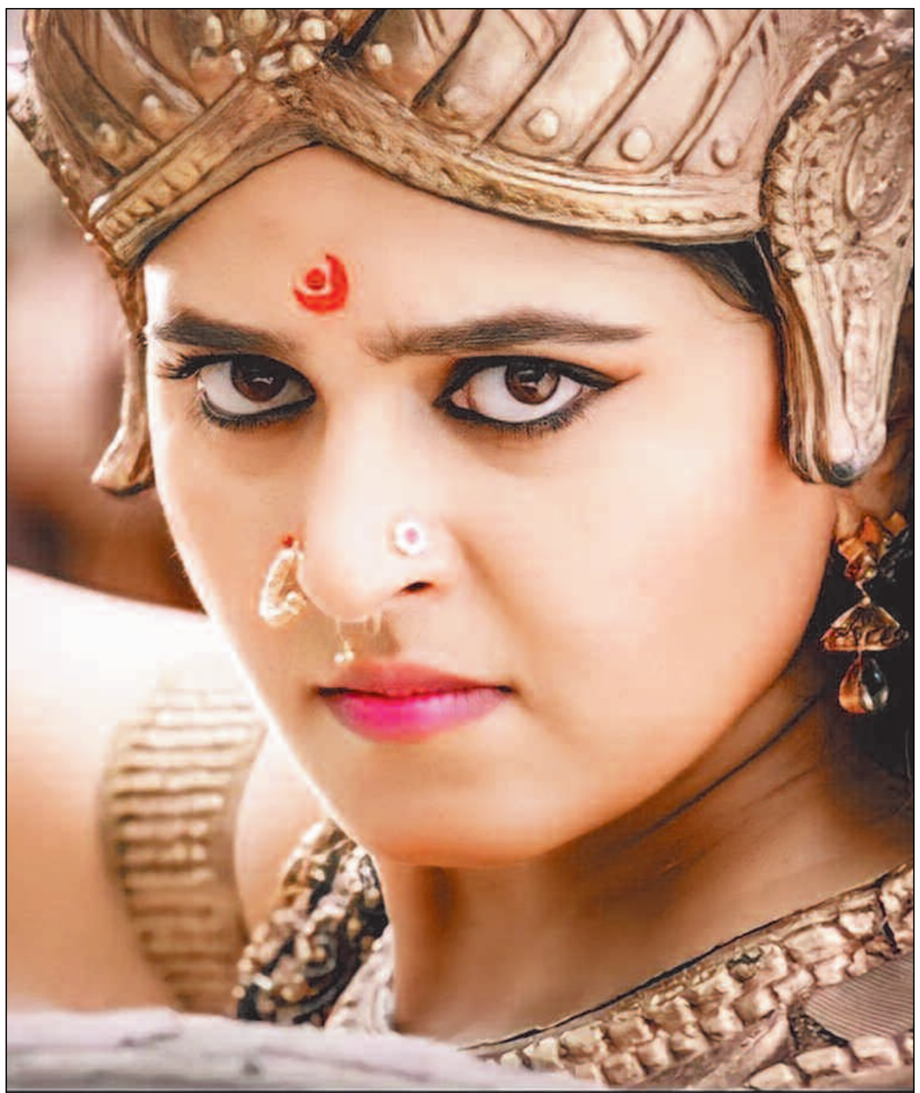

दिलजीत दोसांझ ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों से जताई संवेदना

पिछले कुछ दिनों से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ ने अपना कहर बरपा रखा है। वहां पर नदियां उफान पर हैं। इसके चलते हजारों लोग विस्थापित होने को मजबूर हैं। हालांकि बाढ़ की वजह से पांजब के हालात ज्यादा खराब हैं और यहां स्थिति भयावह होती जा रही है। खासकर पंजाब में बाढ़ ने खूब तबाही मचाई है। तकरीबन पंजाब के सारे जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। संकट की इस घड़ी में कुछ लोग आगे बढ़कर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया के जरिये सेलेब्रिटी भी उनकी मदद करने की लगातार अपील कर रहे हैं। पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने भी एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लोगों से बड़ी संख्या में आगे आने और लोगों की मदद करने की अपील की है। इस वीडियो में दिलजीत कहते हैं, नमस्कार, आज मैं हिंदी भाषा में बात करूंगा ताकि सब तक पहुंच जाए। पंजाब के हालात बाढ़ की वजह से बहुत खराब हैं। लोगों के घर बह चुके हैं, फसलें तबाह हो चुकी हैं, पशु भी मारे गए हैं, और लोगों की जिंदगियां बर्बाद हो चुकी हैं। पंजाब जख्मी है, पर हारा नहीं है। हम पंजाब में जन्मे हैं और हमें पंजाब की गोद से ही विदा होना है। उन्होंने आगे लिखा, जितने भी पीड़ित परिवार हैं, हम सब उनसे कहना चाहते हैं कि हम उनके साथ हैं। ऐसा नहीं है कि राशन आदि देकर हम उनसे किनारा कर लेंगे। जब तक उनकी जिंदगी पटरी पर नहीं आ जाती, हम सब उनके साथ हैं। जितने भी लोकल एनजीओ और समाचार वाले हैं, वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। पंजाब के नौजवान भी आगे आकर लोगों की मदद कर रहे हैं। मैं उन सबका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। मेरे बहुत से दोस्त हैं जो मदद करना चाहते हैं। हम मिलकर इस कठिन समय का सामना करेंगे। पंजाब कई बार मुसीबत में पड़ा है, हर बार वह बाहर निकल गया है। मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि हम सब मिलकर इस संकट से जल्द से जल्द बाहर आ जाएं।

हिमाचल प्रदेश आपदा में फंसा रुबीना दिलैक का परिवार, एक्ट्रेस ने जताई चिंता

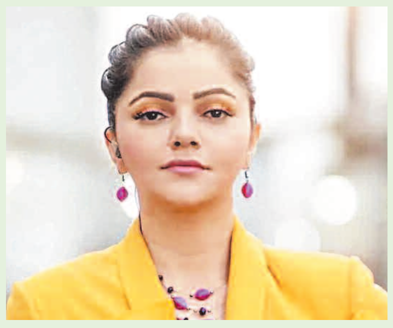

पिछले कुछ दिनों से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। सड़कें बह गईं, पेड़ गिर गए और कई इलाकों में बिजली व नेटवर्क ठप हो गया। इस प्राकृतिक आपदा के बीच अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं साझा की हैं। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा, कई लोगों ने मुझसे पूछा कि मैं हिमाचल की स्थिति पर क्यों नहीं बोल रही हूं। वहां बारिश ने भारी नुकसान किया है। सड़कें टूट गईं, भूस्खलन हुए, पेड़ गिरे, और लाइट कनेक्शन चरमरा गए। उन्होंने आगे बताया कि उनके पास कहने को कुछ नहीं है, क्योंकि प्रकृति के सामने इंसान बेबस है। उनके परिवार के घर में भी तीन दिनों से बिजली और नेटवर्क नहीं है। रुबीना ने बताया कि शिमला में उनके फार्महाउस पर उनके माता-पिता, दादी और उनकी जुड़वां बेटियां रहती हैं। हालांकि उनका परिवार सुरक्षित है, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा। उन्होंने कहा, इस मुश्किल वक्त में हम सिर्फ प्रार्थना कर सकते हैं। घर बैठे चिंता तो होती है। रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला पिछले दो हफ्तों से अपनी फ्लाइट रीशेड्यूल कर रहे हैं, लेकिन भूस्खलन और बाढ़ के कारण उन्हें मौका नहीं मिल रहा। रुबीना ने बताया कि 15 दिन पहले जब वह हिमाचल गई थीं, तो तीन दिन भूस्खलन की स्थिति में फंस गई थीं। उन्होंने सभी प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना की और कहा कि अगर सोशल मीडिया के जरिए मदद या फंड जुटाने की जरूरत पड़ी, तो वह हर संभव प्रयास करेंगी। अपने वीडियो के कैप्शन में रुबीना ने लिखा, मैं आपके साथ हूं। हिमाचल, पंजाब, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के परिवारों के लिए प्रार्थना करती हूं। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए लगातार कई सेलेब्स आगे आ रहे हैं। इससे पहले सोनू सूद और अभिनेत्री हिमांशी खुराना भी पंजाब के गांवों में लोगों की मदद के लिए गई थीं। वहीं, अभिनेता सोनू सूद ने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया था कि उन्होंने पीड़ितों की मदद के लिए राहत सामग्री भेजना शुरू कर दी है।

घाटी से अनुष्का शेट्टी की वापसी

प्रभास ने कहा, देखने के लिए बेताब हूं स्वीटी

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। वह इन दिनों अपनी नई फिल्म घाटी को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। रिलीज से एक दिन पहले सुपरस्टार प्रभास ने अनुष्का को खास शुभकामनाएं दी। प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने घाटी का ट्रेलर लिंक भी अपलोड किया है और अनुष्का को बड़े ही अपनेपन से स्वीटी कहकर शुभकामनाएं दी हैं। प्रभास ने लिखा है, घाटी का ट्रेलर बहुत ही दमदार लग रहा है।

स्वीटी, मैं तो आपको इस ताकतवर रोल में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। पूरी टीम को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं! फिल्म में अनुष्का को एक्शन अवतार में देखा जाएगा। प्रभास और अनुष्का की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों ने ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में एक साथ काम किया था। अनुष्का शेट्टी इस फिल्म से करीब दो साल बाद वापसी कर रही हैं। पिछली बार वह 2023 की फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने हल्का-फुल्का किरदार निभाया था।

घाटी में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म की कहानी में अनुष्का एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। यह जगरलामुदी के साथ अनुष्का की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों ने हिट फिल्म वेदम में साथ काम किया था। इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी के अलावा, विक्रम प्रभु भी लीड रोल में हैं। पहले यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में शेड्यूल हुई थी, लेकिन काम पूरा नहीं हो पाया, जिसके चलते मेकर्स को डेट आगे बढ़ानी पड़ी।

हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे

जेनेलिया के लुक ने जीता फैंस का दिल

एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा अपनी मासूमियत और सादगी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाए रखती हैं। फिल्मों के अलावा, वह अक्सर अपने फैंस से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ खास पोस्ट करती रहती हैं। गुरुवार को उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। तस्वीरों में जेनेलिया का अंदाज किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहा। उन्होंने डार्क ब्राउन कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें गोल्डन कलर की स्ट्राइप्स हैं। इस आउटफिट की खास बात उसका दुपट्टा है, जो लाइट बेज कलर का फ्लोरल प्रिंटेड है। इसमें ब्लू, रेड और ग्रीन कलर के फूलों के डिजाइन हैं। जेनेलिया ने इस लुक के साथ ट्रेडिशनल गहनों को बेहद खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। उनके गले में कुंदन चोकर हार है, कानों में भारी झुमके हैं, और हाथों में कंगनों की भरमार है। बालों को उन्होंने हल्का कर्ल कर करके पीछे की ओर बांधा हुआ है, और उसमें सफेद फूलों का एक छोटा सा गजरा है, जो उनके पूरे लुक में चार चांद लगा रहा है। पहली तस्वीर में जेनेलिया नीचे बैठी हैं, उनकी नजरें झुकी हुई हैं और चेहरे पर हल्की मुस्कान है। तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है, मानो वो किसी सुनहरे ख्यालों में डूबी हुई हों। दूसरी तस्वीर क्लोजअप क्लिक है। इसमें वह पलके नीचे झुकाते हुए कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह खड़ी हैं और कहीं और देख रही हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे। जेनेलिया के इस पोस्ट पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। लोग उनके लुक के साथ-साथ आउटफिट की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपकी स्माइल ही तो हमारी मुस्कान की वजह है। दूसरे फैन ने लिखा, आपकी खूबसूरती की बात ही अलग है।

पिंक टॉप में राशि खन्ना का स्टाइलिश लुक

मिरर सेल्फी में दिखा खूबसूरत अंदाज

साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री राशि खन्ना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। बुधवार को उन्होंने कुछ तस्वीरें पोस्ट की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर मिरर सेल्फी लेते हुए तस्वीरें साझा की, जिसमें वह वैनिटी वैन में बैठकर मेकअप करवाती नजर आ रही हैं। उन्होंने गुलाबी रंग का स्टाइलिश टॉप पहना हुआ है, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। तस्वीरों में उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। इन तस्वीरों के साथ राशि ने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा, हर अच्छी तस्वीर के पीछे होती है उलझन, ढेर सारी चाय और बिल्कुल भी सब्र नहीं। राशि का यह वीडियो प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है और वो उनके कमेंट सेक्शन में कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आखिरी स्लाइड वाली स्माइल मेरे मन से निकल रही है, दूसरे यूजर ने लिखा, आप बहुत प्यारी लग रही हैं, और एक और अन्य यूजर ने लिखा, हर परफेक्ट फोटो के पीछे थोड़ी झंझट और ढेर सारी कॉफी होती है! लेकिन फाइनल फोटो जब मिलती है, तो सारी मेहनत सफल लगती है।

मुगल सम्राट औरंगजेब पर फिल्म बनाने वाले थे करण जौहर, इस वजह से बंद करना पड़ा काम

करण जौहर ने हाल ही में खुलासा किया है कि वह एक ऐतिहासिक फिल्म बनाने वाले थे। हालांकि यह फिल्म कई वजहों से नहीं बन सकी। निर्देशक ने इसके बारे में बात की है। आज फिल्म मिराई- सुपर योद्धा के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर उन्होंने अब बंद हो चुकी फिल्म तख्त के बारे में बात करते हुए कहा कि वह अब भी ऐतिहासिक फिल्म बनाना चाहते हैं। करण जौहर ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म पर दो साल से ज्यादा वक्त बिताया और जब यह बंद हो गई है तो उन्हें बहुत दुख हुआ।

ऐतिहासिक फिल्म बनाने वाले थे करण जौहर

करण जौहर ने मीडिया से कहा मैं एक ऐतिहासिक फीचर फिल्म (तख्त) बनाने वाला था। फिर महामारी समेत कई वजहों से उस पर रोक लग गई। मैंने उस फिल्म पर ढाई साल तक रिसर्च किया और फिर उसे लिखा। यह बहुत दुखद था कि मैं उसे वक्त पर नहीं बना सका। हर फिल्म का अपना समय और भाग्य होता है। इसलिए उम्मीद है कि मैं उस तरह की कोई फिल्म बनाउंगा।

हरनाज संधू ने साझा किया अनुभव, कहा- 'मरजाना' करना आसान नहीं था

बॉलीवुड एक्ट्रेस हरनाज संधू बहुत जल्द फिल्म बागी-4 में टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इस फिल्म में वो अलीशा की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म से अभिनेत्री हरनाज संधू का लेटेस्ट गाना मरजाना हाल ही में रिलीज हुआ था। इसके बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि इसकी शूटिंग बहुत ही चुनौतीपूर्ण थी। यह गाना करना उनके लिए बहुत मुश्किल था क्योंकि इस गाने में उन्हें अपनी आंखों से बात करनी थी। गाने में फिल्म के एक्टर टाइगर श्रॉफ अपनी प्रेमिका की कब्र पर रोते दिख रहे हैं। इसके बाद वो अलीशा (हरनाज) की यादों में खो जाते हैं। हरनाज को इस गाने में कभी लाल गाउन में या कभी सफेद गाउन में डांस करते देखा जा सकता है। इसमें वह अपने डांस और परफॉर्मेंस से सबको मंत्रमुग्ध करती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने गाने में गहरी भावनाओं और संवेदनशीलता का तड़का लगाया है। इस गाने पर काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए हरनाज ने कहा, मरजाना की शूटिंग मेरे अब तक के सबसे भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक थी। बागी 4 के अन्य गानों के उलट यह गाना नृत्य या ग्लैमर के बारे में नहीं था, बल्कि स्थिरता, मौन और आंखों में दर्द को व्यक्त करने के बारे में था। उन्होंने आगे कहा, इसमें सीखने और समझने के लिए बहुत कुछ था क्योंकि मैं अलीशा को एक याद के रूप में दिखा रही थी। यह अनुभव करना रोमांचक है कि जीवन के कठिन क्षणों को चित्रित करते हुए सिनेमा कितना शक्तिशाली हो सकता है। मरजाना ने मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की जगह दी, और मुझे उम्मीद है कि यह ईमानदारी दर्शकों से उसी तरह जुड़ेगी जैसे शूटिंग के दौरान मुझसे जुड़ी थी। इससे पहले बागी 4 के गाने गुजारा में अपनी मासूमियत से उन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और बाली सोहनी में अपने डांस से फैंस का दिल जीता। वो एक मल्टीटैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, जो इस फिल्म में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाती दिखाई देंगी।

साभार एजेंसी